13वीं वार्षिक रिपोर्ट
THIRTEENTH ANNUAL REPORT

2008-2009

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विंग–ए, विश्वकर्मा भवन
शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
WING - A, VISHWAKARMA BHAWAN,
SHAHEED JEET SINGH MARG,
NEW DELHI - 110016

एक यादगार वर्ष

वर्ष 2008–09 के दौरान प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने 325.17 करोड़ रुपये के कुल परियोजना व्यय सहित 18 करारों पर हस्ताक्षर किए और 97.46 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता की जिसमें 16 औद्योगिक संस्थानों और 2 वेन्चर कैपिटल कंपनियां शामिल थीं। 16 औद्योगिक संस्थानों के लिए टीडीबी 175.17 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत के विरूद्ध 67.46 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हुई। टीडीबी की सहायता ने विभिन्न क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य सुरक्षा, इंजीनियरिंग, कृषि, ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी को कवर किया है। यह परियोजनाएं 9 राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में फैली है।

वर्ष 2008–09 के दौरान टीडीबी ने 81.60 करोड़ रुपये चालू और नई परियोजनाओं के लिए वितरित किए। इसमें 53.45 करोड़ रुपये औद्योगिक संस्थानों को ऋण के रूप में, 10.00 करोड़ रुपये औद्योगिक संस्थानों और प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेट्र्स को अनुदान के रूप में और 18.15 करोड़ रुपये वेन्चर कैपिटल फण्ड (वीसीएफ) को निवेश के लिए दिए।

वेन्चर कैपिटल फण्ड में भागीदारी

उद्योगों को देश में विकसित प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यकरण को सीधे सहायता प्राप्त करने के अतिरिक्त टीडीबी, प्रौद्योगिकी केन्द्रित वेन्चर कैपिटल फण्ड (वीसीएफ) के साथ निरतंर नेटवर्किंग करते हुए प्रौद्योगिकीय नवीन व्यवहार्य वेन्चर को इस उद्देश्य के साथ कि वे अपने आप पनपे, नवोदय और नवीन उत्पादों/सेवाओं वाली एसएमई के लिए प्रथम चरण वेन्चर को सहायता करती हैं।

वर्ष 2008–09 में टीडीबी ने एमआईसीओएम कैपिटल मेनेजमेंट प्राईवेट लि0 (एससीएमएल), पुणे और "राजस्थान वेन्चर कैपिटल फंड" क्रमशः रीको और सिडबी द्वारा जारी किए गए दो "एसएमई ऑपारच्युनिटी फंड" में 150 करोड़ रुपये के लीवरेज फंड के लिए 30 करोड़ रुपये के निवेश के रूप में पहल की है। दोनों फंडों को प्रथम चरण प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों में, देश में विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से निवेश करने के लिए लक्ष्य बनाया गया है। फंड में भागीदारी, टीडीबी के फ्लो को निपटाने तक पहुंच और प्रौद्योगिकी कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करती हैं।

इनक्यूबेन्टर्स में स्टार्टअप्स के लिए सीड सपोर्ट स्कीम

टीडीबी ने यह अनुभव किया कि प्रौद्योगिकीय, नवीनता के साथ–साथ इनक्यूबेशन स्टेज पर विकास जटिल घटक है जिसके परिणास्वरूप प्रौद्योगिकी का वाणिज्यकरण होता है। टीडीबी ने पिछले वर्षों

The Year That Was

During the year 2008-09, Technology Development Board (TDB) signed 18 agreements and committed Rs. 97.46 crore with a total project outlay of Rs. 325.17 crore covering 16 industrial concerns and 2 Venture Capital Companies. For the 16 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 67.46 crore as against the total project cost of Rs. 175.17 crore. TDB's support covers varied sectors namely, Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology. The projects are spread over 9 States/Union Territories.

During the year 2008-09, TDB disbursed Rs. 81.60 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 53.45 crore as loan to industrial concerns, Rs. 10.00 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators and Rs. 18.15 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued the networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures with the objective to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products / services.

In the year 2008-09, TDB has taken initiative by investing Rs.30 crore in two "SME Opportunities Fund" for leveraging fund of Rs. 150 crore floated by SICOM Capital Management Pvt. Ltd. (SCML), Pune and "Rajasthan Venture Capital Fund" floated by RIICO and SIDBI respectively. Both the funds are targeted at investing in early stage technology based companies with a view to promote indigenous technologies for commercialisation. The participation in funds would provide TDB an access to deal flow and opportunity to invest in technology companies.

Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

TDB recognizes that technological innovation as well as development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative to participate by instituting Seed

में सीड सपोर्ट सिस्टम के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के नेशनल साईंस एंड टेक्नोलॉजी इंटरप्रेनरशिप डेवलपमेंट बोर्ड (एमएसटीईडीबी) द्वारा शासित इनक्यूबेंटर्स में स्टार्टअप्स को प्रारंभिक चरण वित्तिय सहायता देने के लिए विकासोन्मुखी पहल की है।

टीडीबी ने अब तक 10 टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेंटर्स और साईंस और टेक्नोलॉजी इंटरप्रेनर पार्क (एटीईपी) को सहायता दी है जिसमें टीडीबी की 1000 रुपये की प्रतिबद्धता शामिल है। सीड सपोर्ट फंड स्कीम ने विभिन्न क्षेत्रों में 33 इंटरप्रेनर को लाभ पहुंचाया है। इसके अतिरिक्त टीडीबी 5 अन्य इनक्यूबेटरों की सहयता को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है जिसमें 500 लाख रुपये अनुदान के रूप में शामिल है।

विदेशी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन

टीडीबी विदेशी संस्थाओं तथा कॉमनवेल्थ बिजनेस कॉउसिंल (सीवीसी), यूके और सेंटर फॉर द डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सीडीटीआई), स्पेन के साथ पूर्व वर्षों में इनके साथ किए गए समझौता ज्ञापन के अनुसार निरंतर तकनीकी सहयोग करता है।

11 मई 2008 में प्रौद्योगिकी दिवस आयोजन के दौरान कॉमनवेल्थ बिजनेस कॉउसिंल (सीबीसी), यूके द्वारा क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट विषय पर वेबसाईट पर एक कार्यक्रम लांच किया गया जिसमें भारत पर विशेष फोकस किया गया था।

इंडिया स्पेन इनोवेटिंग प्रोग्राम (आईएसआईपी) के तहत सीडीटीआई, स्पेन और टीडीबी के बीच, संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग/ट्रांसफर परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायता और विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराने और एसएमई विकास को, प्रौद्योगिकी ट्रांसफर और नवीनता और दोनों देशों को वित्तिय लाभ देने के उद्देश्य से।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कार 2008

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 11 मई, 2008, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे।

पुरस्कारों की श्रेणी में मुख्य अतिथि ने श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान केन्द्रीय मंत्री की उपस्थिति ने मैसर्स नाटको फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद को पांच नवीन और लागत प्रभावी कैंसररोधी दवा विकास और वाणिज्यकरण के लिए 10 लाख रुपये का पुरस्कार और ट्राफी प्रदान की।

उन्होंने प्रत्येक एमएसआई यूनिट, मैसर्स लाईफ केयर इनोवेशन प्राईवेट लि0, गुड़गांव को उच्च रूप से इकोनोमिक लिपोसोम सेडिटोटिड एमफोट्रिशियन बी और मैसर्स प्राइम टेलीसिस्टम लि0, नोयडा

Support System to provide early stage financial assistance to Start ups in Incubators (STEP/TBI) administered by National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST in previous years.

TDB has so far supported 10 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 1000 lakhs. The Seed Support Fund Scheme has benefited a total of 33 entrepreneurs in various fields. Further, TDB is in the process of finalization of support to 5 more incubators involving Rs. 500 lakhs as grant.

MoUs with Foreign Institutions

TDB continued the technical collaborations with the Foreign Institutions namely Commonwealth Business Council (CBC), UK and Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain as per the MoUs signed with them in previous years. A programme was launched by Commonwealth Business Council (CBC), UK on website on Clean Energy Technology Development with special focus on India on 11th May 2008 during the Technology Day Celebration.

Two bilateral projects were also approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries.

Technology Day and National Awards 2008

The Former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest at the National Awards Function of the Technology Day held on 11th May 2008 in New Delhi.

In the awards category, the Chief Guest in the presence of Shri Kapil Sibal, Union Minister for Ministry of Science and Technology and Earth Sciences presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s Natco Pharma Limited, Hyderabad for developing and commercializing five innovative and cost-effective, anti-cancer drugs.

He also presented Rs. 2 lakh and a trophy each to the SSI units, M/s Lifecare Innovations Pvt. Ltd., Gurgaon for developing and commercializing highly economic Liposome mediated Amphotericin B formulation and M/s Prime

को एचडीवीएसएल (हाई डिफिनिशन बीडियो ओवर सब्सक्राईबर लाईन) स्टैण्डर्ड के विकास और इंटरएक्टिव विडियो ओवर लीगेसी और इमरजिंग केबिल, टेलीफोनी और इंटरनेट नेटवर्क की डिलीवरी के लिए प्रौद्योगिकी स्टैक की सहायता के वाणिज्यकरण के लिए 2 लाख रुपये और ट्राफी भी प्रदान की ।

पारस्परिक मोड

टीडीबी से उपलब्ध वित्तिय सहायता के बारे में उद्योगों, इंटरप्रेनर और आर एंड डी संस्थानों में जागरूकता जगाने के लिए यह विविध गतिविधियों जैसे पारस्परिक बैठकें/अन्य संगठनों के समन्वय से प्रदर्शनियों में भागीदारी करता है। टीडीबी ने अपनी योजनाओं के बारे में जागरूकता जगाने के लिए अहमदाबाद, जयपुर, पुणे, और शिलॉग में प्रदर्शनियों में भाग लिया। टीडीबी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत विदेश में बुडापेस्ट (हंगरी) और ब्रसल्स (बेल्जियम) में प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

2008–09 में नए उत्पाद और सेवाएं

वर्ष के दौरान टीडीबी ने निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण और सुविधाओं को स्थापित करने के लिए वित्तिय सहायता देने हेतु करार किए–

- हीट्रोजिनियस एसडीएच नेटवर्क के लिए प्रोविजनिंग मैनजमेंट सिस्टम का वाणिज्यिकरण और विकास।
- माईग्रेशन सोल्यूशन और सोल्यूशन डिलीवरी प्रदान करने के लिए साफ्टवेयर का विकास और वाणिज्यिकरण।
- बी2बी रिसाइकल्ड पाईटी रिसिन और पॉलीमीरिक प्लास्टीसाइजर का विकास और वाणिज्यिकरण।
- टेक्स्टाईल मिलों में प्रयोग होने वाली न्यू जनरेशन ऑटोमेटिक कोन वाईडनिंग (एसीयू) का वाणिज्यिकरण और विकास।
- सेमीकंडक्टर सेंसर टेक्नोलॉजी पर आधारित एलपीजी/सीएनजी लीकेज डिक्टेटर डिवाईस का वाणिज्यिक लांच।
- निम्न लागत पर उच्च क्वालिटी और शुद्धता सहित रिकाम्बीएंट ह्यूमन ग्रोथ हारमोन (एचजीएच) का विकास और वाणिज्यिकरण।
- क्रॉस लिंकिंग एक्युअस के घरेलू विकास का वाणिज्यिकरण।

Telesystems Limited, Noida for developing and commercializing the HDVSL (High Definition Video over Subscriber Line) standard and supporting technology stack for the delivery of interactive video over legacy and emerging cable, telephony and internet networks.

Interactive Mode

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, it is undertaking diverse activities e.g., interactive meetings / participation in exhibitions in collaboration with other organizations. During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in exhibitions at Ahmedabad, Bangalore, Chennai Dehradun, Delhi, Greater Noida, Hyderabad, Jaipur, Pune and Shillong. TDB also participated in an exhibition abroad under the Ministry of Science & Technology at Budapest (Hungary) and Brussels (Belgium).

New Products and Services in 2008-09

During the year, TDB concluded agreement for financial assistance with following projects for setting up facilities for commercialization of innovative technologies:-

- Development & Commercialization of Provisioning Management System for Heterogeneous SDH Networks.
- Development and Commercialization of software for providing Migration Solution and Solution delivery.
- Development and Commercialisation of B2B Recycled PET Resin & Polymeric Plasticizer.
- Development and Commercialization of a new generation Automatic Cone Winding (ACW) machine used in textile mills.
- Commercial launch of LPG / CNG leakage detector device based on the semiconductor sensor technology.
- Development and Commercialization of the recombinant Human Growth Hormone (hGH) with the high quality and purity at lower cost.
- Commercialization of Indigenously Developed Cross Linkable Aqueous

- लैदर और शू पॉलिशिंग के लिए देश में विकसित क्रास लिकेंबल एक्यूस एलीफेटिक पॉलीयूरेथेन डिसपरशन का वाणिज्यिकरण।
- 850 केवी विंड एनर्जी कनवर्टर सिस्टम की डिजाईन, विकास, निर्माण और मार्किटिंग और विंड फार्म का विकास और इलैक्ट्रिक पॉवर जनरेशन का वाणिज्यिकरण।
- नैनो सिल्वर कोटेड सिरेमिक वॉटर फिल्टर कैंडिल्स का वाणिज्यिकरण।
- सस्टेनेबल क्रॉप मैनेजमेंट के लिए बायो–पेस्टीसाईड्स का नोबेल फारम्यूलेशन का वाणिज्यिकरण।
- चीनी उद्योग के लिए देश में विकसित "वर्टिकल कन्टीन्यूस वैक्यूम पैन" का विकास और वाणिज्यिकरण।
- इन हाउस विकास क्षमताओं पर आधारित ओवरसीज मार्किट के लिए जेन ड्राईविंग ट्रेनिंग सिमुलेटर (जेन डीटीएस) का विकास और वाणिज्यिकरण।
- कंट्रोल्ड रिलीज फर्मास्युटीकल्स – फंगीसम i.v., फंगीसम जेल और सोराईसम जेल की प्रक्रिया विकास और वाणिज्यिकरण।
- हीट श्रिंकेबल ट्यूब, प्रोफाईल एंड शीट्स, ईबी क्रॉस लिंक्ड पॉलीमेरिक वायरस एंड केबलों का वाणिज्यिकरण और इलैक्ट्रान बीम इराडियेशन प्रौद्योगिकी का विकास।
- ब्रोवीन पेरीकाडियम, एमनीओटिक मेम्बरेन और कार्ड ब्लड स्टेम का विकास और वाणिज्यिकरण।
- ग्रामीण कार्यान्वयन पर फोकस करते हुए ReMedi टेलीमेडीसन के माध्यम से प्राथमिक हेल्थकेयर डिलीवरी प्रौद्योगिकी का विकास और वाणिज्यिकरण।

2008–09 में पूर्ण हुई जारी उत्पाद/परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टीडीबी से प्राप्त सहायता सहित जारी उत्पाद पूर्ण हुई परियोजनाएं–

- मैसर्स बेसिक हेल्थकेयर प्रोडक्ट (प्रा0) लि0, चंडीगढ़ द्वारा देश में विकसित बोन ग्राफटिंग टेक्नोलॉजी का वाणिज्यिकरण।
- मैसर्स लेजर स्कैनिंग प्राइवेट लि0, इंदौर द्वारा लेजर टेक्नोलॉजी द्वारा सिस्टम और सबसिस्टम का विकास और वाणिज्यिकरण।

- Aliphatic Polyurethane Dispersion for Leather and Shoe Finishing.
- Design, Development, Manufacturing and Marketing of 850 Kw Wind Energy Converter Systems and Development of Wind farms and its Commercialization for Electrical Power Generation.
- Commercialization of Nano Silver Coated Ceramic Water Filter Candles.
- Commercialization of Novel Formulations of Bio-pesticides for Sustainable Crop Management.
- Development and Commercialization of Indigenously Developed "Vertical Continuous Vacuum Pan" for sugar industry.
- Development and commercialization of – Zen Driving Training Simulator (Zen DTS) for Overseas Markets' based on in-house development capabilities.
- Process Development and Commercialisation of Controlled Release Pharmaceuticals – Fungisome i.v., Fungisome gel and Psorisome gel.
- Developing Electron Beam Irradiation Technology to produce and commercialize Heat Shrinkable Tubes, Profiles & Sheets, EB Cross linked Polymeric Wires & Cables.
- Development and Commercialization of Bovine Pericardium, Amniotic Membrane and Cord Blood Stem.
- Development and Commercialization of Primary Healthcare Delivery Technology through ReMeDi Telemedicine Solution with a focus to Rural Application.

Product Released/Projects completed in 2008-09

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Commercialization of indigenous bone grafting technology by M/s Basic Healthcare Products (P) Ltd., Chandigarh.
- Development and Commercialization of systems and subsystems based on laser technologies by M/s. Laser Scanning Private Ltd, indore.

- मैसर्स इंड–स्विफ्ट लेबोरेट्रीज़ लि0, चंडीगढ़ द्वारा ए.पी.आई का वाणिज्यिकरण।
- मैसर्स इंडब्रो रिसर्च और ब्रीडिंग फाम लि0, हैदराबाद द्वारा लॉ टेक्नोलॉजी इनपुट का वाणिज्यिकरण।
- मैसर्स वैराईटी टेक्नोलॉजी प्रा0 लि0, बैंगलोर द्वारा डायरेक्ट टू कन्जूमर रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन।
- मैसर्स एग्रोसर्ज इराडीयटर्स (इंडिया) प्रा0 लि0, मुम्बई द्वार फूड, एग्रो बायोमैडिकल प्रॉडक्ट का रेडियेशन प्रोसेसिंग।
- मैसर्स एमएनएस सॉफ्टवेयर वर्क्स प्रा0 लि0, चेन्नई द्वारा हीट्रोजीनियस एडीएच नेटवर्क के लिए प्रोविजनिंग मैनेजमंट सिस्टम का विकास एवं वाणिज्यिकरण।
- मैसर्स सीकेवन्ट साईंटिफिक लि0, न्यू मैंगलोर (कर्नाटक) पूर्व स्ट्राईडस रिसर्च एवं स्पेशलिटी केमिकल्स लि0 द्वारा बीटा थईमाईडाईन का विकास और वाणिज्यिकरण।
- शांथा बाईटैक्नीक्स लि0, हैदराबाद द्वारा रिकाम्बीनेट प्लासमीनोजन एक्टीवेटर (आरपीए), हीमोफीलिस इन्फ्लुंजा टाइप बी कंजुगेट (एचआईबी) वैक्सीन, मीजलन वैक्सीन और रूबोला वैक्सीन।
- मैसर्स एस्सल ट्री सॉफ्टवेयर प्रा0 लि0, पुणे द्वारा मोबाईल इंटरप्राइज सोल्युशंस (सॉफ्टवेयर)।

2008–09 में प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तिय सहायता के लिए कुल 55 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 1570.06 लाख रुपये की कुल परियोजना लागत और टीडीबी की 722.30 लाख रुपये की सहायता शामिल है। इसमें से टीडीबी द्वारा वित्तिय सहायता के लिए 26 आवेदनों को उचित पाया गया। वेन्चर कैपिटल फंड ने भी टीडीबी के फंड में शामिल होने के लिए टीडीबी को संपर्क किया।

- Commercialization of API's by M/s Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh.
- Commercialization of low technology input birds by M/s Indbro Research and Breeding Farms Pvt. Limited, Hyderabad.
- Direct-To-Consumer Retail Distribution of Mobile Applications by M/S Variety Technologies Private Limited, Bangalore.
- Radiation Processing for Food, Agro & Biomedical Products by M/s Agrosurg Irradiators (India) Pvt. Ltd. Mumbai.
- Development & Commercialization of Provisioning Management System for Heterogeneous SDH Networks by M/s NMS Software Works Private Limited, Chennai.
- Development and Commercialization of Beta Thymidine by M/s Sequent Scientific Limited, New Mangalore (Karnataka) (Earlier Strides Research and Specialty Chemicals Limited).
- Manufacture of Recombinant Plasminogen Activator (rPA), Haemophilus Influenzae Type-B Conjugate (Hib) Vaccine, Measles Vaccine and Rubella Vaccine) by Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad.
- Mobile Enterprise solutions (software) project by M/s. Accel Tree Software Private Ltd., Pune.

Applications received in 2008-09

During the year, TDB received total 55 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of Rs. 1570.06 lakhs and TDB's assistance of Rs. 722.30 lakhs. Out of that, 26 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB. Venture Capital Funds also approached TDB for participation in their fund.

पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टीडीबी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान हैं। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान तथा विकास अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996–2009 के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 1843.58 करोड़ रुपये एकत्र किए गए टीडीबी को 13 वर्षों की अवधि में 501.42 करोड़ रुपये की संचित राशि उपलब्ध कराई गई। यह आर एंड डी उपकर से एकत्रित राशि का 27.20 प्रतिशत है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करना अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने वाली औद्योगिक इकाईयों तथा अन्य एजेंसियों को वित्तिय सहायता उपलब्ध कराना हैं।

टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में उपलब्ध है तथा आपवादिक मामलों में यह अनुदान भी हो सकता है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण करेंसी के दौरान टीडीबी के तहत उत्पादों की बिक्री पर रायल्टी भी देय है। विकल्प के रूप में टीडीबी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत के अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टीडीबी को वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। परियोजना सहायता हेतु आवेदनों को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में परियोजनाएं कार्यान्वित करने के लिए स्वीकार किया जाता है। टीडीबी द्वारा कोई प्रशासनिक, प्रोसेसिंग अथवा वचनबद्धता शुल्क नहीं लिया जाता है। टीडीबी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित प्रपत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टीडीबी से निःशुल्क या टीडीबी वेबसाईट (www.tdb.gov.in). से प्राप्त की जा सकती है।

An Overview

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enables creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the years 1996-2009, a total amount of Rs.1843.58 crore R&D cess collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 501.42 crore over the period of 13 years. This works out to be 27.20 % of the R&D cess collections.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during currency of loan. Alternatively, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdb.gov.in).

टीडीबी ने अपनी योजनाओं को और अधिक विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं का समर्थन किया है। इसके अतिरिक्त इनक्यूबेटर्स को सीड सपोर्ट स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करती है।

31 मार्च 2008 की स्थिति के अनुसार, टीडीबी द्वारा 1996 में (इसके अस्तित्व 1996 में आने के बाद से) 3274.30 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत युक्त 218 करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें से टीडीबी की वचनबद्धता 992.26 करोड़ रुपये की है जिसके विरूद्ध टीडीबी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड में से और आंतरिक प्राप्तियों में से 835.41 करोड़ रुपये का संवितरण किया है। टीडीबी ने अब तक अन्य निवेशकों से 190 करोड़ रुपये लीवरेज की प्रतिबद्धता/भागीदारी सहित 733 करोड़ रुपये के कुल फंड के 7 वेन्चर कैपिटल फंड को सहायता दी है। टीडीबी ने सीड सपोर्ट स्कीम के तहत दस इनक्यूबेटर्स में से प्रत्येक को 1 करोड़ रुपये की सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत की है।

टीडीबी ने सीड सपोर्ट फंड के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्मुख वेन्चरों में लीवरेज निवेश की दृष्टि से अपने स्कोप के भीतर ही वेन्चर कैपिटल फंड के साथ साझेदारी की है और आर एंड डी पहलों का समर्थन किया है। अभी हाल ही में टीडीबी ने यूटीआईबीएफ, एपीआईडीसी वेन्चर कैपिटल फंड और गुजरात वेन्चर फंड लि0 के साथ साझेदारी की है। इस फंड का उद्देश्य है कि यह विभिन्न क्षेत्रों जैसे आईटी/आईटीईएस, बायोटेक्नोलॉजी, हेल्थ, टेलीकम्यूनिकेशन, नैनो टेक्नोलॉजी इत्यादि को, नवीन परियोजनाओं में लीवरेज निवेश की दृष्टि से इसकी संभावना को विस्तार करने के लिए सहायता करता है।

टीडीबी ने मार्च, 2009 तक 190 करोड़ रुपये के कुल प्रतिबद्धता सहित 7 वैन्चर कैपिटल फंड के साथ करार किया है।

TDB has also participated in Venture Capital Funds to wider its scheme for spreading support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme give to Incubators.

As on 31st March 2009, TDB has signed total 218 agreements (since its inception in 1996) with the total project cost of Rs. 3274.30 crore involving TDB's commitment of Rs. 992.26 crore against which TDB has disbursed Rs. 835.41 crore from the grants provided by the government and through internal accruals. TDB so far has supported 7 Venture Capital funds with commitment / participation of Rs. 190 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 733 crores from other investors. TDB has approved grant assistance of Rs. 1 crores each of the ten Incubators under the Seed Support Scheme.

TDB has partnered with venture capital funds to within its scope with a view to leverage investment in technology oriented venture and supported R&D initiatives by the incubator though its Seed Support Fund. In the recent past, TDB has partnered with the UTIVF, APIDC Venture Capital Fund and Gujarat Venture Funds Ltd. The fund targeted to support, technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunication, Nano-technology etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

TDB has entered into agreement with 7 Ventures funds with a total commitment of Rs. 190 crores till March 2009.

वित्तीय सहायता का साधन

टीडीबी द्वारा 31 मार्च 2009 तक दी गई वित्तीय सहायता के साधनों को निम्नलिखित तालिका में दिखाया गया है।

(करोड़ रु0 में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत*	टीडीबी द्वारा वितरण
लोन	683.24	605.22
इक्विटी	24.36	24.36**
ग्रांट	94.66	75.86
वेन्चर फंड	190.00	129.97
कुल	**992.26**	**835.41**

* *31 मार्च 2009 को वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन के कारण टीडीबी द्वारा स्वीकृत राशि को संशोधित किया गया।*

** *एनआईसीसीओ कॉरपोरेशन को 18.46 करोड़ रुपये के ऋण को मार्च 2004 में कम्यूलेटिव रिडीमेबल प्रेफ्रेंस शेयर में परिवर्तित किया गया।*

सेक्टरवार कवरेज

टीडीबी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टीडीबी द्वारा 1997–98 से इसके गठन से 31 मार्च 2009 तक सेक्टरवार स्वीकृत किए गए परियोजनाओं को दिखाया गया है।

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31st March 2009.

(Rupees in crore)

Instruments	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loans	683.24	605.22
Equity	24.36	24.36**
Grant	94.66	75.86
Venture Funds190	129.97	
Total	**992.26**	**835.41**

* *The sanctioned amount by TDB has been revised as on 31st March 2009 due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.*

** *Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).*

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31st March, 2009, since inception in 1997-98.

सेक्टरवार कवरेज 1997–2009

(करोड़ रु0 में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
1.	हेल्थ एवं मेडिकल	60	811.12	252.09
2.	इंजिनियरिंग	45	392.28	132.26
3.	केमिकल्स	18	137.55	46.03
4.	कृषि	17	103.79	33.32
5.	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	8	132.36	55.98
6.	दूरसंचार	10	79.79	29.35
7.	रक्षा एवं नागर विमानन	1	8.00	2.20
8.	सड़क यातायात	10	527.04	81.20
9.	हवाई यातायात	2	142.10	67.80
10.	सूचना प्रौद्योगिकी	29	196.44	91.53
11.	अन्य			
	(क) वेन्चर फंड सहित	7	733.33	190.00
	(ख) एसटीईपी–टीबीआई	10	10.00	10.00
	(ग) सीआईआई	1	0.50	0.50
		18	743.83	200.50
	कुल	**218***	**3274.30**	**992.26**

* *(टीडीबी द्वारा बिना वसूली किए 10 रद्द किए गए करारों को शामिल न करना)*

अन्य रोगों की तुलना में हेल्थकेयर और इंजीनियरिंग सेक्टरों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टीडीबी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रूप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिक उन्मुखी है।

Sector-wise Coverage 1997-2009

(Rupees in crore)

	Sector	Number of Agreements	Total Cost	Sanctioned by TDB
1	Health & Medical	60	811.12	252.09
2	Engineering	45	392.28	132.26
3	Chemicals	18	137.55	46.03
4	Agriculture	17	103.79	33.32
5	Energy & Waste Utilisation	8	132.36	55.98
6	Tele- communication	10	79.79	29.35
7	Defence and Civil Aviation	1	8	2.2
8	Road Transport	10	527.04	81.2
9	Air Transport	2	142.1	67.8
10	Information Technology	29	196.44	91.53
11	Others			
	a) Including Venture Funds	7	733.33	190.00
	b) STEP-TBI	10	10.00	10.00
	c) CII	1	0.50	0.50
		18	743.83	200.50
	Total	**218***	**3274.30**	**992.26**

* *(Excludes 10 agreements cancelled by TDB without any release.)*

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

वर्ष 1997–2009 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों पर राज्यवार वितरण

वर्ष 1997–2009 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) राज्यवार वितरण

(करोड़ रु0 में)

सं0	राज्य, केन्द्र शासित	करारों	इन्टर प्राइजेज की संख्या	कुल	टीडीबी द्वारा स्वीकृत की गई ऋणअनुदान/ इक्विटी
1.	आन्ध्र प्रदेश	62	49	815.42	268.31
2.	चंडीगढ़	1	1	2.40	1.20
3.	दिल्ली	15	14	132.10	50.71
4.	गुजरात	9	6	92.86	25.89
5.	हरियाणा	4	4	22.20	9.05
6.	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7.	कर्नाटक	22	22	324.18	76.53 +जीआर 60.16
8.	केरल	2	2	10.91	5.15
9.	मध्य प्रदेश	7	5	143.94	53.85
10.	महाराष्ट्र	28	27	572.05	84.25
11.	पाण्डीचेरी	1	1	5.83	1.90
12.	पंजाब	8	7	92.55	23.86 +इक्विटी 5.90
13.	राजस्थान	2	2	110.77	18.00
14.	तमिलनाडु	28	27	205.65	60.91
15.	उत्तर प्रदेश	4	3	38.04	3.92 +जीआर 33.44
16.	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	18.37 +इक्विटी 18.46*
	दूसरे–सहित				
	वेन्चर फंड	5	5	583.33	160.00
	एसटीईपी–टीबीआई	10	10	10.00	10.00
	सीआईआई	1	1	0.50	0.50
	कुल योग	**218**	**193**	**3274.30**	**992.26**

टिप्पणी: टीडीबी द्वारा बिना वसूली किए गए रद्द किए गए 10 करारों को शामिल नहीं किया गया।

* *मार्च, 2004 में एमआईसीलसीओ कॉरपोरेशन लि0 को वितरित किए 18.42 करोड़ रुपये (12.46 करोड़, 1999–2000 और 6 करोड़ 2001–2002 में) को कम्यूलेटिव रिडीम प्रेफरेंस शोयर में परिवर्तित किया गया।*

State-wise Distribution of Agreements 1997-2009

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2009 is given below:

(Rupees in crore)

No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total Cost	Loan/Grant /Equity Sanctioned by TDB
1	Andhra Pradesh	62	49	815.42	268.31
2	Chandigarh	1	1	2.4	1.2
3	Delhi	15	14	132.1	50.71
4	Gujarat	9	6	92.86	25.89
5	Haryana	4	4	22.2	9.05
6	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.9
7	Karnataka	22	22	324.18	76.53 +Gr 60.16
8	Kerala	2	2	10.91	5.15
9	Madhya Pradesh	7	5	143.94	53.85
10	Maharashtra	28	27	572.05	84.25
11	Pondicherry	1	1	5.83	1.9
12	Punjab	8	7	92.55	23.86 +Eq 5.90
13	Rajasthan	2	2	110.77	18
14	Tamil Nadu	28	27	205.65	60.91
15	Uttar Pradesh	4	3	38.04	3.92 +Gr 33.44
16	West Bengal	8	6	105.33	18.37 + Eq18.46*
	Others- Including Venture Funds	5	5	583.33	160.00
	STEP-TBIs	10	10	10	10.00
	CII	1	1	0.5	0.50
	Grand Total	**218**	**193**	**3274.3**	**992.26**

Note: *Excludes 10 agreements cancelled by TDB without any release.*

* *Loan amount of Rs.18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation Ltd., Kolkata was converted into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004.*

टी डी बी द्वारा वित्तिय भागीदार बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वितिय सहायता में स्वास्थ्य सहित इंजीनियरिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होती है।

रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमियों की परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के साथ–साथ सतत् एंटरप्राइजेजों के द्वारा कार्यान्वित नई परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार के नए अवसरों को पैदा करके अपना मूल्य संवर्धन किया।

सकारातमक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टी डी बी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड के साथ भागीदारी की है ताकि विभिन्न नवीन परियोजनाओं के लीवरेज निवेष की संभावनाओं को विस्तृत किया जा सके और मूल सहायता प्रणाली फंड के माध्यम से इनक्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टी डी बी देष में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ी है।

वेंचर कैपिटल फंड में भागीदार

वर्ष 2008–09 में टी डी बी ने अपनी गतिविधियों का विस्तार करने के लिए एस आई सी ओ एम कैपिटल मैनेजमेंट प्रा. लि. (एस सी एम एल) पुणे द्वारा रीको और सिडबी द्वारा जारी किए गए क्रमशः "एस एम ई अपोरच्यूनिटी फंड" में और "राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड" में अंशदान के लिए करार किया है। दोनों फंड का उद्देश्य, प्राथमिक चरण प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों में प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यिकरण सहित वेंचर्स को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से निवेश करनाल। यह फंड इंजीनियरिंग, आई टी, स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी एग्रो इत्यादि क्षेत्रों को भी महत्व देगा। इन भागीदारियों से टी डी बी संभावित क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों का उत्तरोत्तर वृद्धि कर सकेगा और उभरती हुई प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण की संभावनाओं में वृद्धि कर सकती है। टी डी बी को प्रोत्साहन और भागीदारी के परिणामस्वरूप वेंचर पूंजीवादी टी डी बी के अभियान में अपना सहयोग करेगा। टी डी बी ने अब तक 7 वेंचर कैपिटल फंड को 190 करोड़ रुपए के लीवरेज प्रतिबद्धता/भागीदारी सहित अन्य निवेशकों से 733 करोड़ रुपए के कुल फंड की सहायता दी है।

विदेशी संस्थानों सहित समझौता ज्ञापन

टी डी बी ने विभिन्न विदेशी संस्थानों यथा एजें स नेशनेल डी वेलोराइजेशन डी ला रीर्चशे (ए एन वी ए आर), फ्रांस, सेन्टर फॉर डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलाजी (सीडीटीआई) स्पेन और

Financial participation by TDB depends largely on the market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with engineering sector have a significant share in its financial assistance.

Job Opportunity

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects and also supported R&D initiatives by the incubators through Seed Support Fund. TDB has also associated with foreign institutions with the aim of providing a platform of technology oriented initiated in the country.

Participation in Venture Capital Fund

In the year 2008-09, TDB with a view to broaden its activities, has entered into agreement for contribution in the "SME Opportunities Fund" floated by SICOM Capital Management Pvt. Ltd. (SCML), Pune and in the "Rajasthan Venture Capital Fund" floated by RIICO and SIDBI. Both the funds targeted at investing in early stage technology based companies with a view to promote ventures with technology development and commercialisation. The fund would focus on sectors link Engineering, IT, Healthcare, Biotechnology Agro etc. These participations would enable TDB to enlarge its activities in potential areas with good scalability and to enhance its scope of commercialization of emerging technologies. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB so far supported 7 Venture Capital funds with commitment / participation of Rs. 190 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 733 crores from other investors.

MoUs with Foreign Institutions

TDB has signed MoUs with several foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of

काम्मनवेल्थ बिजनेस कौंसिल (सीबीसी), यू.के. के साथ संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग/हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहयोग और फंड के लिए और एस एम ई विकास वाया टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, इंडस्ट्रीयल रिसर्च, प्रौद्योगिकी विकास और

एस टी ई पी/टी बी आई के लिए मूल सहायता

टी डी बी ने युवा उद्यमियों को प्रारम्भिक स्तर पर वित्तिय सहायता उपलब्ध कराने के लिए मूल सहायता प्रणाली (सीड सपोर्ट फंड) बनाया है ताकि उनकी नवीन प्रौद्योगिकी कल्पनाओं को फलीभूत किया जा सके। टी डी बी ने 10 टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टी बी आई) तथा साइंस टेक्नोलॉजी इंटरप्रनर पार्क (एस.टी.ई.पी.) को सहायता प्रदान की है जिसके अन्तर्गत टी डी बी ने 1000 लाख रुपए की प्रतिबद्धता तय की है और अभी तक 520 लाख रुपए का वितरण किया है। मूल सहायता प्रणाली (सीड सपोर्ट फंड) योजना ने विभिन्न क्षेत्रों में अभी तक कुल 33 उद्यमियों को लाभ पहुंचाया है। इस वर्ष पांच और टी बी आई अतिम रूप की प्रक्रिया में है जिसमें उन्हें 500 लाख रुपए की और अनुदान सहायता दी जाएगी।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई 2008 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस समारोह में पांच कंपनियों को टी डी बी द्वारा सहायता दी गई है, मैसर्स शांथा बायोटेक्नीक प्रा. लि., मैसर्स ऑसीमन बायोसोल्यूशनस (इंडिया) लि., मैसर्स आई स्मार्ट बिजनेस सोल्यूशनस प्रा. लि., मैसर्स बैल्यू वन इंफोटेक प्रा. लि. और मैसर्स माइक्रोट्राल सरलाइजेशन सर्विस प्रा. लि. के उतपादों को जारी किया गया। मुख्य अतिथि ने श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्रीय मंत्री की उपस्थिति में मैसर्स नाटको फार्मा लि., हैदराबाद और दो एस एस आई पुरस्कार लाईफकेयर इनोवेशन प्रा. लि. गुड़गांव और मैसर्स प्राइम टेलीसिस्टम लि., नोएडा को राष्ट्रीय पुरस्कार दिए गए।

Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation/ transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted Seed Support Fund to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs in bringing out innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators in previous years.TDB has so far supported 10 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 1000 lakhs. The Seed Support Fund Scheme has benefited to a total of 33 entrepreneurs in various fields. During this year, 5 more TBI's are in the process of finalization to provide the support involving further Rs. 500 lakhs as grant.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2008 celebrated on 11th May 2008 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest. The products from five companies supported by TDB viz. M/s. Shantha Biotechnics Pvt. Ltd., M/s. Ocimum Biosolutions (India) Ltd., M/s. i-Smart Business Solutions Pvt. Ltd., M/s. Value One Infotech Pvt. Ltd., and M/s. Microtrol Sterilisation Services Pvt. Ltd., were released. The Chief Guest in presence of Sh. Kapil Sibal, Ministry of Science & Technology and Earth Science presented National Award to M/s. Natco Pharma Ltd., Hyderabad and two SSI Award to M/s. Lifecare Innovation Pvt. Ltd., Gurgoan and M/s. Prime Telesystem Ltd., Noida.

दिनांक 11 मई, 2008 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, मैसर्स नाटकों फार्मा लि. हैदराबाद, के श्री वी.सी. नानापानेनी को ट्राफी प्रदान करते हुए।

दिनांक 11 मई, 2008 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, एस एस इकाई के लिए मैसर्स लाइफकेयर इनोवेशन प्रा. लि., गुड़गांव डॉ. जितेन्द्र एन. वर्मा, को ट्राफी प्रदान करते हुए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India, presenting the trophy for the National Award 2008 to Shri V.C. Nannapaneni of M/s Natco Pharma Limited, Hyderabad on 11th May 2008

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India, presenting the trophy for the SSI unit to Dr. Jitendra N. Verma of M/s Lifecare Innovations Private Limited, Gurgaon on 11th May 2008

दिनांक 11 मई, 2008 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, एस एस इकाई के लिए मैसर्स प्राइम टेलिसिस्टम लि., नोएडा की श्री सुजित लिडल को ट्राफी प्रदान करते हुए।

बोर्ड के सदस्य

बोर्ड, डॉ. संजीव मिश्रा, सचिव, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय को 31.03.2008 तक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड को अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

श्रीमती सुषमा नाथ, सचिव, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय को 1 अप्रैल 2008 से बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

आभार

बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को टी डी बी को अपनी सेवाएं अर्पित करने के लिए आभार प्रकट करता है।

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक :

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India, presenting the trophy for the SSI unit to Shri Sujit Liddle of M/s Prime Telesystems Limited, Noida on 11th May 2008

Board Members

The Board places on record the valuable services rendered by Dr. Sanjiv Misra, Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance upto 31.03.2008 as Members of the Technology Development Board.

Smt. Sushama Nath, Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance has been nominated as members of Board w.e.f. 1st April, 2008.

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

Place: New Delhi
Date:

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च 2009)

1.	डॉ. टी. रामा सामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. समीर ब्रह्मचारी सचिव, साईंस्टिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (अतिरिक्त प्रभार)	पदेन अध्यक्ष
3.	डॉ. एम. नटराजन सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन अध्यक्ष
4.	श्रीमती सुषमा नाथ सचिव, व्यय विभाग	पदेन अध्यक्ष
5.	डॉ. अजय शंकर सचिव, औद्योगिक नीति और उन्नति विभाग	पदेन अध्यक्ष
6.	डॉ. रीता शर्मा सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन अध्यक्ष
7.	श्री सुबोध भार्गव अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड (वीएसएनएल)	सदस्य
8.	श्री एन. श्रीनिवासन अध्यक्ष, विदेश संचार लिमिटेड (वीएसएनएल)	सदस्य
9.	डॉ. (श्रीमती) किरन मजूमदार–शॉ अध्यक्ष, एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स बाईकॉन लिमिटेड	सदस्य
10.	श्री सतीश के. कौरा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सेमटल कलर लि.	सदस्य
11.	श्री दिनेश चन्द्र शर्मा सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य

Composition Of The Technology Development Board

(31st March 2009)

1.	Dr. T. Ramasami Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	Dr. Samir Brahmachari Secretary, Department of Scientific & Industrial Research (Additional Charge)	ex-officio Member
3.	Dr. M. Natarajan Secretary, Department of Defence Research & Development	ex-officio Member
4.	Smt. Sushama Nath Secretary, Department of Expenditure	ex-officio Member
5.	Dr Ajay Shankar Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion	ex-officio Member
6.	Dr. Rita Sharma Secretary, Department of Rural Development	ex-officio Member
7.	Shri Subodh Bhargava Chairman, Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)	Member
8	Shri N. Srinivasan Advisor to the President – Confederation of Indian Industries (CII)	Member
9.	Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar – Shaw Chairman & Managing Director, M/s Biocon Limited	Member
10.	Shri Satish K. Kaura, Chairman & Managing Director, M/s Samtel Color Ltd	Member
11.	Shri Dinesh Chand Sharma Secretary, Technology Development Board	ex-officio Member

Photographs of the Board Members
बोर्ड सदस्यों की फोटोग्राफ

Dr. T. Ramasami, Chairperson
डॉ. टी. रामासामी, अध्यक्ष

Dr. Samir Brahmachari
डॉ. समीर ब्रह्मचारी

Dr. M. Natarajan
डॉ. एम. नटराजन

Smt. Sushma Nath
श्रीमती सुषमा नाथ

Dr. Ajay Shankar
डॉ. अजय शंकर

Dr. Rita Sharma
डॉ. रीता शर्मा

Shri Subodh Bhargava
श्री सुबोध भार्गव

Shri N. Srinivasan
श्री एन. श्रीनिवासन

Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar – Shaw
डॉ. (श्रीमती) किरन मजूमदार–शॉ

Shri Satish K. Kaura
श्री सतीश कु. कौरा

Shri Dinesh Chand Sharma
श्री दिनेश चन्द शर्मा

प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का गठन किया।

टी डी बी प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता हैं कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टी डी बी को किसी अन्य स्त्रोत से टी डी बी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए कोष से प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोश की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता हैं वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टी डी बी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकर समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती हैं वर्ष 1996 से 2009 के दौरान उपकर समाहरण 1843.58 करोड़ रुपए का हुआ था और इसी अवधि के दौरान टी डी बी ने उपकर समाहरणों में से अनुदान के रूप में 501.42 (27.20) करोड़ रुपए प्राप्त किये थे।

टी डी बी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टी डी बी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का सरल ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण के अनुमोदन होने के दौरान टी डी बी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिक्री होने पर रॉयल्टी का भी भुगतान करना होता है। टी डी बी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार वसूल नहीं करता। टी डी बी किश्तों में ऋण धनराशि मुहैया कराता है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार–सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी बी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी हाने के एक वर्ष के पश्चात् आरंभ होता है और तत्पश्चात पूरी ऋण धनराशि साढ़े चार वर्षों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किस्त के

Introduction

To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the years 1996-2009, the Cess collections were Rs. 1843.58 crore and during the same period, TDB has received Rs. 501.42 crore (27.20 %) as grants out of the Cess collections.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

The repayment of the loan and payment of interest commences one year after the project is completed and the full loan amount is generally recoverable in nine, half

पुनः भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टी डी बी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और/अथवा ऋणों के रूप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टी डी बी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त रॉयल्टी में से टी डी बी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रूप में टी डी बी को भुगतान करना अपेक्षित होता है।

टी डी बी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और/अथवा टी डी बी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण–इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है। इक्विटी अंशदान टी डी बी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टी डी बी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य पर टी डी बी को अपने शेयर प्रमाण पत्र जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों को अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेयर पूंजी को पूर्ण रूप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों की यह वचनबद्धता होनी चाहिए कि वह अपने शेयरों को टी डी बी को ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल में अपने निदेशकों को नामित निदेशक के रूप में रखने का अधिकार है टी डी बी का यह विवेकाधिकार है कि यह (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी होने जाने के तीन वर्षों के पश्चात् अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात् कंपनी में अपनी शेर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है तथापि शेयरों को वापस लेने का पहला विकल्प प्रोत्साहकों के पास रहेगा।

टी डी बी, औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2008–09 के दौरान बोर्ड की 2 जुलाई 2008 को (41वीं), 23 फरवरी, 2009 को (42वीं) दो बैठकें हुई।

बोर्ड, डॉ. संजीव मिश्रा, सचिव, व्यय विभाग वित्त मंत्रालय का बोर्ड के सदस्य के रूप में की गयी उनकी बहुमूल्य सेवाओं के लिए आभार प्रकट करता है।

yearly installments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2008-09, the Board held 2 meetings i.e. on 2nd July, 2008 (41st), and on 23rd February, 2009 (42nd).

The Board places on record the valuable services rendered by Sanjiv Misra, Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance as Members of the Technology Development Board.

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम 11 मई, 2008 को अशोक होटल, नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, केन्द्रीय मंत्री की उपस्थिति में मैसर्स नाटकों फार्मा लि. हैदराबाद को पाँच नवीन एवं लागत प्रभावी, कैंसर रोधी दवा को ब्रॉड नाम जी ई एफ टी आर्ठ एन ए टी (जेफटीनेट) नॉन–स्मॉल लंग कैंसर एल ई टी आर ओ एन ए टी (लेटरोनेट) ब्रेस्ट कैंसर एन ए टी एफ ओ एस टी –रेडियेशन प्रोटेक्शन, जेड ओ एल डी ओ ए टी (जोलडोनेट) – बोन मेटासिस के लिए और बी ओ आर टी ई एन ए टी (बोरटीनेट) – मल्टीपल माईलोमा के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए 10 लाख रुपए और ट्राफी प्रदान की। यह आयातित ब्रॉडों से तीन से दस गुना कम लागत पर उपलब्ध है यह आम आदमी की पहुँच के अंदर और उसकी आवश्यकताओं को पूरा करती है।

उन्होंने प्रत्येक एस एस आई यूनिट मैसर्स लाइफकेयर इनोवेशन प्रा.लि. गुड़गांव को ब्रॉड नाम एफ यू एन. जी. आई. एस. ओ. एम. ई. टी. एम. आई.वी. के तहत सिस्टीमीक माईकोसिस और काला आजार के उपचार के लिए लक्षित डीलीवरी के लिए बहुत अधिक सस्ती लिपासोम मेडद्यीयटिडद्य एमफोट्रीशिन बी फारमूलेशन और मैसर्स प्राइम टेलीसिस्टम लि. नोएडा की उभरते हुए केबिल एकाधिकार के विरुद्ध टेलीकोमी और इंटरनेट नेटवर्क पर इंटरक्टिव वीडियो की डिलीवरी के लिए एचडीवीएसएल (हाई डेफीफीमिशन वीडियो आवर सबसक्राइवर लाईन) स्टैण्डर्ड और सपोर्टिंग टेक्नोलॉजी स्टैक जिससे व्यक्तिगत कम्प्यूटर और सेटटॉप बॉक्स की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए 2 लाख रुपए और ट्राफी प्रदान की।

श्री कपिल सिब्बल, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिक और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने यह बताया कि प्रतयेक वर्ष इस दिन हम नवीनता पर विजय का उतसव मनाते हैं। इस प्रकार की नवीनता हमारे देश की अग्रसर दौड़ में प्रौद्योगिकी मील का पत्थर हैं उन्होंने कहा प्रौद्योगिकी दिवस स्वास्थ और सतत् भारतीय नवीनता पद्धति के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय महत्व का दिन है जिसमें दक्ष और शिक्षित व्यक्तियों, इंटरप्रेनरशिप को प्रोत्साहित करने और जोखिम उठाने और प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि उद्योग में प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण बनाने के लिए इंटरप्रेनरशिप को प्रोत्साहित करने के लिए और जोखिम उठाने के लिए पोषण, परामर्श, धनराशि और रिसर्च और इन्क्यूबेशन को विकसित बनाने के आवश्यकता है।

उन्होंने टी डी बी की उपलब्धियां की भी सराहना की जिसमें हर किस्म के इंटरप्रेनर चाहे वह स्व–निर्मित हो अथवा किसी स्थापित घराने से संबंधित हो, की सहायता की है।

Technology Day and Presentation of National Awards

The Former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, presided over as the Chief Guest at the National Awards Function of the Technology Day held on 11th May 2008 at 'Ashoka Hotel', New Delhi. The Chief Guest in the presence of Shri Kapil Sibal, Union Minister for Ministry of Science and Technology and Earth Sciences presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s Natco Pharma Limited. Hyderabad for developing and commercializing five innovative and cost-effective, anti-cancer drugs under the Brand Name GEFTINAT for Non - Small Cell Lung Cancer, LETRONAT for Breast Cancer, NATFOST for Radiation Protection, ZOLDONAT for Bone Metastasis and BORTENAT for multiple myeloma. These are available with 3 to10 times reduced cost over the imported brands which makes them both affordable and available to meet the requirements of the common man.

He also presented Rs. 2 lakh and a trophy each to the SSI units, M/s Lifecare Innovations Pvt. Ltd., Gurgaon for developing and commercializing highly economic Liposome mediated Amphotericin B formulation under the Brand Name FUNGISOMETM i.v. for targeted delivery for treatment of Systemic Mycosis and Kala – azar. M/s. Prime Telesystems Limited, Noida For developing and commercializing the HDVSL (High Definition Video over Subscriber Line) standard and supporting technology stack for the delivery of interactive video over legacy and emerging cable, telephony and internet networks. Thereby eliminates the requirement of a personal computer or set top box.

Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of Science and Technology and Earth Sciences gave the welcome address. He mentioned that "each year this day we celebrate the triumph of innovation. Such innovations are technology milestones in our nation's onward march. He said Technology Day is a day of national significance in the context of healthy and sustainable Indian Innovation System which requires skilled and educated people, instruments to promote entrepreneurship and risk-taking and a technology competitive environment. He emphasized that industry needs nurturing, mentoring, funding & fostering research & incubation to promote entrepreneurship and risk – taking to crate technology competitive environment.

He also appreciated the achievements of TDB which has engaged venture capitalists with a difference for not shy away from supporting any kind of entrepreneur-either self made or an established industrial house- as long as a product/ process is backed by sound innovative.

वैज्ञानिक समुदाय को सम्बोधित करते हुए डॉ ए. पी.जे. अब्दुल कलाम न कहा कि यह दिन हमें नवीनता को प्रोत्साहित करने और उद्योगों को उतकृष्ट उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी फ्लो को पोषित करने में जटिल प्रौद्योगिकियों में आत्म–स्वालम्ब प्राप्त करने के लिए निरंतर हमारे संघर्ष की याद दिलाता है ताकि हमारे देश को एक प्रतिस्पर्धात्मक आधर मिले और एक विकसित भारत का सपना साकार हो सके। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक इंडेक्स (जीसीआई) और नवीकरण इंडेक्स (II) दो ऐसे पैरामीटर है जो कि विश्व के देशों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में श्रेणीकृत करता है भारत का जीसीआई में 48वां और नवीकरण इंडेक्स II में 23वां रैंक है। भारत इन रैंकों में, आई.टी. उपभोक्ता मदों, स्वास्थ्य, चुनाव पद्धति, न्यूक्लियर विज्ञान और अन्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, स्थानीय संसधन प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण परिवर्तन, भारतीय उच्च शैक्षिक–पद्धति इत्यादि क्षेत्रों में नवीकरण इकोसिस्टम सशक्तीकरण के द्वारा वृद्धि कर सकती हैं इसे संयुक्त उद्यम आर एंड डी मिशन, इनोवेशन फंड–इनक्यूवेशन और इंटरप्रेरनरशिप विकास द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ. स्वाती ए. पीरामल, निदेशक, मैसर्स निकोलसन पीरामल इंडिया लि., मुम्बई ने समारोह में प्रौद्योगिकी दिवस का व्याख्यान दिया।

Addressing the Scientific community, Dr. A.P.J. Abdul Kalam said that this day reminds us towards our constant strive to achieve self reliance in critical technologies, to encourage innovations and to nurture technology flow to industry for product excellence, so that our nation has the competitive edge leading to our cherished vision of developed India. He mentioned that the Global Competitiveness Index (GCI) and Innovation Index (II) are two parameters which ranks the countries of the world in Science & Technology India ranks 48 in GCI and 23 II. India may improve these ranks by empowering innovation ecosystem in the areas of IT, consumer items, healthcare, election system, nuclear science and other science & technology departments, rural transformation through local resource management, Indian higher education system etc. This can be achieved by joint venture R&D Missions, innovation fund, incubation and entrepreneurship development.

Dr. Swati A. Piramal, Director, M/s. Nicholas Piramal India Limited, Mumbai, gave the technology day lecture at the Function.

2008-09 में परियोजनाएँ और उत्पाद

वर्ष 2008–09 में स्वीकृति

2008–09 के दौरान टीडीबी ने 16 औद्योगिक संस्थानों और 2 वेंचर कैपिटल फंड के साथ 18 करार किए। 16 औद्योगिक इकाईयों के लिए टीडीबी ने 175.17 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के विरुद्ध 67.46 करोड़ रुपए का ऋण और 2 वेंचर फंड के लिए 1.50 करोड़ रुपए से अधिक के लीवरेजिंग फंड के लिए 30 करोड़ रु. का ऋण देने के लिए सहमत हो गया है।

2008–09 में वितरण

वर्ष 2008–09 के दौरान सतत और नई परियाजनाओं के लिए 81.60 करोड़ रुपए की राशि का वितरण किया। इसमें से 53.45 करोड़ रुपए ऋण के रूप में 10.00 करोड़ रूपए अनुदान के रूप में और 18.15 करोड़ रुपए एपीआईडीसी–वीसीएल, जीवीएफएल और आरवीसीएफ को उनके फंड के माध्यम से प्रारंभिक चरण के साथ–साथ विकासोन्मुखी वेंचर में निवेश करने के लिए दिए गए।

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी ने इस बात को पूरा अनुभव करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता दी। सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दक्षता के विकास के लिए प्रौद्योगिकी अति अनिवार्य है। निम्नलिखित सारणी टी डी बी द्वारा 2008–09 में पूर्ण किए गए क्षेत्रवार कवरेज को दर्शाती है:–

Projects And Products In 2008-09

Sanctions in 2008-09

During the year 2008-09, TDB signed 18 agreements with 16 industrial concerns and 2 with Venture Capital Companies. For the 16 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 67.46 crore as against the total project cost of Rs. 175.17 crore. and Rs.30 crore for two venture funds for leveraging fund of over Rs. 150 crore.

Disbursements in 2008-09

During the year 2008-09, TDB disbursed a sum of Rs. 81.60 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 53.45 crore as loan, Rs. 10.00 crore as grant and Rs. 18.15 crore to APIDC-VCL, GVFL and RVCF for investment in early stage as well as growth oriented ventures through their funds.

Sector-wise Coverage

TDB provides support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2008-09.

क्षेत्रवार कवरेज

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	सैक्टर	करारों की संख्या	कुल कीमत	टीडीबी की वचनबद्धता
1.	स्वास्थ्य और चिकित्सा	5	38.05	13.59
2.	इंजीनियरिंग	5	63.51	23.59
3.	ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता	1	27.02	10.00
4.	सूचना प्रौद्योगिकी	3	23.88	11.03
5.	रसायन	1	9.90	4.95
6.	कृषि	1	12.81	4.30
7.	अन्य एजेंसियां			
	क) वेंचर	2	150.00	30.00
	कुल	**18**	**325.17**	**97.46**

करारों का राज्य–वार वितरण

2008–09 के दौरान टीडीबी द्वारा सहायता का विस्तार नौ राज्यों में हुआ।

वर्ष 2008–09 के दोरान टीडीबी द्वारा हस्ताक्षर किए गए 18 करारों का राजयवार वितरण को दर्शाने वाली सारणी।

Sector-wise Coverage

(Rupees in crore)

	Sector	Number of Agreements	Total Cost	Sanctioned by TDB
1	Health & Medical	5	38.05	13.59
2	Engineering	5	63.51	23.59
3	Energy & Waste Utilization	1	27.02	10
4	Information Technology	3	23.88	11.03
5	Chemical	1	9.9	4.95
6	Agriculture	1	12.81	4.3
7	Other Agencies a) Venture Funds	2	150	30
	Total	**18**	**325.17**	**97.46**

State-wise Distribution of Agreements

During 2008-09, the assistance by TDB is spread over nine states.

The table below indicates State-wise distribution of the 18 agreements signed by TDB during 2008-09.

करारों का राज्य–वार वितरण

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	करारों की संख्या	कुल कीमत	टीडीबी की बचनबद्धता
1.	आन्ध्र प्रदेश	5	33.67	15.88
2.	गुजरात	1	27.02	10.00
3.	हरियाणा	2	14.80	6.95
4.	कर्नाटक	2	220.48	5.09
5.	मध्य प्रदेश	1	75.00	15.00
6.	पंजाब	1	12.81	4.30
7.	राजस्थान	1	75.00	15.00
8.	तमिल नाडू	4	44.97	15.80
9.	पश्चिम बंगाल	1	21.42	9.44
	कुल	**18**	**325.17**	**97.46**

प्रौद्योगिक प्रदानकर्त्ता

टी डी बी औद्योगिक इकाइयों को प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण के लिए इस बात को नजरअंदाज करते हुए कि उद्योग की प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा स्वदेशी आर एंड डी यूनिट क्षरा विकसित की गई है, वित्तिय सहायता मुहैया कराता है। यदि परियोजना सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित होती है तो प्रौद्योगिकी सामान्यतया सम्बन्धित उद्योग द्वारा ही विकसित की गई होती है। वर्ष 2008–09 में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए करारों को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :

State-wise Distribution of Agreements

(Rupees in crore)

S. No.	State/Union Territory	Number of Agreements	Total Cost	TDB Commitment
1	Andhra Pradesh	5	33.67	15.88
2	Gujarat	1	27.02	10
3	Haryana	2	14.8	6.95
4	Karnataka	2	20.48	5.09
5	Madhya Pradesh	1	75	15
6	Punjab	1	12.81	4.3
7	Rajasthan	1	75	15
8	Tamil Nadu	4	44.97	15.8
9	West Bengal	1	21.42	9.44
	Total	**18**	**325.17**	**97.46**

Technology Providers

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialization of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit of the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concerns enterprises themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2008-09 are indicated in the following table:

प्रौद्योगिक प्रदानकर्त्ता

(करोड़ रुपए में)

प्रौद्योगिक प्रदानकर्त्ता	संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट	14	155.07	58.03
विदेश से	2	20.10	9.43
वेंचर कैपिटल फण्ड	2	150.00	30.00
कुल		**325.17**	**97.46**

वर्ष 2008–09 में पूर्ण हुए करार

वर्ष 2008–09 के दौरान टी डी बी ने 18 करारों पर हस्ताक्षर किए जिसमें अतिरिक्त ऋण सहायता के लिए 3 अनुपूरक करार और एस एम ई प्रौद्योगिकी वेंचर फंड में 2 अंशदान शामिल हैं जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:–

1. महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक और निवेश निगम (एस आई सी ओ एम), लिमिटेड, पुणे

मैसर्स एस. आई. सी ओ एम केपिटल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एस सी एम एल) पुणे ने प्रारम्भिक चरण प्रौद्योगिकी आधारित कम्पनियों मं निवेश के लक्ष्य के साथ वेन्चर कैपिटल फंड "एस एम ई अपारच्यूनिटि फंड" में अंशदान के लिए टी डी बी से सम्पर्क किया। एस सी एम एल, एस आठ सी ओ एम लिमिटेड का वेन्चर केपिटल सब्सिडियरी है। एस सी एम एल ने एस आई डी बी आई और एस आई सी ओ एम की सहायता से वर्ष 2000 में 24 करोड़ रुपए की निधि के साथ अपना प्रथम वेन्चर केपिटल फंड शुरू किया और प्रमुख रूप से प्रथम फंड को प्रौद्योगिकी आधारित कम्पनियों में निवेश किया।

फंड इंजिनियरिंग, आई टी और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में उप क्षेत्रों अथवा निजी क्षेत्रों में विभिन्न अवसरों में निवेश पर केन्द्रित होगा जहां इस प्रौद्योगिकी विकास और प्रसार के अवसर प्राप्त होंगे। इस सौदे के होने से एस सी एम एल और टी डी बी दोनों ही लाभान्वित होंगे।

Technology Providers

(Rupees in crore)

Technology Providers	Number	Total Cost	Sanctioned by TDB
In-house R&D units	14	155.07	58.03
From Abroad	2	20.10	9.43
Venture Capital Fund	2	150.00	30.00
Total		**325.17**	**97.46**

Agreements concluded in 2008-09

During the year 2008-09, TDB signed 18 agreements including 3 Supplementary Agreements for additional loan assistance and 2 agreement for contribution in SME Technology Venture Fund; the details are given below:-

1. State Industrial and Investment Corporation of Maharashtra (SICOM) Limited, Pune

M/s. SICOM Capital Management Pvt. Ltd. (SCML) Pune approached TDB seeking a contribution in the "SME Opportunities Fund", a venture capital fund targeted at investing in early stage technology based companies. SCML is a Venture Capital Subsidiary of SICOM Ltd. SCML floated their first venture capital fund with a corpus of Rs. 24 crores in the year 2000, with assistance from SIDBI and SICOM and predominantly invested the first fund in technology based companies.

The focus of the fund will be on sectors like Engineering, IT and healthcare with investment in various opportunities in the sub-sectors or niche areas where it has technology development and deployment opportunity. Both SCML & TDB would be benefited by the deal flow to each other.

फंड को एस आई सी ओ एम से (15 करोड़ रुपए), एस आई डी बी से (12 करोड़ रुपए), एल आई सी से (7.5 करोड़ रुपए), यूनाइटेड इंश्योरेंस से (5 करोड़ रुपए) और एन ए बी ए आर डी से (7.5 करोड़ रुपए) प्रतिबद्धता प्राप्तियां हुई हैं। टी डी बी ने फंड में अपने अंशदान के रूप में 15 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

टी डी बी ने 1 अप्रैल, 2008 को एस आई सी ओ एम ट्रस्टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड और एस सी एम एल के साथ अंशदान अनुबंध किया है।

2. एन एम एस साफ्टवेयर वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई

मैसर्स एन एम एस साफ्टवेयर वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने डेवलपमेंट एंड कमर्शियलाइजेशन ऑफ प्राविजिनिंग मैनेजमेंट सिस्टम फार हेटरोजेनस एस डी एच नेटवर्क्स' संबंधी परियोजना के लिए ऋण सहायता के संबध में टी डी बी से सम्पर्क किया।

कम्पनी ने बहु–विक्रेता और बहु प्रौद्योगिकी उपकरणों के साथ हेटरोजेनस सिंक्रोनस डिजिटल हाइआर्की (एस डी एच) नेटवर्क के लिए मानक आधारित विलयन प्रोविजनिंग मैनेजमेंट सिस्टम (पी एम एस) के विकास और व्यापारीकरण का प्रस्ताव किया है। जब इस विलयन को सी वाई जी नेट एन एम एस प्लेटफार्म (कम्पनी का प्रमुख उत्पाद) अथवा किसी अन्य तीसरे पक्ष नेटवक मैनेजमेंट सिस्टम (एन एम एस) प्लेटफार्म के साथ प्रयोग किया जाए तो इससे टेलीकॉम सेवा प्रदाता को उपभोक्ता को प्रभावी और तीव्रता से सेवाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी। यह विलयन कम्पनी द्वारा आई आई टी मद्रास के सहयोग से विकसित किया जा रहा है।

कम्पनी द्वारा उत्पादित उत्पाद के आदि प्ररूप का सेवा प्रोविजनिंग साफ्टवेयर का उपयोग करके बहुविध विक्रेता प्रौद्योगिकी अर्थात् सिमेन्स, मारकोनी, फिबकाम और नार्टेल इक्यूपमेंट प्रोविजनड द्वारा परीक्षण किया गया है।

परियोजना की कुल लागत 400.30 लाख रुपए हैं टी डी बी ने 1 अप्रैल 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 150 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। इसके पूरा होने की सम्भावित तारीख 31 अगस्त, 2008 है।

3. राजस्थान एस्टेट मैनेजमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान

टी डी बी को देशीय प्रौद्योगिकी के लिए व्यापारीकरण को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रारम्भिक चरण प्रौद्योगिकी आधारित कम्पनियों में निवेश के लक्ष्य से तैयार वेन्चर केपिटल फंड राजस्थान कम्पनियों में निवेश के लक्ष्य से तैयार वेन्चर केपिटल फंड राजस्थान वेन्चर केपिटल फंड (आर वी सी एफ) में 15 करोड़ रुपए के अंशदान के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ। यह फंड आर आई आई सी ओ और एस आई डी बी आई द्वारा शुरू किया गया है।

The fund has received commitment from SICOM (Rs.15 crores), SIDBI (Rs.12 crores), LIC (Rs.7.5 crores), United Insurance (Rs.5 crores) and NABARD (Rs.7.5 crores). TDB has sanctioned Rs.15 crores as its contribution to the fund.

TDB has entered into Contribution Agreement with SICOM Trustee Company Pvt. Ltd. and SCML on 1st April, 2008.

2. NMS Software Works Private Limited, Chennai

M/s NMS Software Works Private Limited, Chennai, approached TDB for loan assistance for the project on 'Development & Commercialization of Provisioning Management System for Heterogeneous SDH Networks'.

The company proposes to develop and commercialize Provisioning Management System (PMS), a standards based solution, for Heterogeneous Synchronous Digital Hierarchy (SDH) networks with multi-vendor and multi technology equipments. The solution, when used in conjunction with the CygNet NMS platform (company's flagship product) or any other third party Network Management System (NMS) platform, will enable telecom Service Providers to efficiently and rapidly deliver services to customers. The solution is being developed by the company with support of IIT Madras.

The prototype of the product produced by the company has been tested with multiple vendor technologies, i.e. Siemens, Marconi, Fibcom and Nortel equipments provisioned, using the service provisioning software.

The total project cost is Rs. 400.30 lakhs. TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 150 lakhs under an agreement signed on 1st April 2008. The expected completion date is 31st August 2008.

3. Rajasthan Asset Management Company Private Limited, Rajasthan

TDB received a proposal seeking a contribution of Rs. 15 crores in the Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), a venture capital fund targeted at investing in early stage technology based companies with a view to promote indigenous technologies for commercialization. The Fund is floated by RIICO and SIDBI.

100 करोड़ रुपए के प्रस्तावित फंड में राजस्थान और एन सी आर को केन्द्रित करते हुए अखिल भारत में प्रचालन का आदेश है। हालांकि यह विविधता वाला फंड होगा और यह आई टी, ऑटोमोबाइल, बायो–टेक्नालॉजी और एग्रो जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रित होगा। यह एक क्लोज एन्डेड फंड है जिसकी अवधि 8 वर्ष है जिसे दो वर्ष और बढ़ाया जा सकता है और निवेशकों के लिए प्रतिबद्धता अवधि अंतिम रूप से समाप्ति की तारीख से 5 वर्ष होगी। इस फंड में लक्षित निधि 100 करोड़ रुपए है और पहली क्लोजिंग 75 करोड़ रुपए पर की है जिसमें आर आई आई सी ओ से (20.00 करोड़ रुपए); एस आई डी बी आई से (10.00 करोड़ रुपए), जी आई सी से (10.00 करोड़ रुपए); और टी डी बी से (15.00 करोड़ रुपए); की प्रतिबद्धता है।

टी डी बी ने सभी अन्य अंशधारियों सहित कम्पनी के साथ जयपुर में 6 जून, 2008 को आयोजित संयुक्त बैठक में अंशदान अनुबंध किया है।

4. मिला साफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स मिला साफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को साफ्टवेयर के विकास और व्यापारीकरण के लिए टी डी बी ने ऋण सहायता दी है। यह साफ्टवेयर विभिन्न मामलों जैसे वर्तमान प्रवास परियोजना, उसी प्रवास परियोजना में जारी प्रवास और सम्पूर्ण उद्यम में समकक्ष परियोजना को प्रवास विलियन और विलयन डिलीवरी उपलब्ध करवाएगा और विक्रेता साझेदार को प्रवास–जीवन–चक्र प्रबंधन और प्रबंधित सेवाए उपलब्ध कराएगा।

श्री सतया रेड्डी, सी ई ओ, मैसर्स मिला साफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ ऋण अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हुए

The proposed fund of Rs.100 Crores has mandate to operate Pan India, with a focus on Rajasthan and NCR. While this will be a diversified fund, the focus will be on sectors like IT, Automobile, Bio-Technology and Agro. It is a close ended fund with duration of 8 years extendable to two more years and the commitment period for contributors would be 5 year from the date of final closer. The fund, with a target corpus of Rs. 100 crores has done first closing at Rs. 75 crores, with commitment from RIICO (Rs. 20.00 crores); SIDBI (Rs.10.00 crores); GIC (Rs.10.00 crores); UII (Rs.10.00 crores); SBBJ (Rs.10.00 crores) and TDB (15.00 crores).

TDB signed the contribution agreement with the company in a joint meeting held on 6th June, 2008 along with all the other contributors at Jaipur.

4. Mila Software Services Private Limited, Hyderabad

M/s Mila Software Services Private Limited, Hyderabad, was provided loan assistance by TDB for development and commercialization of a software for providing Migration solution and solution delivery for variety of cases like a current migration project, ongoing migrations for the same migration project and peer projects across the enterprise and would provide migration-life-cycle management and managed services for a vendor partner.

Signing the Loan Agreement with Shri Satya Reddy, CEO, M/s. Mila Software Services Pvt. Ltd., Hyderabad

विकसित साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी की सहायता से प्रवास सेवाएं प्रदान करेगा और स्थान विशिष्ट प्रवास के लिए पुनः उपयोज्य आर्थिक विलयन डिलीवरी की आपूर्ति करने में सक्षम होगा। साफ्टवेयर प्लेटफार्म इलैक्ट्रानिक डिजाइन आटोमेशन (ई डी ए) उद्योग से सिद्ध आटोमेशन तकनीक का उपयोग करता है जिसे स्थानीय गणित के उपयोग से बढ़ाया गया है और यह स्थान विशिष्ट अनुप्रयोग की निर्भरता को कम करते हुए सभी विक्रेता अनुप्रयोगों पर समान रूप से लागू सतत् पद्धति उपलब्ध कराएगा।

कम्पनी द्वारा विकसित लागत प्रभावी प्रवास सूट लाभ में वृद्धि करेगा और इस प्रकार विद्यमान पुराने और कम कुशलता वाले बिक्री और बिक्री पूर्व मैनुअल प्रमासों को वैकल्पिक इंटरनेट आध ाारित आटोमेशन तकनीक से बदल देगा।

परियोजना की कुल लागत 1046.00 लाख रुपए है। टी डी बी ने 7 जुलाई, 2008 को हसताक्षरित अनुबंध क तहत 493.00 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की हैं परियोजना की समाप्ति 31 मई, 2009 को है।

5. नेशनल मोल्डिंग कम्पनी लिमिटेड, कोलकाता

मैसर्स नेशनल मोल्डिंग कम्पनी लिमिटेड, कोलकाता को "बी2बी रिसाइकिल्ड पी ई टी रेजिन एंड पोलिमर प्लास्टीसाइजर के विकास ओर व्यापारीकरण" की सुविधा की स्थापना के लिए टी डी बी ने ऋण सहायता प्रदान की थी।

परियोजना का लक्ष्य उपयोग की गई पी ई टी बोतल के यांत्रिक पुनः चक्रण द्वारा अल्ट्रा क्लीन बी2बी आर पी ई टी रेजिन के उतपादन के लिए विनिर्माण सुविधा स्थापित करना है जिसमें सरेस और पी वी सी के सम्मिश्रण को हटाने के लिए देशीय विकसित नवीन प्रक्रिया (दो भारतीय पेटेंट अवार्ड के लिए लंबित) और पातन आन्तरिक समानता में कमी करने की प्रक्रिया जिसके द्वारा पी ई टी रेजिन में भौतिक, रसायनिक और विषाक्त सम्मिश्रण को कम करने पर आधारित और विशेषताओं और गुणधर्म के अनुसार प्राकृत प्लास्टिक के प्रतिस्थापन की प्रतिस्पर्धात्मक विवरणों के साथ पुनः चक्रण, लागत प्रभावी, गुणात्मक उत्पाद का उत्पादन करना है। कम्पनी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ देशीय विकसित पेटेंट योग्य प्रौद्योगिकी के आधार पर कचरे से पोलिमरिक प्लास्टिसाइजर का उत्पादन भी करेगी।

The developed software would provide technology-assisted migration services and would be able to supply a reusable economic solution delivery for site specific migrations. The software platform uses proven automation techniques from electronic design automation (EDA) industry, enhanced with the use of topological mathematics and would provide a consistent methodology uniformly applicable to all vendor applications reducing the dependency on site-specific applications.

The cost effective migration suite developed by the company would improve margins and thus replace the existing old and less efficient sales and pre-sales manual efforts with alternate internet based automation techniques.

The total project cost is Rs. 1046.00 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 493.00 lakh under an agreement signed on 7th July 2008. The project is due for completion by 31st May, 2009.

5. National Moulding Company Limited, Kolkata

M/s National Moulding Company Limited, Kolkata was provided loan assistance by TDB for setting up a facility for "Development and Commercialisation of B2B Recycled PET Resin & Polymeric Plasticizer".

The project aims setting up manufacturing facility for the production of Ultra clean B2B R-PET Resin, by mechanical recycling of used PET Bottles based on innovative process developed indigenously (pending for award of two Indian patents) for removal of glue & PVC contamination and process for reduction in dropping Intrinsic Viscosity thereby reducing the physical, chemical and toxic contaminants in PET resin and production of recycled, cost effective, quality product with competitive specifications in terms of characteristics and properties enabling substitution of virgin plastic. The company would also produce Polymeric plasticizer from the waste based on patentable technology indigenously developed by Chaudhary Charan Singh University, Meerut.

श्री नन्दकिशोर खेमानी अध्यक्ष मैसर्स नेशनल मोल्डिंग कम्पनी लिमिटेड, कोलकाता के साथ ऋण अनुबंध का आदान'प्रदान

यह परियोजना ठोस कचरे के कुशल प्रबंधन के माध्यम से वातावरण संरक्षण के तकनीकी उपाय उपलब्ध कराती है और लागत प्रभावी गुणवत्ता वाले पुनः चक्रण उतपाद उपलब्ध कराती है।

परियोजना की कुल लागत 2142.38 लाख रुपए है । टी डी बी ने 29 जुलाई, 2008 के हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 944.00 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। यह परियोजना 31 मार्च, 2009 तक पूरी होनी है।

6. विजय लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, कोयम्बटूर

मैसर्स विजय लक्ष्मी इंजिनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, कायम्बटूर ने "न्यू जेनेरेशन आटोमैटिक फोन वाइंडिंग (ए सी डब्ल्यू) मशीन के देशीय विकास और व्यापारीकरण" संबंधी परियोजना के लिए ऋण सहायता के संबंध में टी डी बी से समपर्क किया। ए सी डब्ल्यू मशीन का उपयोग टेक्सटाइल मिल में सूत की बोबिन से फोन में लपेटने के लिए किया जाता है जो कि कताई मिल में एक अंतिम प्रक्रिया होती है।

कम्पनी का प्रस्ताव विद्यमान डिजाइन में कुशलता बढ़ाने के लिए नई विशेषता जोड़कर नवीनता लाकर नई जेनरेशन (नया मॉडल) ए सी डब्ल्यू मशीन का विकास और व्यापारीकरण का है। विकास कार्य कम्पनी की आर एंड डी यूनिट द्वारा इन–हाउस किया जाता है जो कि डी एस आई आर द्वारा मान्यता प्राप्त है। कम्पनी ने ए सी डब्लयू के विकास के लिए आई टी, दिल्ली से भी तकनीकी सहायता ली है।

Exchanging the Loan Agreement with Shri Nanadkisore Khemani Chairman, M/s. National Moulding Company Limited, Kolkata

The project offers a technical solution to preserve environment via efficient solid waste management and offers cost effective quality recycled products.

The total project cost is Rs.2142.38 lakh. TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 944.00 lakh under an agreement signed on 29th July, 2008. The project is due for completion by 31st March, 2009.

6. Veejay Lakshmi Engineering Works Limited, Coimbatore

M/s Veejay Lakshmi Engineering Works Limited, Coimbatore approached TDB for loan assistance for the project on 'Indigenous development and commercialization of a new generation Automatic Cone Winding (ACW) machine'. ACW machine is used in textile mills for winding of yarn from bobbins to cones, a final process in the spinning mills.

The company proposes to develop and commercialize new generation (new model) ACW machine by bring in innovation in its existing design by way of adding new features to improve the efficiency. The developmental work is done by the in-house R&D unit of the company, which is recognized by DSIR. The company has also taken technical support from IIT, Delhi for development of ACW.

टी डी बी ने 22 अगस्त, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की 1800 लाख रुपए की कुल लागत में से 830 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2009 है।

7. इंडिजन टेक्नालाजिज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स इंडिजन टेक्नालाजिज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी ने देश में पहली बार सेन्ट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीटियूट (सी जी सी आर आई), कोलकाता द्वारा विकसित सेमीकन्डक्टर सेन्सर प्रौद्योगिकी पर आधारति एल पी जी/सी एन जी रिसाव संसूचक यंत्र को व्यापारिक शुरुआत के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई। कम्पनी ने घरेलू, औद्योगिक और वाहन खण्ड में उपयोग के लिए प्रति वर्ष 1 लाख संसूचक के निर्माण के लिए प्लांट स्थापित कर रही है।

कम्पनी का लक्ष्य भारतीय बाजार में किफायती मूल्य पर सी जी सी आर आई सेमीकन्डक्टर प्रौद्योगिकी (2004 में पेटेंट के लिए आवेदन) पर आधारित उच्च गुणवत्ता वाले एल पी जी/सी एन जी रिसाव संसूचक मंत्र उपलब्ध कराने का है। सेमीकन्डक्टर संसूचक प्रौद्योगिकी में भारत में कुछ कम्पनियों द्वारा प्रयोग की जा रही परम्परागत पेलिस्टर आधारित प्रौद्योगिकी के मुकाबले संवेदनशीलता, सटीकता, चयन, सूचना समय और स्थिरता जैसे कई लाभ हैं।

टी डी बी ने 22 अगस्त, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की 248 लाख रुपए की कुल लागत में से 110 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख अप्रैल, 2009 है।

8. मैसर्स बायोवेल लाइफ सांइसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, बंगलौर

मैसर्स बायोवेल लाइफ सांइसेज (पी) लिमिटेड, बंगलौर को टी डी बी द्वारा एच जी एच की अभिव्यक्ति के लिए डव फार्मासीमूटिकल्स कम्पनी, यू एस ए की पी फेनेक्स एक्सप्रेशन प्रौगिकी पर आधारित सूडोमोनस फ्लोरेसेंस डी सी 206 का प्रयोग करके कम लागत पर उच्च गुणवत्ता और परिशुद्धता के साथ रिकम्बीनेंट ह्यूमन ग्रोथ हारमोन (एच जी एच) के विकास और व्यापारीकरण के लिए ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई थी। पीफेनेक्स प्रौद्योगिकी डव के स्वामितव वाली प्रौद्योगिकी है जिसके उपयोग के लिए कम्पनी ने डव से पहले ही लाइसेन्स प्राप्त किया है। यह गौरव की बात है कि बायोवेल पहली भारतीय कम्पनी होगी जो डव प्रौद्योगिकी पर आधारित शुरुआत से अंत तक देशीय रूप से एच जी एच का विकास और उत्पादन करेगी।

कम्पनी ने इसके यू एस एफ डी ए अनुपालन में उन्नत उतपाद के साथ कामचलाऊ प्रक्रिया मापदण्ड और डाउन स्ट्रीम चरण के साथ 20 लीटर प्रोयोगिक प्लांट शुरु किया है जिसे 100 लीटर फरमेंट तक बढ़ाया जाएगा।

TDB sanctioned a loan assistance of Rs.830 lakh out of total project cost of Rs. 1800 lakh under an agreement signed on 22nd August 2008. The project is due for completion by 31st March 2009.

7. Indigen Technologies Pvt. Limited, Hyderabad

M/s Indigen Technologies Pvt. Ltd., Hyderabad was provided financial assistance by TDB for commercial launch LPG/CNG Leakage detector device based on the semiconductor sensor technology developed by Central Glass and Ceramic Research Institute (CGCRI), Kolkata for the first time in the country. The company is setting up a plant to manufacture 1 lakh detectors per year for use in the domestic, industrial and vehicular segments.

The project aims to make available, the superior quality LPG/CNG leakage detector devices based on the CGCRI semiconductor technology (patent applied in 2004), in the Indian market at an economical price. Semiconductor sensor technology has several advantages w.r.t., sensitivity, accuracy, selectivity, response time and stability over the traditional pellistor based technology being used by a few companies in India.

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 110 lakh out of the total project cost of Rs. 248 lakh, under an agreement signed on 22nd August 2008. The project is due for completion by April, 2009.

8. M/s Biovel Life Sciences (P) Ltd., Bangalore

M/s Biovel Life Sciences (P) Ltd., Bangalore was provided loan assistance by TDB for the development and commercialization of the recombinant Human Growth Hormone (hGH) with the high quality and purity at lower cost using the pseudomonas fluorescence DC206 based Pfenex Expression Technology of the Dow pharmaceuticals Company, USA for the expression of hGH. The Pfenex Technology is the proprietary technology of Dow for using which the company has already obtained license from Dow. It is reputed that Biovel will be the first Indian company to develop and produce the hGH indigenously from start to finish based on Dow technology.

The company has improvised process parameters and down stream stages with improved yield at its USFDA compliant, 20 litre pilot plant which will be upscaled to 100 litre fermente.

एच जी एच के बाह्य सम्पूरक का उपयोग बौनापन, मोटापा, अस्थिविच्छेदन (हड्डी क्षति), चमड़ी का पतला होना, अनिद्रा, उच्च एल डी एल कोलोस्ट्रोल स्तर, मंद उदासी, बदमिजाज जैसे समस्याओं को कम करने के लिए किया जाता है। हाल ही में एड्स रोगी के लिए भी एच जी एच के उपयोग का अनुमोदन किया गया है।

टी डी बी ने 8 सितम्बर, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 1980 लाख रुपए में से 476 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख 30 अगस्त, 2010 है।

9. हरियाणा लैदर केमिकल्स लिमिटेड, जींद (हरियाणा)

मैसर्स हरियाणा लैदर केमिकल्स लिमिटेड, जींद (हरियाणा) ने "चमड़े और जूता फिनिशिंग के लिए देशीय रूप से विकसित क्रास लिंकेबल एक्यूऊस अलिफेटिक पोलियूरेथेन डिस्पर्सन के व्यापारीकरण" के लिए सुविधा स्थापित करने के लिए ऋण सहायता के लिए टी डी बी के साथ अनुबंध किया है।

परियोजना का लक्ष्य भारत में पहली बार उत्पाद की विश्वव्यापी रूप से लागत और विक्रय मूल्य को कम करने की मंशा से डी एस आई आर स्कीम के तहत देशीय रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के आधार पर चमड़े की लेप, कपड़े, औद्योगिक और सजावट सतह में उपयोग की जाने वाली जल आधारित उच्च निष्पादन वाली क्रास लिंकेबल पोलियूरेथेन कोटिंग डिस्प्रसन के करीब 2500 एम टी/ माह के उतपादन के निर्माण की सुविधा स्थापित करना है।

यह उत्पाद तीसरी पीढ़ी का क्रास लिंकेबल पोलियूरेथेन डिस्प्रसन (पी यू डी) है जो कि परम्परागत लेप की तुलना में उच्च क्षमता वाला लेप देता हैं एक्यूअस पी यू डी में कम विषाक्तता, कम ज्वलनशीलता और कम वोलेटाइल आर्गेनिक कम्पाउंड कंटेंट (वी ओ सी) हैं चूंकि इस प्रक्रिया में कोई खतरनाक तरल और ठोस कचरा शामिल नहीं हैं उत्पाद का लक्ष्य निट्रो सेलुलोज (एन सी) सोलवेंट लेक्यूअर और अन्य सोलवेंट लेप जो कि पर्यावरण के अनुकूल नहीं है, को प्रतिस्थापित करना है।

परियोजना की कुल लागत 990.00 लाख रुपए है। टी डी बी ने 11 सितम्बर, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 495.00 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। इस परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 दिसम्बर 2010 है।

10. ज्योति लिमिटेड, वडोदरा

मैसर्स ज्योति लिमिटेड, वड़ोदरा को 850 के वी पवन ऊर्जा परिवर्तक प्रणाली के डिजाइन, विकास, विनिर्माण और मार्केटिंग तथा पवन फार्म के विकास और विद्युत शक्ति तैयार करने के

The external supplementation of hGH is used to minimize the problems like dwarfism, chubby-body build, osteopenia (bone loss), thinning of skin, insomania, higher LDL cholesterol levels, mild depression moodiness. Use of hGH has also been recently approved for the AIDS patients.

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 475 lakh out of the total project cost of Rs. 1980 lakh, under an agreement signed on 8th September 2008. The project is due for completion by 30th August, 2010.

9. Haryana Leather Chemicals Limited, Jind (Haryana)

M/s Haryana Leather Chemicals Limited, Jind (Haryana) has entered into agreement with TDB for loan assistance for setting up a facility for "Commercialization of Indigenously Developed Cross Linkable Aqueous Aliphatic Polyurethane Dispersion for Leather and Shoe Finishing".

The project aims to set up for the first time in India, a manufacturing facility for the production of about 2500 MT / month of water based high performance cross linkable polyurethane coating dispersion used in coating of leather, textile, industrial and decorative surfaces based on indigenous technology developed under DSIR Scheme with an intention to cut down the cost and selling price of the product globally.

The product is a third generation cross linkable polyurethane dispersions (PUD) which allows highly durable coatings as compared to conventional coatings. The Aqueous PUDs have low toxicity, low flammability, and low volatile Organic Compound Content (VOC) since the process does not involve any hazardous liquid and solid waste.The product is targeted to replace Nitro Cellulose (NC) solvent lacquers and other solvent coatings which are not environment friendly.

The total cost of the project is Rs. 990.00 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 495.00 lakh under an agreement signed on 11th September, 2008. The project is due for completion on 31st December, 2010.

10. Jyoti Limited, Vadodara

M/s. Jyoti Limited, Vadodara was provided financial assistance by TDB for Design, Development, Manufacturing and Marketing of 850 Kw Wind Energy

लिए इसके व्यापारीकरण के लिए टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

परियोजना का लक्ष्य कम्पनी द्वारा मैसर्स एस ई टी ई सी जी एम बी एच और इसके सहयोगी मैसर्स विंडरड एनर्जी जी एम बी एच के साथ साझेदारी में इन हाउस आर एडं डी केन्द्र में देशीय रूप से विकसित डिजाइन पर आधारित परमानेंट मेगनेट सिंक्रोनस जेनरेटर (पी एम एस जी) का विनिर्माण करना है। परमानेंट मेगनेट बाहर से मंगवाया जाएगा चूंकि किसी भी भारतीय विनिर्माता की विनिर्माण रेंज में ऐसा मेगनेट नहीं है। पी एम एस जी का उपयोग बैटरी/हाइड्रालिक्स/केपेसिटर आदि के बगैर लगभग रखरखाव से मुक्त उच्च विश्वसनीयता का पवन ऊर्जा परिवर्तक (डब्ल्यू ई सी) के उत्पादन के लिए किया जाएगा। सम्पूर्ण प्रणाली प्रारम्भिक जांच टी ए पी एस– 2000 की अपेक्षाओं को शामिल करके जरमनिसर लायड (जी एल) द्वारा की जाएगी इसके बाद सी–डब्ल्यू ई टी द्वारा इसका अनुमोदन किया जाएगा।

परियोजना की कुल लागत 2702.00 लाख रुपए है। टी डी बी ने 8 अक्तूबर, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 1000.00 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। इस परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2010 है।

श्री राहुल अमीन, सी एम डी, मैसर्स ज्योति लिमिटेड, वड़ोदरा के साथ ऋण अनुबंध आदान–प्रदान करते हुए।

Converter Systems and Development of Wind farms and its Commercialization for Electrical Power Generation.

The project aims to manufacture Permanent Magnet Synchronous Generator (PMSG) based on the design developed indigenously by the in-house R&D Centre of the company in collaboration with M/s SETEC GmbH and their partner M/s Windrad Energy GmbH. The Permanent Magnet (PM) will be sourced from abroad as no Indian manufacturer has such magnets in their manufacturing range. The PMSG will be used to produce Wind Energy Converter (WEC) of highest reliability, almost free from maintenance without battery/ hydraulics/ capacitors etc. The total system will initially be tested by Germanischer Lloyd (GL) incorporating TAPS-2000 requirements followed by C-WET approval.

The total cost of the project is Rs. 2702.00 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 1000.00 lakh under an agreement signed on 8th October, 2008 having project completion date as 31st March 2010.

Exchanging the Loan Agreement with Shri Rahul Amin, CMD, M/s. Jyoti Limited, Vadodara

11. श्री बायोटेक लेबोरेटरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स श्री बायोटेक लेबोरेटरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेडद्व हैदराबाद को इसकी परियोजना "नोवेल फार्मुलेषन आफ बायो–पेस्टीसाइड्स फार सस्टेनेबल क्राप मैनेजमेंट के व्यापारीकरण" के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई। कम्पनी का इरादा कृषि में कीट और पोशक के प्रबंधन के लिए तीन बायो–उत्पाद नामतः बैसीलस यूरींगजेनसिस (बी टी) सब्स्प, कुरस्टकी (288 टी प्रति वर्श) पेसीलोमाइसेस हलासीनस (116 टी प्रति वर्श) और बैसीलस प्यूमीलस (172 टी प्रति वर्श) को शामिल करके 576 एम टी बायोलाजिकल इनपुट प्रतिवर्श के उतपादन के लिए विनिर्माण सुविधा स्थापित करना है।

यह उत्पाद माइक्रोबायल मूल का है और रसायनिक कीटनाषक के इस्तेमाल को कम करके किसान को स्वस्थ उतपाद तैयार करने में मदद करेगा और इसे बाजार में ब्रांड नाम ग्रांट, नंमाटोक्स और टेका के तहत बेचा जाएगा। प्रथम दो उतपाद के लिए मूलभूत प्रौद्योगिकी देशीय रूप से विकसित की गई और दो आई सी ए आर संस्थानों क्षरा इसका पेटेंट किया गया है जबकि तीसरे उत्पाद के लिए प्रौद्योगिकी का विकास कम्पनी के इन हाउस आर एंड डी केन्द्र में किया गया है और पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है। प्रस्तावित प्रौद्योगिकियां सरकार की रसायनिक कीटनाषक का उपयोग करने की नीति और बाजार में भेजने के समय में गति लाने के लिए देषीय माइक्रोआर्गनिजम कीटनाषक के पंजीकरण के सरलीकरण के लिए इसकी बायोटेक उद्योग नीति के अनुरूप है।

परियोजना की कुल लागत 964.28 लाख रुपए है। टी डी बी ने 3 दिसम्बर, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 450.00 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकष्त की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख अगस्त, 2009 है।

12. एस बी पी एक्आ टेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स एस बी पी एक्आ टेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने "नैनो सिल्वर कोटिड सेरामिक वाटर फील्टर कैण्डल्स के व्यापारीकरण" संबंधी परियोजना के लिए टी डी बी से ऋण सहायता के लिए सम्पर्क किया। यह प्रौद्योगिकी इंटरनेशनल एडवान्सड रिसर्च सेन्टर फार पावडर मेटालर्जी एंड न्यू मेटिरियल्स, हैदराबाद क्षरा उपलब्ध कराई जा रही है। नैनो सिल्वर कोटेड वाटर फिल्टर कैण्डल एक कम लागत वाला उत्पाद है जो कि नैनो सिल्वर कोटिंग की वजह से जल के जीवाणु संदूशण को रोकता है।

11. Sri Biotech Laboratories India Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Sri Biotech Laboratories India Pvt. Ltd., Hyderabad, was provided loan assistance by TDB for its project for "Commercialization of Novel Formulations of Bio-pesticides for Sustainable Crop Management". The company intends to setup a manufacturing facility for production of 576 MT of biological inputs per annum comprising of three bio-products namely Bacillus thuringiensis (Bt) subsp. Kurstaki (288 T per annum), Paecilomyces Hlacinus (116 T per annum) and Bacillus pumilus (172 T per annum) for management of pest and nutrients in the agriculture.

The products having microbial origin would help farmers to grow healthier produce with less exposure to chemical pesticides and would be marketed under the brand name Grant, Nematox and Teeka. The base technologies for the first two products are indigenously developed and patented by two ICAR institutions whereas, technology for third product has been developed at the In-house R&D center of the company and patent has been filed. The proposed technologies are in line with Government's policy to reduce use of chemical pesticides and its biotech industry policy to simplify the registration of indigenous microorganism pesticides to accelerate time to market.

The total project cost is Rs. 964.28 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 450.00 lakh under an agreement signed on 3rd December, 2008. The project completion date is August 2009.

12. SBP Aqua Tech Private Limited, Hyderabad

M/s SBP Aqua Tech Private Limited, Hyderabad approached TDB for loan assistance for the project on 'Commercialization of nano silver coated ceramic water filter candles'. The technology is being provided by International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials, Hyderabad. The nano silver coated water filter candle is a low cost product which adds to the bacterial decontamination of water by virtue of nano silver coating.

श्री जी. भरत कुमार, मैनेजिंग डायरेक्टर मैसर्स एस बी पी एक्वा टेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ ऋण अनुबंध आदान–प्रदान करते हुए।

कम्पनी का प्रस्ताव नैनो सिल्वर कोटेड सिरेमिक वाटर फिल्टर कैण्डल की प्रति माह 1.2 लाख कैण्डल के विनिर्माण की सुविधा स्थापित करना हैं यह उतपाद (कैण्डल) जल पात्र के साथ जोड़ा गया है और यह पोर्टेबल है और इसके प्रचालन के लिए विद्युत की आवश्यकता नहीं हैं परियोजना के कार्यान्वयन का सामाजिक प्रभाव होगा चूंकि जीवाणु विसंदूषण की विषेशता को देखते हुए यह फिल्टर कम लागत वाला उतपाद है।

परियोजना की लागत 166.79 लाख रुपए है। टी डी बी ने 3 दिसम्बर, 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 75.00 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख 30 अप्रैल, 2009 है।

13. स्प्रे इंजिनियरिंग डिवाइसेस लिमिटेड, चण्डीगढ़

मैसर्स स्प्रे इंजिनियरिंग डिवाइसेस लिमिटेड, चण्डीगढ़ को चण्डीगढ़ में देषीय रूप से विकसित "वर्टिकल कन्टीन्यूअस वेक्युम पैन" के विकास और व्यापारीकरण क लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई। यह उत्पाद चीनी उद्योग को व्यापारिक नाम स्प्रे कन्टीन्यूअस पैन (एस सी पी टी एम) के तहत बेचा जाना प्रस्तावित है।

Exchanging the Loan Agreement with Shri G. Bharatkumar, Managing Director, M/s SBP Aqua Tech Private Limited, Hyderabad

The company proposes to be set up a facility for manufacture of nano-silver coated ceramic water filter candles with a capacity to produce 1.2 lakh candles per month. The product (candle) integrated with the water containers, is portable and does not require electricity to operate. The implementation of the project has a societal impact as the filters are low cost product considering the property of bacterial decontamination.

The project cost is Rs. 166.79 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs.75.00 lakh under an agreement signed on 3rd December 2008. The project is due for completion by 30th April 2009.

13. Spray Engineering Devices Limited, Chandigarh

M/s. Spray Engineering Devices Limited (SEDL), Chandigarh was provided loan assistance by TDB for Development and Commercialization of Indigenously Developed "Vertical Continuous Vacuum Pan" at Chandigarh. The product is proposed to be sold under trade name Spray Continuous Pan (SCPTM) to the sugar industry.

परियोजना का लक्ष्य चीनी क सतत उत्पादन के लिए देषीय रूप से विकसित और उन्नत उपकरण का व्यापारीकरण करना है। यह उपकरण आयात प्रतिस्थापन है और कम तापमान और दाब पर प्रचालित होता है जिससे ऊर्जा का संरक्षण होता है। इस प्रौद्योगिकी का विकास एस ई डी एल द्वारा किया गया है और राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है। आयातित उपकरण में 4–5 चैम्बर्स के मुकाबले एस सी पी टी एम में 8 चैम्बर्स होंगे। यह उपकरण चीनी के क्रिस्टल आकार वितरण को भी उन्नत करता है।

परियोजना की लागत अनुमानतः 1281 लाख रुपए होगी जिसमें टी डी बी द्वारा 18 दिसम्बर 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 430 लाख रुपए की ऋण सहायता दी जाएगी। परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2009 है।

14. फ्रन्टियर लाइफलाइन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई

टी डी बी ने 22 फरवरी, 2007 को मैसर्स फ्रन्टियर लाइफलाइन प्राइवेट लिमिटेड, (एफ एल एल) चेन्नई के साथ ऋण अनुबंध किया है जिसके तहत "बोवाइन पेरीकार्डियम, एमीनीयेटिक मेम्ब्रेन एंड कोर्ड ब्लड स्टैम सैल के विकास और व्यापारीकरण" के लिए परियोजना की कुल लागत 1250.00 लाख रुपए में से 300.00 लाख रुपए की ऋण सहायता दी जाएगी।

यह प्रथम कम्पनी है जो अपने इन हाउस आर एंड डी प्रयासों में से कार्डियोस्कूलर के लिए बायो–इंजिनियरड टिसू उत्पाद और पैचेल तथा अन्य सर्जिकल अनुप्रयोग के व्यापारिक स्तर पर उतपादन का इरादा रखती है। वर्तमान में प्रयोग किए जा रहे सिंथेटिक प्रतिस्थापन मंहगे हैं और इनमें संगतता की आन्तरिक समस्या हैं ये लागत प्रनावी प्राकषतिक बायोमेटिरियल्स है और इनहोंने आटोलोगस सैल अर्थात आरोपण करने पर रोगी के अपने बने टिषू के साथ विकसित होने की क्षमता दर्शाई है अतः जीवित आरोपण के लिए आदर्श टेमप्लेट्स के रूप में इनका उपयोग किया जा सकता है जिसमें सिंथेटिक उतपाद की तुलना में लाभ दिखाई देता है। पेटेंट की गई प्रौगिकी कम्पनी के मुख्य प्रवर्तक द्वारा विकसित की गई है जिन्हें आर्टरिज के स्टैम सैल की ग्राफ्टिंग, आर्गन ट्रांसप्लांटेशन और ट्रांसपोजिशन के अन्य कार्डियो वस्कुलर करैक्शन के क्षेत्र में लंबा अनुभव है।

परियोजना मूल्यांकन और निगरानी समिति की जुलाई, 2008 में हुई बैठक के दौरान यह पाया गया कि जानवरों पर पीरक्षण के लिए आई ए ई सी के अनुमोदन और परियोजना स्थान पर निर्माण के सांविधिक अनापत्ति प्राप्त करने में हुए विलंब और पेयजल की अनुपलब्धता के कारण समय और लागत बढ़ाई गई है। टी डी बी ने परियोजना की संषोधित लागत 1553 लाख रुपए को स्वीकार कर लिया और टी डी बी ने 200 लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता का अनुमोदन कर दिया जिससे टी डी बी की कुल ऋण सहायता 500 लाख रुपए हो गई है।

The project aims to commercialize the indigenously developed and improved equipment for continuous production of sugar. The equipment is an import substitute and operates at low temperature and pressure resulting in conservation of energy. The technology has been developed by SEDL and both, national and international patent have been filed. The SCPTM will have 8 chambers one above other against 4-5 chambers in imported apparatus. The equipment also improves crystal size distribution of sugar.

The project cost estimated at Rs. 1281 lakh will be part financed through a loan assistance of Rs. 430 lakh by TDB under an agreement signed on 18th December 2008. The project is due for completion by 31st March, 2009.

14. Frontier Lifeline Pvt. Ltd., Chennai.

TDB had entered into a loan agreement with M/s Frontier Lifeline Pvt. Ltd. (FLL), Chennai on 22nd February, 2007 for a loan assistance of Rs. 300.00 lakh against total project cost of Rs. 1250.00 lakh for "Development and Commercialization of Bovine Pericardium, Amniotic Membrane and Cord Blood Stem Cells".

This is the first company intending to produce bio-engineered tissue products and patches for cardiovascular and other surgical applications out of its own in-house R&D efforts on a commercial scale. At present, synthetic substitutes used are costly and have inherent problems of compatibility. These are the cost effective natural biomaterials and have shown capacity of being populated with autologous cells, i.e. becoming patients own tissue when implanted, and thus can be used as ideal templates for living implants showing merit over synthetic products. The patented technology has been developed by main promoter of the company having long experience in the field of Stem Cell Grafting of Arteries, organ transplantation and other Cardio Vascular corrections of transposition.

During the Project Evaluation & Monitoring Committee meeting in the July 2008, it has been observed that there was time and cost overrun due to delay in seeking approvals for animal trials from IAEC and obtaining statutory clearances for construction at site and non availability of potable water. TDB accepted the revised project cost of Rs 1553 lakh and TDB approved additional assistance of Rs. 200 lakh taking total assistance to Rs. 500 lakhs by TDB.

500 लाख रूपये की कुल सहायता के लिए 2 जनवरी, 2009 को सम्पूरक अनुबंध किया गया। परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2010 है जब दो उत्पादों का व्यापारीकरण किया जाएगा।

15. जेन टेक्नालॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स जेन टक्नालॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद ने इन हाउस विकास क्षमता पर आधारित "जेन ड्राइविंग सिम्यूलेटर (जेन डी टी एस) फार ओवरसीज मार्किट के विकास और व्यापारीकरण" संबंधी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ऋण सहायता के संबंध में टी डी बी से सम्पर्क किया।

कम्पनी ने प्रषिक्षण स्कूलों, रक्षा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों आदि के लिए हल्के/माध्यम/भारी वाहनों के लिए प्रषिक्षण सेम्यूलेटर्स और विभिन्न प्रकार के हथियार, मिसाइल और मिलिटरी/डिफेंस सिस्टम का विकास किया है और इनकी मार्केटिंग कर रही है।

कम्पनी का प्रस्ताव समुद्रपार बाजार (यूरापीय देश) के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण सिम्यूलेटर्स विकसित कराने का है। उत्पाद के हार्डवेयर/साफ्टवेयर के विकास का कार्यान्वयन कम्पनी को हैदराबाद मे स्थित विद्यमान सुविधा में किया जाएगा। इस परियोजना में 3 डी–सी जी आई, मोषन प्लेटफार्म, ड्राइवर वातावरण, सड़क के नियम, विभिन्न वाहनों के लिए कस्टमाइज्ड सुरक्षा कारक / मानदण्ड मं महत्वपूर्ण विकास/सुधार शामिल है।

परियोजना की लागत 942.34 लाख रुपए हैं टी डी बी ने 9 जनवरी, 2009 को हस्ताक्षरित अनुबध के तहत 460 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2010 है।

16. लाइफकेयर इनोवेथन प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव

मैसर्स लाइफकेयर इनोवेषन प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव को "कन्ट्रोल्ड फार्मासियूटिकल्स–फंगीसम आई.वी., फंगीसम जैल एंड सोरीसम जैल के विकास की प्रक्रिया और व्यापारीकरण" संबंधी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता स्वीकष्त गई।

तीन उत्पादों अर्थात् फंगीसम आई.वी., फंगीसम जैल और सोरीसम जैल के उत्पादन के लिए प्लांट की स्थापना बायोटेक पार्क, लखनऊ में की जाएगी। फंगीसम का उपयोग इन्वेसिव फंगस इन्फेक्शन और काला–अजार के उपचार में किया जाता है। अंग प्रत्यापर्ण करवाने वाले, डायलिसिस पर उपधाराधीन, केन्सर के लिए रेडियोथेरेपी या कीमोथेरेपी, डायबिटिक और सीरीयस बर्न इंजरीज के रोगियों में बार–बार सिस्टेमैटिक फंगल इन्फेक्शन होता है। सोरीसम का उपयोग सोरसिस के उपचार में किया जाता है।

A supplementary agreement was entered into on 2nd January, 2009 for aggregating assistance of Rs. 500 lakh. The project is due for completion by 31st March 2010 when two products would be commercialized.

15. Zen Technologies Limited, Hyderabad

M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad approached TDB for loan assistance for implementation of the project on 'Development and commercialization of – Zen Driving Training Simulator (Zen DTS) for Overseas Markets' based on in-house development capabilities.

The company had developed and is marketing training simulators for light/ medium/ heavy vehicles and different type of arms, missiles and military / defence systems to training schools, defense, licensing authorities etc.

The company proposes to develop a driving training simulator for the overseas market (European countries). The development of the hardware / software for the product will be implemented at the existing facility of the company at Hyderabad. The project involves significant developments / improvements in the 3D-CGI, motion platform, driver environment, rules of the road, safety factors /standards, customized for various vehicles.

The project cost is Rs. 942.34 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 460 lakh under an agreement signed on 9th January 2009. The project is due for completion by 31st March 2010.

16. Lifecare Innovations Private Limited, Gurgaon

M/s Lifecare Innovations Private Limited, Gurgaon was sanctioned loan assistance by TDB for implementation of the project on 'Process Development and Commercialisation of Controlled Release Pharmaceuticals – Fungisome i.v., Fungisome gel and Psorisome gel'.

The plant for production of three products, viz. Fungisome i.v., Fungisome Gel and Psorisome Gel will be set up at Biotech Park, Lucknow. Fungisome is used in the treatment of invasive fungal infections and kala-azar. Systemic fungal infections frequently occur in recipients of organ transplant, those undergoing dialysis, radiotherapy or chemotherapy for cancer, diabetics and serious burn injuries. Psorisome is used in the treatment of psorasis.

फंगीसम आई.वी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास डी बी टी के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है और एन आर डी सी के साथ अनुबंध के तहत इसे कम्पनी को हस्तांतरित किया गया हैं फंगीसम जैल का विकास कम्पनी द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से इन हाउस प्रयासों द्वारा किया गया है। कम्पनी को डी एस टी, डी बी टी और डी एस आई आर से प्रौद्योगिकी/उत्पाद के लिए विभिन्न अवार्ड प्राप्त हुए हैं।

परियोजना की लागत 490.05 लाख रुपए है। टी डी बी द्वारा 14 जनवरी, 2009 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 200 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की गई हैं परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2010 है।

17. साइकेम टेक्नालॉजिज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई

मैसर्स साइकेम टेक्नालॉजिज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई को हीट स्रिंकेबल ट्यूब्स, प्रोफाइल्स एंड शीट्स ई बी क्रास लिंकड पालिमरिक वायर एंड के बल के उतपादन के लिए इलैक्ट्रान बीम इरैडिएशन प्रौद्योगिकी के विकास और व्यापारीकरण तथा जेम कलरेशन, पोलिमरिक प्रोडक्टस मोडिफिकेशन एंड मेडिकल सर्टलाइजेशन के लिए अनुबंध सेवाएं प्रदान करने के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई है।

कम्पनी का प्रस्ताव भवन/औद्योगिक, आटोमोबाइल, पवन ऊर्जा, रेलवे, विमानन, इलैक्ट्रानिक, विद्युत एवं डीजल लोकोमोटिव, मोटर वाइंडिंग, आमल एंड गैस, विषेशीकृत रक्षा नौसेना और अन्य अनुप्रयोगों के लिए इलैक्ट्रान बीमड हीट स्रिंकेबल ट्यूब्स, प्रोफाइल्स एंड शीट, क्रास लिंकड पोलिमरिक केबल/वायर के विनिर्माण के परियोजना स्थापित करना है। कम्पनी द्वारा इलैक्ट्रान बीमड सेवाओं जैसे डायमंड कलरेशन, स्टरलाइजिंग मेडिकल उत्पाद, फूड आइटम, पी टी एफ ई पावडर, ओं रिंग, कासकेट, प्राकृतिक, सिंथैटिक चमड़ा, फोम और पिगमेंट्स, पेन्ट आदि का कार्य भी किया जाएगा। कम्पनी की योजना पेट्रोलियम क्षेत्र के लिए कोरोसिन प्रोटेक्शन हीट स्रिंकेबल शीट, जल/कच्चे तेल के लिए ट्यूब, गैस उत्पाद पाइपलाइन के विकास की भी है।

परियोजना की लागत 1993.87 लाख रुपए हैं टी डी बी ने 9 फरवरी, 2009 का हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 400 लाख रुपए की ऋण सहायता की स्वीकृति की है। परियोजना के पूरा होने की तारीख 31 मार्च, 2009 है।

18. न्यूरासिनेपटिक कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

टी डी बी ने मैसर्स न्यूरोसिनेपटिक कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर के साथ 20 अगस्त, 2007 को ऋण अनुबंध किया और "ग्रामीण अनुप्रयोग को केन्द्रित करते हुए आर ई

The technology for Fungisome i.v. is developed by University of Delhi with support of DBT and transferred to company under agreement with NRDC. Fungisome Gel is developed by company through in-house R&D efforts jointly with Punjab University. The company has received various awards for technology/ product from DST, DBT & DSIR.

The project cost is Rs. 490.05 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 200 lakh under an agreement signed on 14th January 2009. The project is due for completion by 31st March 2010.

17. Siechem Technologies Private Limited, Chennai

M/s. Siechem Technologies Pvt. Ltd., Chennai was provided loan assistance by TDB for developing and commercializing of Electron Beam Irradiation Technology to produce Heat Shrinkable Tubes, Profiles & Sheets, EB Cross linked Polymeric Wires & Cables and to provide contractual services for Gem Coloration, Polymeric products modification & Medical Sterilization.

The company proposes to set up a project for manufacture of electron beamed heat shrinkable tubes, profiles and sheets, cross linked polymeric cables / wires for building / industrial, automobile, wind energy, railways, aviation, electronic, electric and diesel locomotives, motor winding, oil and gas, specialized defence navy and other applications. Electron beamed services such as diamond colouration, sterilizing medical products, food items, PTFE powders, O' ring, caskets, natural, synthetic leather, foams and pigments, paints etc will also be undertaken by the company. The company also plans to develop corrosion protection heat shrinkable sheets, tubing for water/ crude oil, gas products pipelines for petroleum sector.

The project cost is Rs. 1993.87 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 400 lakh under an agreement signed on 9th February 2009. The project is due for completion by 31st March 2009.

18. Neurosynaptic Communications Private Limited, Bangalore

TDB had entered into a loan agreement with M/s Neurosynaptic Communications Private Limited, Bangalore on 20th August 2007 for a loan assistance of Rs. 95 lakh against total project cost of Rs. 359.89 lakh for "Development and Commercialization of Primary Healthcare Delivery

एम ई डी आई टेलीमेडिसीन सोलूशन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल डिलीवरी प्रौद्योगिकी के विकास और व्यापारीकरण" के लिए परियोजना की कुल लागत 359.89 लाख रुपए के लिए 05 लाख रुपए की ऋण सहायता दी।

कम्पनी ने आई आई टी, मद्रास के टी ई एन ई टी समूह के साथ साझेदारी में टेलीमेडिसीन सोलूशन जिसे आर ई एम ई डी आई कहा जाता है, का देशीय रुप से विकास किया है और ऐसा चिकित्सीय उपकरण विकसित किया जो शारीरिक और नैदानिक (चिकित्सा) मापदण्ड को रिकार्ड कर सकता है जिससे डाक्टर दूर से भी रोगी का रोग निदान कर सकता हैं आर ई एम ई डी आई सोलूशन रोगी के ई सी जी, तापमान, आक्सीजन सेचुरेशन एंड ब्लड प्रेशर के वास्तविक मापन के साथ–साथ इलैक्ट्रानिक स्टेथोस्कोप का उपयोग करके ली गां रोगी की छाती की आवाज के वास्तविक ट्रांसमिशन की सुविधा देता है जिससे दूर बैठे डॉक्टर द्वारा आधारभूत रोग निदान किया जा सकता है।

पी ई एम सी की जनवरी, 2009 में हुई बैठक के दौरान यह पाया गया कि ऋण अनुबंध में वार्षित सभी पांच प्रोटोटाइप का कम्पनी ने विकास कर लिया है। स्वतंत्र अस्पताल के माध्यम से आर ई एम ई डी आई–एम डी ए यू, आर ई एम ई डी आई साफ्ट और आर ई एम ई डी आई टेलीमेड की वैधता का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है और परिणाम संतोषजनक हैं। अस्पतालों के माध्यम से वैधता प्रक्रिया और ई आर टी एल द्वारा डिजाइन की वैधता के कारण परियोजना की लागत और समय में बढ़ोतरी हुई।

अतः परियोजना की लागत 359.89 लाख रुपए से संशोधित करके 427.26 लाख की गई। टी डी बी वित्तीय सहायता को 95 लाख रुपए से बढ़ाकर 128.69 लाख रुपए करने के लिए सहमत हुआ।

31 मार्च 2009 को कुल 128.69 लाख रुपए के लोन का एक सम्पूरक अनुबंध किया गया। परियोजना के पूर्ण होने की तारीख 30 जून, 2009 था।

Technology through ReMeDi Telemedicine Solution with a focus to Rural Application".

The company has indigenously developed a Telemedicine Solution called ReMeDi, in collaboration with the TeNet group of Indian Institute of Technology, Madras and has developed medical equipments that can record physical and clinical (medical) parameter for the diagnosis of a patient remotely by a doctor. ReMeDi Solution facilitates the real-time measurement of patient's ECG, Temperature, Oxygen Saturation and Blood Pressure, as well a real- time transmission of chest sounds of the patient, captured using the Electronic Stethoscope to offer the basic diagnosis remotely by a doctor.

During PEMC meeting held in Jan 2009, it was observed that the company has developed all the five prototypes as stipulated in the loan agreement. The validation through independent hospital for ReMeDi- MDAU, ReMeDi soft and ReMeDi Telemed has already been completed and the results are satisfactory. There was project cost and time overrun due to validation process through hospitals and design validation by ERTL.

Thus the cost of the project was revised from Rs. 359.89 lakh to Rs. 427.26 lakh. TDB agreed to extend financial assistance to Rs. 128.69 lakh from Rs. 95 lakh

A supplementary agreement was entered into on 31st March, 2009 for total loan assistance of Rs. 128.69 lakh. The project was due for completion by 30th June, 2009.

वर्ष 2008–09 के दौरान जारी किए गए उतपाद/पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष 2008–09 के दौरान टी डी बी की वित्तीय सहायता से जारी किए गए उत्पाद/पूरी की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

बोन ग्राफ्टिंग

मैसर्स बेसिक हेल्थकेअर प्रोडक्ट (पी) लिमिटेड, चण्डीगढ़ को श्री चित्रा तिरूनल इंस्टीयूट आफ मेडिकल सांइस एंड टेकनालाजी (एस सी टी आई एम एस टी), तिरूवन्नतपुरम द्वारा विकसित, पटेंट

Products Released / Projects Completed During 2008-09

The brief profile of products released / projects completed during the year 2008-09 with the financial assistance from TDB is indicated below.

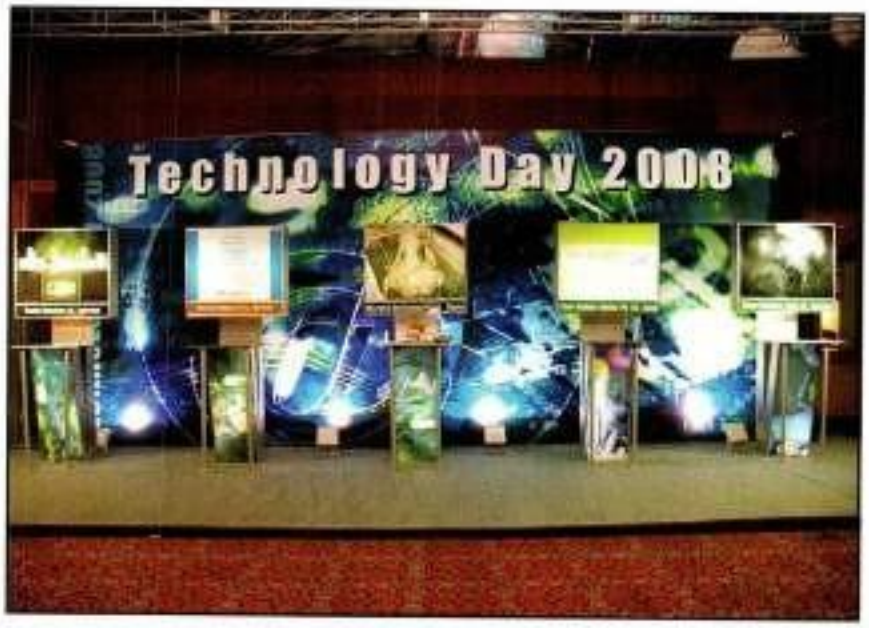

Bone Grafting Technology

M/s Basic Healthcare Product (P) Limited, Chandigarh was provided loan assistance by TDB for commercialization of indigenous bone grafting technology

की गई और हस्तांतरण की गई देशीय बोन ग्राफ्टिंग प्रौद्योगिकी के व्यापारीकरण के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता दी गई थी। कम्पनी ने देश में पहली बार सिंथैटिक बायोकम्पेटिबल बोन ग्राफ सामग्री, हाइड्रोज्मापटाइट (एच ए पी) पर आधारित इम्प्लांट और इसके कम्पोजिट्स के उतपादन के लिए प्रथम जी एम पी स्तर की विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। उपभोक्ता के लिए किफायती और उन्नत निष्पादन के अतिरिक्त द्वितीय सर्जिकल साइट की आवश्यकता के बिना सिंथैटिक बोन ग्राफ्ट को विभिन्न रूप, आकर और आकृति मं तैयार किया जा सकता है। टी डी बी ने 29.01.2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 253.60 लाख रुपए में से 100 लाख रुपए की ऋण सहायता दी थी। परियोजना को सफलतापूर्वक जून, 2008 में पूरा किया गया।

उच्च निष्पादन लेजर स्कैन हैडस

मैसर्स लेजर सकैनिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर ने लेजर प्रौद्योगिकी पर आधारित सिस्टम और सबसिस्टम के विकास और व्यापारीकरण की परियोजना कार्यान्वित की है। कम्पनी ने देश में पहली बार उच्च निष्पादन "लेजर स्कैन हैडस" का विकास किया है जो कि यू एस ए से प्रवर्तक के नाम पेटेंट की गई प्रौद्योगिकी पर आधारित है और कम्पनी को औद्योगिक, मेडीकल और वैज्ञानिक बाजार के लिए अन्य आधार पर दी गई है। कम्पनी ने लेजर मार्किंग स्कैन हेडस के लिए राजा रमानी सेन्टर फार एडवान्सड टेक्नालॉजी, इंदौर के साथ प्रौद्योगिकीय समझौता भी किया है। लेजर स्कैन हैडस का उपयोग विनिर्माण, मेकिंग, मीडिया आदि में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सिस्टम में प्रयोग की जाने वाली प्रक्रिया अथवा निरीक्षण सामग्री के संबंध में कम्प्यूटर नियंत्रण के तहत लेजर बीम को स्टीयर, फोकस और स्वीच करने के लिए किया जाता है।

टी डी बी ने 27 मई, 2007 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की लागत 410 लाख रुपए में से 160 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की थी। परियोजना को सितम्बर, 2008 में पूरा किया गया।

ए पी आई एस का उत्पादन

मैसर्स इंड–स्वीफ्ट लेबोरेटरीज लिमिटेड, चण्डीगढ़ ने देशीय प्रौद्योगिकी के माध्यम से 9 ए पी आई एस नामतः क्वेटियापाइन फूमारेटठ, रोपिनिरोल एच सी आई, अरिपीपराजोल, क्लोपीडोगरल, बेसीलेट, राइजड्रोनेट सोडियम, वेनलाफेक्जाइन एच सी आई, डोनपेजिल, नटेगलीनाइड और फ्लूवासटेटिन के व्यापारीकरण के लिए डेराबस्सी, पंजाब में सुविधाओं की स्थापना की है। इस फार्मूलेशन का उपयोग पार्किन्सन रोग, मधुमेह, एलजेहमर/कागनिटिव डिफेक्ट, थ्रोम्बोसिस/स्ट्रोक, ओसाटियोपोरोसिस, हाइपरलिपिडेमिया/कोरोनरी आरटरी रोग आदि जैसी चिरकालिक बीमारियों के उपचार में किया जाता है। विद्यमान प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण सुधार के साथ ए पी आई एस के उत्पादन की प्रौद्योगिकी

developed, patented and transferred by Sree Chitra Tirunal Institute of Medical Science & Technology (SCTIMST), Thiruvananthapuram. The company has set up a first GMP level manufacturing facility for production of synthetic biocompatible bone graft materials, implants based on Hydroxyapatite (HAP) and its composites for the first time in the country. Synthetic bone grafts can be fabricated into various form, size and shape with no need of second surgical site in addition to improved performance and is cost effective to the end users. TDB provided a loan assistance of Rs. 100 lakh against the total project cost of Rs. 253.60 lakh under an agreement signed on 29.01.2008. The project was successfully completed in June, 2008.

High Performance Laser Scan Heads

M/s Laser Scanning System Private Limited, Indore, has implemented the project for Development & Commercialization of Systems and Subsystems based upon LASER Technologies. The company has developed high performance "Laser Scan Heads", for the first time in the country, based on patented technology in the name of promoter from USA on exclusive basis given to the company for industrial, medical and scientific markets. The company also has entered into technology tie-up with Raja Remani Centre for Advanced Technology, Indore for Laser marking scan heads. Laser Scan Head is used to steer, focus and switch Laser beams under computer control, to process or inspect materials used in systems for various applications such as manufacturing, making, media etc.

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 160 lakh under an agreement signed on 29th May, 2007 out of project cost of Rs.410 lakh. The project was completed in September, 2008.

Production of APIs

M/s Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh has set up facilities at Derabassi, Punjab for commercialization for 9 of APIs namely: Quetiapine Fumarate, Ropinirole HCl, Aripiprazole, Clopidogrel Besylate, Risedronate Sodium, Venlafaxine HCl, Donepezil, Nateglinide and Fluvastatin Sodium through Indigenous Technology. The formulations are used in the treatment of chronic diseases such as Parkinson disease, diabetes, Alzheimer/ cognitive defect, thrombosis/ stroke, osteoporosis, hyperlipidemia/ coronary artery disease, etc. The technology for production of APIs with significant improvements over the existing processes has been developed by the in-house R&D unit of the company.

का विकास कम्पनी के इन हाउस आर एंड डी यूनिट द्वारा किया गया है। टी डी बी ने 24 अक्तूबर, 2007 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 2500 लाख रुपए की ऋण सहायता दी। यह परियोजना सफलतापूर्वक सितम्बर, 2008 में पूरी की गई।

लो इनपुट बर्डस के लिए क्रास ब्रीडिंग सुविधा

मैसर्स इंडब्रो रिसर्च एंड ब्रीडिंग फार्मस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को लो इनपुट बर्डस के विकास और व्यापारीकरण के लिए टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता दी गई। कम्पनी ने बेहतर गुणवत्ता वाला मांस प्राप्त करने और अण्डों के गुणात्मक उत्पादन में सुधार के लिए देशी मुर्गे की उन्नत किस्म जिसे इंडब्रो सुपर क्रॉयलर नाम दिया गया है, के विकास के लिए क्रॉस ब्रीडिंग की सुविधा स्थापित की है। 1998 से हालैण्ड से आयातित मूल प्योर लाइन्स स्टॉक का विगत 16 वर्षों में सुधार किया गया है और यह भारतीय वातावरण के अनुकूल हो गया है। विकसित सुविधा में प्रति सप्ताह 1–5 लाख से अधिक इंडब्रो सुपर क्रॉयलर हेचिंग एग्स के उत्पादन की क्षमता है और लो इनपुट बर्डस के 24000 फीमेल पेरेंटस + 2400 मेल पेरेंटस को रखने की क्षमता है। टी डी बी ने 16 अगस्त, 2007 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल 200 लाख रुपए में से 64 लाख रुपए की ऋण सहायता दी है। यह परियोजना अक्तूबर, 2008 में पूरी की गई।

मोबाइल फोन हैंडसेट के लिए उपयोगिता साफ्टवेयर उत्पादन

मैसर्स वेराइटी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर को मोबाइल अनुप्रयोगों के विकास और इनके उपभोक्ता को सीधे खुदरा वितरण के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता की गई है। कम्पनी ने मोबाइल फोन हैंडसेटस में उपयोग के लिए उपयोगिता साफ्टवेयर उत्पादन/अनुप्रयोग का विकास किया है। अनुप्रयोग प्लेटफार्म स्वतंत्र है और किसी भी स्वामित्व वाले साफ्टवेयर की आवश्यकता के बगैर इन्हें लो एंड हैंडसेटस में लगाया जा सकता है। उत्पादन पोर्टफोलियों में डाटा एवं कन्टेंट प्रबंध, समाचार एवं मनोरंजन, मैसेज, एम–कार्मस, आदि के लिए अनुप्रयोग शामिल हैं। कुछ अनुप्रयोग एक स्नेप शैयर कुबेर टेलीरिकार्डर रिवर्स आक्शन इंजिन आदि हैं। इसने विशिष्ट वितरण माडल के तहत उत्पाद/अनुप्रयोग के वितरण के लिए उपयोग किए जाने वाले साफ्टवेयर अनुप्रयोग, बाइपासिंग नेटवर्क कैरियर का भी विकास किया है।

कम्पनी ने 13 अगस्त, 2007 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत 950 लाख रुपए की कुल परियोजना लागत में से 440 लाख रुपए का ऋण प्राप्त किया। परियोजना अक्तूबर, 2008 में सफलतापूर्वक पूरी की गई।

TDB provided a loan assistance of Rs. 1000 lakhs against total project cost of Rs. 2500 lakhs under an agreement signed on 24th October 2007. The project completed successfully in September, 2008.

Cross breeding facility for Low Input Birds

M/s Indbro Research and Breeding Farms Pvt. Ltd. Hyderabad, was provided financial assistance by TDB for Development and Commercialisation of Low Input Birds. The company has set up a cross breeding facility for developing an improved variety of desi fowl named as Indbro Super Kroiler to obtain better quality meat and to improve on quantitative production of eggs. The original pure lines stocks imported from Holland in 1990 have been improved for the past 16 years and got acclimatized to Indian climate. The developed facility have production capacity of over 1.5 lakh Indbro Super Kroiler hatching eggs per week and capacity of housing 24,000 female parents+2,400 male parents of low input birds. TDB provided a loan assistance of Rs. 64 lakhs out of total project cost of Rs. 200 lakhs under an agreement signed on 16th August, 2007. The project was completed in October, 2008.

Utility software products for mobile phone handsets

M/s Verity Technology Private Limited, Bangalore has been provided loan assistance by TDB for Development and Direct-to-Consumer Retail Distribution of Mobile Applications. The company has developed utility software products/ applications for use in mobile phone handsets. The applications have platform independent and can be deployed on low end handsets without the need of any proprietary software. The product portfolio includes applications for data & content management, news & entertainment, messaging, m-commerce, etc. Some of applications are mSnapShare, Kuber, Telerecorder, Reverse Auction Engine, etc. It has also developed software application to be used for distribution of the products/ applications, by-passing the network carriers, under a unique distribution model.

The company availed a loan of Rs. 440 lakhs against project cost of Rs. 950 lakhs under an agreement signed on 13th August, 2007. The project was completed successfully in October, 2008.

फूड, एग्रो और बायो–मेडिकल उत्पादन के लिए इररेडियेथन सुविधा

मैसर्स एग्रोसर्ग इररेडिएटर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई को बी आर आई टी से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ भोजन, एग्रो और बायो मेडिकल उत्पादन के लिए रेडियेशन संसाधन और भाभा ऑटोमिक रिसर्च सेन्टर द्वारा किए गए परीक्षण के आधार पर जीवाणु और माइक्राबीस से इन्हें बचाने की सुविधा स्थापित करने के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता दी गई। यह संसाधन कृषि उत्पादन जैसे चावल, गेहूं और मसालों को अधिक स्वच्छ बनाता है और इसके जीवन को काफी बढ़ा देता है और अकुशल संरक्षण पद्धति के कारण होने वाले अपव्यय को कम कर देता है। टी डी बी ने 19 सितम्बर, 2002 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 585 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना नवम्बर, 2008 में पूरी की गई।

हैट्ररोजेनस एस डी एच नेटवर्क्स के लिए सोल्यूशन

मैसर्स एन एम एस साफ्टवेयर वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड, चेन्नई ने बहु विक्रेता और बहु प्रौद्योगिकी उपकरण के साथ हेटरोजेनस एस डी एच नेटवर्क्स के लिए एक मानक आधारित सोल्यूशन, हेटरोजेनस सिनक्रोनस डिजिटल हाइआर्की (एस डी एच) नेटवर्क्स के लिए प्रोविजिनिंग मैनेजमेंट सिस्टम (पी एम एस) का विकास और व्यापारीकरण किया हैं इस सोलयूशन का जब सिगनेट एन एस एम प्लेटफार्म (कम्पनी का स्वामित्व उत्पाद) अथवा किसी तीसरे पक्ष के नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम (एन एम एस) प्लेटफार्म क साथ उपयोग किया जाता है तो यह टेलीकॉम सेवा प्रदाता को उपभोक्ता को कुशलता और शीघ्रता से सेवाएं प्रदान करने में सक्षम करता है। इस सोल्यूशन का विकास

Irradiation facility for food, Agro and Bio-Medical Products

M/s Agrosurg Irradiators (India) Pvt. Ltd., Mumbai, with technology transfer from BRIT, was provided loan assistance from TDB for setting up facilities for Radiation Processing for Food, Agro and Bio-medical products and to protect them from Bacteria and Microbes based on experiments conducted by Bhaba Atornic Research Center. The process makes the agri produce such as rice, wheat, and spices more hygienic and increases its self life significantly cutting down the waste due to inefficient preservation methods. TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 200 lakhs out of total project cost of Rs.585 lakhs under an agreement signed on 19th September, 2002. The project was completed in November, 2008.

Solution for Heterogeneous SDH networks

M/s NMS Software Works Private Limited, Chennai has Developed & Commercialized Provisioning Management System (PMS) for Heterogeneous Synchronous Digital Hierarchy (SDH) Networks, a standards based solution, for Heterogeneous SDH networks with multi-vendor and multi technology equipments. The solution, when used in conjunction with the CygNet NMS platform (company's flagship product) or any other third party Network Management System (NMS) platform, will enable telecom Service Providers to efficiently and rapidly deliver services to customers. The solution is developed by

कम्पनी द्वारा आई आई टी, मद्रास के सहयोग से विकास किया गया है। टी डी बी ने 1 अप्रैल 2008 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 400.30 लाख रुपए में से 150 लाख रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत की है। कम्पनी ने नवम्बर, 2008 में सफलतापूर्वक परियोजना पूरी की है।

एच आई वी/एड्स प्रतिरोधी दवा के लिए बेटा थाइमीडाइन का विनिर्माण

मैसर्स सिक्वेन्ट साइंटिफिक लिमिटेड (एस एस एल), न्यू मंगलौर ने एच आई वी / एड्स प्रतिरोधी दवा अर्थात् ए जेड टी (जीडोवुडाइन) और जेरिट (स्टावुडाइन) के विनिर्माण में मुख्य इंटरमीडिएट के तौर पर उपयोग किए जाने वाले बेटा थाइमीडाइन के विकास और व्यापारीकरण के लिए टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त की है। कम्पनी ने लागत प्रभावी कच्ची सामग्री 5 मिथाइल यूरीडाइन का उपयोग करके बेटा थाइमीडाइन के विनिर्माण के लिए इन हाउस प्रौद्योगिकी का विकास किया है। बेटा थाइमीडाइन, ए जैड टी (जीजेवुडाइन) और जेरिट (स्टावुडाइन) के विनिर्माण के एक मुख्य इंटरमीडिएट है। जीडोवुडाइन और स्टावुडाइन एच आई वी प्रतिरोधी दवा है और इसे रिवर्स ट्रांसक्रिप्ट इनहीवीटर कहा जाता है। ये एड्स के उपचार के लिए प्रथम पंक्ति की दवा है, बच्चों, वयस्क और गर्भवती महिलाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गोली, कैप्सूल और सोल्यूशन के रूप में उपलब्ध हैं।

टी डी बी ने 23 नवम्बर, 2007 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 1640 लाख रूपय में से 475 लाख रुपए का ऋण दिया है। परियोजना नवम्बर, 2008 में सफलतापूर्वक पूरी की गई।

the company with support of IIT Madras. TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 150 lakhs out of total project cost of Rs. 400.30 lakhs under an agreement signed on 1st April 2008. The company completed the project successfully in November, 2008.

Manufacture of Beta Thymidine for Anti HIV/AIDS drugs

M/s Sequent Scientific Limited (SSL), New Mangalore availed financial assistance from TDB for development and commercialization of Beta Thymidine, a key intermediate used in manufacturing of Anti HIV/AIDS drugs i.e. AZT (Zidovudine) and Zerit (Stavudine). The company has developed an in-house technology for manufacture of Beta Thymidine using 5 – methyl uridine, a cost effective raw material. Beta Thymidine is the key intermediate for manufacture of AZT (Zidovudine) and Zerit (Stavudine). Zidovudine and Stavudine are the anti HIV drugs and are called reverse transcripts inhibitors. These are the first line of therapy for AIDS treatment and are available as tablets, capsules and oral solutions to meet the needs of children, Adults and Pregnant Women.

TDB disbursed loan of Rs. 475 lakhs out of total project cost of Rs. 1640 lakhs under an agreement signed on 23rd November 2007. The project was completed successfully in November, 2008.

मोबाइल एन्टरप्राइज सोल्यूशन (साफ्टवेयर)

मैसर्स एसेलट्री साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, पुणे को मोबाइल एन्टरप्राइजेज सोल्यूशन (साफ्टवेयर) के व्यापारीकरण के लिए ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई। कम्पनी ने ब्राउचर आधारित अनुप्रयोग के लिए फ्रंट एंड एप्लीकेशन डेवलपर (एफ आर ई डी) नामक मोबइल फ्रेम वर्क का इन–हाउस विकास किया जो कि अनुप्रयोगों के कस्टमाइजेशन की सुविधा प्रदान करता है और थोड़े समय में इन्टरप्राइज सिस्टम के कनेक्टर का निर्माण करता है। एफ आर ई डी एक साफ्टवेयर प्रोडक्विडवीटी टूल है जो विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए साफ्टवेयर अनुप्रयोग उत्पाद तैयार करने में उपयोग किया जाता है जिसमें बैंकिग, इन्शोरेंस, वितरण आदि शामिल हैं और मोबाइल फोन का उपयोग करके वास्तविक रूप से फील्ड से कम्पनी के केन्द्रीय संगणक प्रणाली में सम्पर्क के लिए कर्मचारी को सक्षम बनाता है। यह सभी सैल फोन प्रौद्योगिकियों जैसे सी डी एम ए, जी आर पी एस, जी एस एम, जावा, पी डी ए आदि में कुशलता से कार्य कर सकता है। टी डी बी ने 10 जनवरी, 2007 को हस्ताक्षरित अनुबंध के तहत परियोजना की कुल लागत 1016 लाख रूपय मे से 250 लाख रूपय की ऋण सहायता प्रदान की। 766 लाख रूपय की बाकी राशि इक्वीटी और बैंक से अवधि ऋण के रूप में प्राप्त की जाएगी। परियोजना मार्च, 2009 में पूरी की गई।

Mobile Enterprise Solutions (Software)

M/s AccelTree Software Private Limited, Pune was provided loan assistance for commercialization of Mobile Enterprise Solutions (Software). The company developed an in house Mobile Frame Work named as Front End Application Developer (FRED) for browser based applications, which enables customization of applications and build connectors to enterprise systems in short span of time. FRED is a software productivity tool used in building software application products for different applications including banking, insurance, distribution etc. and empowers the employees in the field to interact with the company's central computing systems, in 'real time' using a mobile phone. It can work efficiently on all the cell phone technologies like CDMA, GRPS, GSM, Java, PDA etc. TDB provided loan assistance of Rs 250 lakhs out of total project cost of Rs. 1016 lakhs under an agreement signed on 10th January, 2007. The remaining amount of Rs. 766 lakh to be raised through equity and term loan from bank. The project was completed in March, 2009.

परियोजनाओं प्रस्तावों को संसोधित करना

टी डी बी से ऋण की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टी डी बी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करती है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के वित्तिय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण "परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश" पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टी डी बी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी/प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टी डी बी की वेबसाइट www.tdb.gov.in से प्राप्त कर सकता है।

2008–09 में प्राप्त आवेदन

टी डी बी ने वर्ष 2008–09 के दौरान औद्योगिक संस्थानों से और वेंचर कैपिटल फंड से 55 आवेदन प्राप्त किए गए।

राज्य–वार प्राप्त आवेदन

2008–09 के दौरान प्राप्त किए गए 55 आवेदनों राज्यवर वितरण निम्नलिखित हैं :–

(करोड़ रूपए में)

सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा दी गई सहायता
1.	आन्ध प्रदेश	10	461.18	160.36
2.	दमन एवं दीव	1	10.00	0.00
3.	दिल्ली	4	58.72	30.10
4.	गुजरात	3	219.18	208.52
5.	हरियाणा	4	107.10	47.80
6.	कर्नाटक	14	277.02	103.70
7.	केरल	1	3.00	1.50

Processing of Project Proposals

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the application throughout the year.The industrial concern or the entrepreneur / promoter can also obtain the format of application from website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

Applications Received in 2008-09

TDB received 55 applications during 2008-09 from industrial concerns and two applications from Venture Capital Funds.

Application Received State Wise

The state wise distribution of 55 applications received during 2008-09 is as under:

(Rupees in crore)

S. No.	State/Union Territory	Number of Applications	Total Cost	Assistant Sought From TDB
1	Andhra Pradesh	10	461.18	160.36
2	Daman & Diu	1	10:00	0
3	Delhi	4	58.72	30.1
4	Gujarat	3	219.18	208.52
5	Haryana	4	107.1	47.8
6	Karnataka	14	277.02	103.7
7	Kerala	1	3	1.50

8.	मध्य प्रदेश	1	10.91	4.95
9.	महाराष्ट्र	4	292.24	108.12
10.	उड़ीसा	2	29.06	12.30
11.	राजस्थान	1	3.74	3.28
12.	तमिल नाडू	6	74.81	29.36
13.	उत्तर प्रदेश	1	10.19	4.81
14.	पश्चिम बंगाल	3	12.91	7.50
	कुल	**55**	**1570.06**	**722.30**

क्षेत्र–वार प्राप्त आवेदन

टी डी बी द्वारा वित्तिय सहायता प्राप्त किए जाने के लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्रवार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है।

2008–09 में क्षेत्रवार प्राप्त आवेदन

(करोड़ रूपय में)

	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से प्राप्त सहायता
कृषि	1	13.48	8.10
रसायन	7	47.65	18.73
ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता	1	12.33	4.95
इंजीनियरिंग	17	609.17	248.52
स्वास्थय और चिकित्सा	17	502.45	165.99
सूचना प्रौद्योगिकी	9	338.64	258.31
दूरसंचार	2	36.34	17.70
व्यक्तिगत	1	10.00	0.00
कुल	**55**	**1570.06**	**722.30**

8	Madhya Pradesh	1	10.91	4.95
9	Maharashtra	4	292.24	108.12
10	Orissa	2	29.06	12.3
11	Rajasthan	1	3.74	3.28
12	Tamil Nadu	6	74.81	29.36
13	Uttar Pradesh	1	10.19	4.81
14	West Bengal	3	12.91	7.5
	Total	**55**	**1570.06**	**722.3**

Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below.

Applications Received Sector-wise in 2008-09

(Rupees in crore)

	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Agriculture	1	13.48	8.1
Chemical	7	47.65	18.73
Energy & Waste Utilisation	1	12.33	4.95
Engineering	17	609.17	248.52
Health & Medical	17	502.45	165.99
Information Technology	9	338.64	258.31
Telecommunication	2	36.34	17.7
Individual	1	10	0
Total	**55**	**1570.06**	**722.3**

आवेदनों का वितरण

वर्ष 2008–09 के दौरान टी डी बी के प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से आवेदन प्राप्त हुए आवेदनों को नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है।

2008–09 में आवेदनों का विवरण

(करोड़ रूपय में)

श्रेणी	आवदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	32	789.55	312.32
पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	18	760.82	401.40
निजी	4	9.69	8.58
पं. सोसाइटी	1	10.00	0.00
कुल	**55**	**1570.06**	**722.30**

आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को आवेदनों की पूर्णता परियोजना का उद्देश्य और प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ–साथ अतिरिक्त जानकारी/विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शामिल होता है। यदि आवेदन, टी डी बी द्वारा वित्तिय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तदनुसार सलाह दी जाती है।

आवेदनों की प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले वैज्ञानिकों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टी डी बी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year 2008-09, as may be seen from the table given below.

Profile of Applicants 2008-09

(Rupees in crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Private Limited Companies	32	789.55	312.32
Public Limited Companies	18	760.82	401.4
Individual	4	9.69	8.58
Res. Society	1	10	0
Total	**55**	**1570.06**	**722.3**

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application is not meeting the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

A list of scientists, who assisted in the initial screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

परियोजना मूल्यांकन

आई एस सी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए परियोजना की प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए पी ई सी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टी डी बी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी और वित्तिय) के विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थाओं, उद्योगों, उद्योग संघों, वित्तिय संस्थानों और व्यावसायिक बैकों के हो सकते है। पी ई सी परियोजना स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता सहित वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्किटिंग, वाणिज्यिक और वित्तिय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

मूल्यांकन मानदण्ड

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी, वाणिज्यिक और वित्तिय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकन किया हाता है। मूल्यांकन निर्धारण में निम्नलिखित शामिल है:–

- प्रस्ताव के विषयों का अनूठा और नवीनात्मक होना।
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता।
- वृहत रूप से लागू करने के लिए और वाणिज्यिकरण से लाभप्रद संभावना।
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता।
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता
- आंतरिक प्राप्ति सहित एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता
- प्रस्तावित लागत की औचित्यपूर्णता और वित्त पोषण पैटर्न
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकार्ड

Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to project & company.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialization
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

गोपनीयता और पारदर्शिता

टी डी बी की यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टी डी बी को उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाएगा। पी ई सी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने में आवेदकों के आशंकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रूप से विचार विमर्श करने के पश्चात् पी ई सी के विशषज्ञों द्वारा टिप्पणियों और सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जाता है। बैठक समाप्ति पर पी ई सी की टिप्पणियों और सुझावों को आवेद्रकों को मौखिक रूप से बताया जाता है। यदि परियोजना प्रस्ताव पर पी ई सी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तब आवेदन को टी डी बी द्वारा समाप्त कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित किया जाता है।

वर्ष 2008–09 में परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना प्रस्ताव समिति (पी ई सी) की 21वीं बैठक आयोजित की गई।

वित्तिय सहायता का अनुमोदन

पी ई सी द्वारा वित्तिय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना को बोर्ड की उप समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा आगे और विचार किया जाता है। बोर्ड की मार्गदर्शिका के अनुसार प्रस्ताव को बोर्ड में भेजे जाने से पहले सम्पत्ति प्रबंधको की सहायता से कुछेक विशिष्ट प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया गया।

मॉनीटरिंग एवं समीक्षा

टी डी बी ने जोखिम सम्बन्धित लक्ष्यों के आधार पर लाभअर्जको को किस्तों से सहायता देने को अनुमोदन किया। दूसरी एवं अगली किस्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना मॉनीटरिंग समिति की सिफारिशों के आधार पर जारी की जाती है। परियोजना के मूल्यांकन के समय परियोजना मॉनाटरिंग समिति मे वैज्ञानिक/तकनीकी विशेषज्ञ शामिल किए जाते है। जो कि पी ई सी के सदस्य होते है।

टी डी बी ने वर्ष 2008–09 के दौरान परियोजना मॉनीटरिंग समिति, परियोजना मूल्यांकन एवं मॉनीटरिंग समिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के मध्यम से 38 बैठकें आयोजित की।

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

During the year 2008-09, 21 meetings of the Project Evaluation Committee (PEC) were held to evaluate the project proposals.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a Sub-committee of the Board or by the Board itself. In accordance with the guidelines of the Board, due diligence is conducted on certain specific proposals with the help of asset managers before the proposal is referred to the Board for its consideration.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in installments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of installments depend on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved project. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

TDB conducted 38 meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2008-09.

पी ई सी और पी एम सी को सहयोग देने वाले विशेषज्ञों की सूची

वर्ष 2008–09 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, मॉनीटरिंग और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से 105 विशेषज्ञों ने टी डी बी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की । विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के साथ लगाया गया है। टी डी बी उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।

आवेदकों का सारांश

वर्ष 2008–09 के दौरान टी डी बी को प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी और 31 मार्च 2009 तक आवेदनों की स्थिति को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है।

2008–09 में प्राप्त आवेदकों का सारांश स्थिति

(करोड़ रूपय में)

स्थिति	संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से मांगी गई सहायता
प्राप्त आवेदन	55	1570.06	722.30
31.03.2009 को बंद	29	883.05	298.65
शेष	26	687.01	423.65
2008–09 में हस्ताक्षरित करार	2	11.31	5.25
31.03.2009 का शेष	24	675.70	418.40
पी ई सी को भेजे गए अथवा पी ई सी के पश्चात् की गई कार्रवाई	9	153.09	75.62
प्रारंभिक जांच के अधीन आवेदन	15	522.61	342.78

- *यह उन 2008–09 में अनुबंधित 14 अनुबंधों को छोड़कर है जिनमें से 10 के आवेदन 2007–08 में प्राप्त हुए और 4 आवेदन 2006–07 में प्राप्त हुए।*
- *टी डी बी को बेंचर कैपिटल फंड से भी दो आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 250 करोड़ रू. आकार वाले फंड में से 30 करोड़ रू. के सहयोग की मांग किया है।*

List of Experts who assisted the PEC and PMC

105 experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2008-09. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2008-09 and the status of applications as on 31st March 2009 are indicated in the table given below:

Summary Status of Applications Received in 2008-09

(Rupees in crore)

Status	Number	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Applications received	55	1570.06	722.30
Closed as on 31-3-2009	29	883.05	298.65
Balance	26	687.01	423.65
Agreements signed in 2008-09	2	11.31	5.25
Balance as on 31-3-2009	24	675.7	418.4
Referred to PEC or processed after PEC	9	153.09	75.62
Applications under initial screening	15	522.61	342.78

- *This excludes 14 agreements signed during the year 2008-09 out of which 10 applications were received in the year 2007-08 and 4 applications were received in the year 2006-07.*
- *TDB also received two applications from Venture Capital Funds seeking contribution aggregating Rs. 30 crore out of the fund size of Rs. 250 crore.*

सकारात्मक सक्रिया भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाइयों और अन्य एजेन्सीयों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा प्रो – एक्टिव भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी डी बी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। प्रो – एक्टिव भूमिका के तौर पर टी डी बी ने नवीनता और नवीन उत्पाद / सेवाओं वाले एस एम ई के माध्यम से शुरूआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर केपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टी डी बी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणमस्वरूप वेन्चर लाने वाले पूंजीपतियों ने टी डी बी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूर्ववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरूआत के लिए बीज सहायता प्रणाली (सीड सपोर्ट सिस्टम) में भागीदारी का निमार्ण करके टी डी बी ने विकासोन्मुख पहल की है। टी डी बी ने युवा उद्यमियों द्वारा लाये जाने वाले नवीन प्रौद्योगिकी वेन्चर विचारों को फलदायी बनाने के लिए उन्हें प्रथम चरण वित्तिय सहायता देने के लिए सीड सपोर्ट फंड बनाया है। टी डी बी ने आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने, सहयोग देने और विकास को सहयोग देने के लिए कई विदेशी संस्थानों नामतः एजेन्सी नेशनल डी वेलोराइजेशन डी ला रिर्सज (ए एन वी ए आर), फ्रांस, सेंटर फार द डवलेपमेंट आफ इंडस्ट्रीयल टेक्नालाजी (सी डी टी आई), स्पेन और कामनवेल्थ बिजनस कांउसिल (सी बी सी), यू के साथ समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए है।

टी डी बी ने दायित्व के निवर्हन के लिए उपरोक्त पहल के माध्यम से देशीय प्रौद्योगिकी के विकास और वाणित्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2008–09 के दौरान निम्नलिखित पहल का अनुमोदन किया है।

(क) एस आई सी ओ एम (सिकोम) केपिटल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड – एस एम ई टेक्नालाजी वेन्चर फंड

मैसर्स एस आई सी ओ एम केपिटल मैनेजमेंट प्राईवेट लिमिटेड (एस सी एम एल), पुणे, जो कि एस आई सी ओ एम लिमिटेड की वेन्चर सबसिडियरी है, ने प्रारम्भिक चरण प्रौद्योगिकी आधारित कम्पनियों में निवेश के लिए बनाए गए वेन्चर केपिटल फंड "एस एम ई ऑपरच्यूनिटि फंड" में सहयोग के लिए टी डी बी से सम्पर्क किया। एस सी एम एल ने प्रथम निधि में कटिंग एज प्रौद्योगिकी कम्पनियों में निवेश किया है।

Pro-Active Role

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. As a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support System for start-ups in Incubators in previous years. TDB has instituted Seed Support Fund to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs in bringing out innovative technology venture ideas to fruition. TDB has signed Memorandum of Understandings (MoUs) with several foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and assist in development of joint technology cooperation for technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economics benefits.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through above initiatives. The Board approved the following initiatives during the year 2008-09.

(a) SICOM Capital Management Pvt. Ltd.- SME Technology Venture Fund

M/s. SICOM Capital Management Pvt. Ltd. (SCML) Pune a Venture Capital Subsidiary of SICOM Ltd. approached TDB seeking a contribution in the "SME Opportunities Fund", a venture capital fund targeted at investing in early stage technology based companies. SCML has a track record of investing in cutting edge technology companies in the first fund.

एस एम ई ऑपरच्यूनिटि फंड की मुख्य विशेषताएं है:–

लक्षित फंड आकार	:	150 करोड़ रूपए
प्रथम समाप्ति	:	75 करोड़ रूपए
प्रतिबद्धताएं	:	62 करोड़ रूपए
निधि की अवधि	:	10 वर्ष तक
लक्षित लाभ	:	25 प्रतिशत

प्रस्तावित फंड एक विविधता वाला फंड है लेकिन यह इंजिनियरिंग आई टी और हेल्थकेअर जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रीत होगा। यह फंड प्रौद्योगिकी विकास और प्रसार के अवसरों वाले उप क्षेत्रों अथवा निकट क्षेत्रों में निवेश के अवसरों की पहचान करेगा। सामाजिक – आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से यह फंड प्रारम्भिक चरण प्रौद्योगिकी आधरित कम्पनियों में निवेश करेगा।

फंड में अन्य निवेशकों के सहयोग के साथ टी डी बी की भागीदारी की जा सकती है और इससे इसे नई प्रौद्योगिकियों में और तेजी से विकसित होने वाली कम्पनियों तक पहुँचने में मदद मिलेगी जहां यह उधारदाता के रूप में भागीदारी कर सकता है।

इस फंड में देश में विकसित प्रौद्योगिकियों और आधारित कम्पनियों के लिए निवेशीय फंड की बहुतायत में उपलब्धता के कारण बढ़े हुए सामाजिक लाभ को बढ़ावा देने के टी डी बी के मिशन को आगे बढ़ाने की क्षमता है।

(ख) राजस्थान वेन्चर केपिटल फंड – एस एम ई टेक्नालाजी वेन्चर फंड

टी डी बी ने देशीय प्रौद्योगिकी और इनके वाणिज्यीकरण को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रारम्भिक चरण प्रौद्योगिकी आधारित कम्पनियों में निवेश के लिए लक्षित वेन्चर केपिटल फंड राजस्थान वेन्चर केपिटल फंड (आर वी सी एफ) में 15 करोड़ रूपय के सहयोग का निर्णय लिया है। नई प्रौद्योगिकी और नवीनता, बढ़ता बाजार, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, प्रबंध कुशलता और तर्कसंगत लाभ के मापदण्ड से निवेश के लिए राजस्थान एसेट मैनेजमेंट कम्पनी ने फंड की शुरूआत की जाती है।

The salient features of the SME opportunity fund are:-

Target Fund Size	:	Rs. 150 Crore
First Closing	:	Rs. 75 Crore
Commitment Receive	:	Rs. 62 Crore
Life of Fund	:	upto 10 years
Target Returns	:	25%

While the fund proposed to be a diversified fund, the focus will be on sectors like Engineering IT and Healthcare. The fund would identify investment opportunities in the subsectors or niche areas with opportunities exist for technology development and deployment. With a view to meet the socio-economic need, the fund would invest in early stage technology based companies.

TDB's participation in the fund can be leveraged along with contribution from other investors and give it access to new technologies and fast growing companies where it can participate as a lender.

The fund has the potential of furthering TDB's mission of promoting indigenously developed technologies & increased social returns due to availability of large pool of investible funds for technology based companies.

(b) Rajasthan Venture Capital Fund - SME Technology Venture Fund

TDB has taken decision to make a contribution of Rs. 15 crores in Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), a venture capital fund targeted at investing in early stage technology based companies with a view to promote indigenous technologies and commercialize them. The Fund is floated by Rajasthan Asset Management Company promoted by the criterion for investment would be new technology and innovation, growing market, competitive advantage, management skills and reasonable returns.

एस एम ई टेक्नालाजी वेन्चर फंड की मुख्य विशेषताएं हैः

लक्षित फंड आकार	:	100 करोड़ रूपए
प्रथम समाप्ति	:	65–70 करोड़ रूपए
फंड अवधि	:	8 वर्ष जिसे दो वर्ष और बढ़ाया जा सकता है
प्रतिबद्धता अवधि	:	अंतिम रूप से बंद करने की तारीख से 5 वर्ष

लक्षित लाभ करीब 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष

इस फंड में अपनी निर्णय करने की भूमिका को छोड़े बगैर देशीय विकसित प्रौद्योगिकियों और बढ़े हुए सामाजिक लाभ को बढ़ावा देने के टी डी बी मिशन को बनाए रखने की क्षमता है। इसके अलावा इसमें निदेशकों के लिए आकर्षक लाभ प्रदान करने, नई प्रौद्योगिकियों में संसाधनों को दोबारा लगाने की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है। अन्य निवेशकों के सहयोग से इस फंड में टी डी बी की भागीदारी को बराबर किया जा सकता है। इससे बहुतायत में फंड तैयार हो सकता है जिसे काफी सारी प्रौद्योगिकी आधारित कम्पनियों को उधार देने के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके अलावा ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तरी क्षेत्र और विशेष रूप से राजस्थान में सेवाएं कम कर दी गई हैं और इसमें नई प्रौद्योगिकियों के विकास की पर्याप्त क्षमता है अतः राज्य एजेन्सियों के साथ साझेदारी से इस क्षेत्र में उपस्थिति बढ़ाकर और मजबूत करके टी डी बी को प्रौद्योगिकी जोन का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

राजस्थान और एन सी आर पर ध्यान केंद्रित करते हुए 100 करोड़ रूपए के प्रस्तावित फंड में पैन इंडिया में प्रचालन का आदेश है। टी डी बी ने फंड में अंशदान के लिए 15 करोड़ रूपए स्वीकृत किए हैं। टी डी बी ने अंशदान अनुबंध पर 6 जून, 2008 को हस्ताक्षर किए हैं।

(ग) कामनवैल्थ बिजनस काउंसिल (सी बी सी), यू. के. साथ स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम की शुरूआत

भारत और यू. के. दोनों को आर्थिक लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवीनता के माध्यम से एस एम ई विकास को समर्थन देने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए टी डी बी ने नवम्बर, 2007 में कामनवेल्थ बिजनस काउंसिल (सी बी सी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। कामनवेल्थ बिजनस काउंसिल एक सार्वजनिक संस्था है जो कि सरकार के राष्ट्रमंडल प्रमुख द्वारा 1997 में स्थापित की गई थी और यह प्रौद्योगिकी नवीनता नीतियों के प्रबंध और विकास के लिए उत्तरदायी है। 11 मई, 2008 को प्रौद्योगिकी दिवस पर सी बी सी ने टी डी बी और डी एस टी के साथ साझेदारी में

The salient features of the SME Technology Venture Fund are:

- Target Fund Size: Rs. 100 Crore
- First Closing: Rs. 65-70 Crore
- Fund Life: 8 years extendable by two more years.
- Commitment period: 5 year from the date of final closer.
- Target returns about 25% per annum.

Fund has the potential to uphold TDB's mission of promoting indigenously developed technologies & increased social returns without diluting its own decision making role. In addition, it has the potential for generating attractive returns for the investors, facilitating and ploughing back the resources into newer technologies. TDB's participation in the fund can be leveraged along with contribution from other investors. This can create a larger pool of fund that could be made available for funding a greater number of technology based companies. Further, the collaboration with the state agencies would help TDB to expand the technology zone by enhancing and strengthening its presence in northern belt and especially in Rajasthan which seems to be under served and have substantial potential for growth of new technologies.

The proposed fund of Rs.100 Crores has mandate to operate Pan India, with a focus on Rajasthan and NCR. TDB sanctioned Rs. 15 crore as contribution to the fund. TDB signed the contribution agreement on 6th June, 2008

(c) Launch of Clean Energy Technology Programme with the Commonwealth Business Council (CBC), U.K.

TDB entered into an MOU with Commonwealth Business Council (CBC) in November, 2007, keeping in the view the objectives of supporting SME Growth via technology transfer, industrial research, technological development and innovation for the purpose of generating economic benefits for both India and U.K. The Commonwealth Business Council (CBC), a public entity set up by the Commonwealth Heads of Government in 1997 and is responsible for the management and development of the technological innovation policies.On the Technology Day on the 11th May 2008, CBC in partnership with TDB & DST launched an initiative titled "Alternative Energy Development and

"अलटरनेटिव एनर्जी डेवलपमेंट एंड एनर्जी सर्विसेज प्रोग्राम" शीर्षक पहल की शुरूआत की है जो कि विशेष रूप से भारत को केन्द्रित करते हुए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी विकास संबंधी कार्यक्रम है। कार्यक्रम का लक्ष्य निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में मुख्य नवीनीकरण ऊर्जा प्रौद्योगिकी और संरक्षण तकनीक के विकास और व्यापारीकरण के माध्यम से भारत में जलवायु परिवर्तन को रोकना और ग्रीन हाउस उत्सर्जन को कम करना है। प्रौद्योगिकी दिवस 2008 को कार्यक्रम के लिए वेबसाइट www.greenoorja.com की शुरूआत करके औपचारिक रूप से "स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी" कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। ग्रीन ऊर्जा का उद्देश्य संगत साझेदारों के बीच जानकारी का आदान–प्रदान करके भारत में पहले से विद्यमान नवीनता और प्रौद्योगिकी विकास की मजबूत संस्कृति को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम का प्रथम और तात्कालिन उद्देश्य भारत में स्वच्छ ऊर्जा परिवेश का व्यापक मानचित्र तैयार करना है। इसमें सभी क्षेत्रों में वर्तमान अनुसंधान सामर्थ्य की जाँच करना और वर्तमान में स्वच्छ ऊर्जा विकास का कार्य करने वाले संगठनों अथवा संस्थानों की पहचान करना शामिल है। कार्यक्रम में जानकारी का पता लगाना, ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देना और अंततः स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास के लिए निवेश को संघटित करना भी शामिल है।

(घ) भारत स्पेन नवीनता कार्यक्रम (आई एस पी आई) के तहद अनुमोदित परियोजनाएं

दोनों देशों को आर्थिक लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नवीनता में माध्यम से एस एम ई विकास को समर्थ देने के लिए और संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग / हस्तांतरण परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा देने, सहायता करने और धनराशि देने के लिए टी डी बी ने आई एस पी आई के तहत सी डी टी आई स्पेन और टी डी बी के बीच दो द्विपक्षीय परियोजनाओं का अनुमोदन किया है।

Energy Services Programmes", which is essentially a programme on Clean Energy Technologies Development with special focus on India. The Programme is aimed at combating climate change and reducing Green House emissions in India, through the development and commercialization of key renewable energy technologies and conservation techniques, in partnership with the private sector The formal launch of "Clean Energy Technologies" programme was made on the Technology Day,2008 by launch of website (www.greenoorja.com) for the programme. Green Oorja intends to strengthen the already strong culture of innovation and technological development present in India by sharing information between relevant partners. The first and immediate aim of the program is to draw up a comprehensive map of clean energy eco-system in India. This will include investigating the current research capabilities across all sectors and indentifying organizations or institutions currently undertaking clean energy development. The programme also included mapping of information, promoting energy conservation and finally mobilizing investments for development of clean energy technologies.

(d) Projects Approved under India Spain Innovating Program (ISPI)

TDB has approved two bilateral projects under ISPI between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries

प्रोन्नति गतिविधियाँ

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार के घटक शामिल है। (i) वे औद्योगिक इकाईयाँ जिन्होने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यिकरण किया जाता है। (ii) ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकासक/प्रदानकर्ता। प्रत्येक में 10 लाख रूपए का नगद पुरस्कार और ट्राफी होती है। 11 मई 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रथम बार राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

एस एस आई इकाईयों के लिए पुरस्कार

टी डी बी ने अगस्त 2000 में उन एस एस आई इकाई को जिन्होंने सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यिकरण किया, के लिए 2 लाख रूपए और एक ट्राफी का आरंभ किया। पहला एस एस आई पुरस्कार 11 मई 2001 को दिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2008

वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने अप्रैल 2003 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकी का वाणिज्यिकरण किया वे 11 मई 2008 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर दिए जाने वाले पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं। विज्ञापन के प्रति उत्तर में टी डी बी को 77 आवेदन प्राप्त हुए – 39 आवेदन 10 लाख रूपए के पुरस्कार के लिए और 9 आवेदन 2 लाख रूपए और 25 आवेदन दोनों पुरस्कारों के लिए प्राप्त हुए। दो आवेदन आखिरी तारीख के बाद प्राप्त होने के कारण पुरस्कार के लिए पात्र नहीं पाए गए।

प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार माननीय प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साईंस, बेंगलोर, अध्यक्ष के रूप में, श्री विजय टोपा, सलाहकार, एफआईसीसीआई, नई दिल्ली, डॉ. जे.एस यादव, निदेशक इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ कैमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी), हैदराबाद और श्री एन.के.शर्मा, प्रबंध निदेशक एनआरडीसी, नई दिल्ली सदस्य के रूप में हैं।

चयन समिति ने मैसर्स नाटको फार्मा लि., हैदराबाद को पाँच नवीन एवं लागत प्रभावी, कैंसर रोधी दवा को ब्रॉंड नाम जी ई एफ आई (जेफटीनट) नाम के तहत गैर–लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर, एल ई टी आर ओ एन न टी को स्तन कैंसर के लिए एम ए टी एफ ओ एस टी को रेडिएशन सुरक्षा

Promotional Activities

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/ provider of such technology. Each component carries a cash award of ten lakh rupees and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001.

National Award 2008

The industrial concerns that have commercialized indigenous technologies after April 2003 were eligible to apply for the awards to be presented on Technology Day, 11th May 2008. In response to the advertisements, TDB received 77 applications – 39 applications for the award of Rs. 10 lakh and 9 applications for the award of Rs. 2 lakh and 25 applications for both awards. 4 applications received after the last were not considered eligible for the award.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2008, consisted of Prof. Rajinder Kumar, Honorary Professor, Indian Institute of Science, Bangalore as Chairman; Shri Vijay Topa, Advisor, FICCI, New Delhi; Dr. J.S. Yadav, Director, Indian Institute of Chemical Technology (IICT), Hyderabad and Shri N.K. Sharma, Former Managing Director NRDC, New Delhi as members.

The Selection Committee selected M/s Natco Pharma Limited, Hyderabad for National Award 2008 for developing and commercializing five innovative and cost-effective, anti-cancer drugs under the Brand Name GEFTINAT for Non - Small Cell Lung Cancer, LETRONAT for Breast Cancer, NATFOST for Radiation

के लिए जेड ओ एल डी ओ एन ए टी को बोन मेटास्टासिस के लिए और बी ओ आर टी ई एन ए टी को मल्टीपल मेलोमा के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2008 के लिए चुना। यह आयातित ब्रांड के मुकाबले काफी कम कीमत की है और आम आदमी की पहुँच के अंदर है।

एस एस आई यूनिट – 2008

चयन समिति ने निम्नलिखित दो कंपनियों को एस एस आई वर्ग में पुरस्कार के लिए चुना।

मैसर्स लाइफकेयर इनोवेशन प्रा. लि. गुड़गांव को ब्रांड नाम एफयएनजीआईएसओएमइटीएम आई.वी. के तहत अत्यधिक कम खर्चीली सिस्टम के माइकोसिस और काला–आजार के उपचार के लिए लक्षित डिलीवरी लियोसोम मेडियटिड एम्फोटेरिसिन की फारमुलेशन के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए चुना गया। लिपोसोमल दवा को कंपनी द्वारा विकसित और तैयार किया गया यह सिस्टमिक माइकोसिस के लिए तीन आयातित दवाओं का एक उत्कृष्ट विकल्प है।

मैसर्स प्राइम टेलीसिस्टम लि. नोएडा की उभरते हुए केबिल एकाधिकार के विरूद्ध टेलीकोमी और इंटरनेट नेटवर्क पर इंटरक्टिव वीडियो की डिलीवरी के लिए एचडीवीएसएल (हाई डेफीफीमिशन वीडियो ओवर सब्सक्राइवर लाईन) स्टैण्डर्ड और सपोर्टिंग टेक्नोलॉजी स्टैक जिससे व्यक्तिगत कम्प्यूटर और सेटटॉप बॉक्स की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए चुना गया।

बोर्ड चयन समिति के सदस्यों को पुरस्कार विजेताओं को चुनने के लिए अपना आभार प्रकट कराता है।

पुरस्कारों का प्रस्तुतीकरण

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 11 मई, 2008 को अशोक होटल, नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, केन्द्रीय मंत्री की उपस्थिति में मैसर्स नाटको फार्मा लि., हैदराबाद को पाँच नवीन एवं प्रभावी, कैंसर रोधी दवा को ब्रॉंड नाम जी ई एफ टी आई एन ए टी (जेफटीनेट) नॉन–स्मॉल लंग कैंसर, एल ई टी आर ओ एन ए टी (लेटरोनेट) ब्रेस्ट कैंसर, एन ए टी एफ ओ एस टी – रेडिमेशन प्रोटेक्शन, जेड ओ एल डी ओ एन ए टी – बोन मेटास्टीनस और बी ओ आर टी ई एन ए टी – मल्टीपल माईलोमा के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए 10 लाख रूपए और ट्राफी प्रदान की।

उन्होंने प्रत्येक एस एस आई युनिट मैसर्स लाइफकेयर इनोवेशन प्रा.लि. गुड़गांव को ब्रॉंड नाम एफ यू एन जी आई एस ओ एम ई टी एम आई.वी. के तहत सिस्टीमीक माईकोसिस और काला आजार के उपचार के लिए लक्षित डिलीवरी के लिए बहुत अधिक सस्ती लिपासोम मेडीयटिड एमफोट्रीशिन

Protection, ZOLDONAT for Bone Metastasis and BORTENAT for multiple myeloma. These are available at much reduced cost over the imported brands resulting in affordability to the common man.

Award for SSI Unit – 2008

The Selection Committee selected following two companies for the award in SSI category.

M/s Lifecare Innovations Pvt. Ltd., Gurgaon, was selected for developing and commercializing highly economic Liposome mediated Amphotericin B formulation under the Brand Name FUNGISOMETM i.v. for targeted delivery for treatment of Systemic Mycosis and Kala – azar. The liposomal drug developed and manufactured by the company is a superior substitute of the three imported drugs for systemic mycosis.

M/s. Prime Telesystems Limited, Noida, was selected for developing and commercializing the HDVSL (High Definition Video over Subscriber Line) standard and supporting technology stack for the delivery of interactive video over legacy and emerging cable, telephony and internet networks. The stack eliminates the requirement of a personal computer or set top box in the house through high end virtualization and facilitates Computer Telephone Integration (CTI).

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

Presentation of the Awards

The former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, presided over as the Chief Guest at the National Awards Function of the Technology Day held on 11th May 2008 at 'Ashoka Hotel', New Delhi. The Chief Guest in the presence of Shri Kapil Sibal, Union Minister for Ministry of Science and Technology and Earth Sciences presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s Natco Pharma Limited. Hyderabad for developing and commercializing five innovative and cost-effective, anti-cancer drugs.

He also presented Rs. 2 lakh and a trophy each to the SSI units, M/s Lifecare Innovations Pvt. Ltd., Gurgaon for developing and commercializing highly economic Liposome mediated Amphotericin B formulation for treatment of

बी फारमूलेशन मैसर्स प्राइम टेलीसिस्टम लि. नोएडा की उभरते हुए केबिल एकाधिकार के विरूद्ध टेलीकोमी और इंटरक्टिव वीडियो की डिलीवरी के लिए एचडीवीएसएल (हाई डेफीफीमिशन वीडियो ओवर सब्सक्राइवर लाईन) स्टैण्डर्ड और सपोर्टिंग टेक्नोलॉजी स्टैक जिससे व्यक्तिगत कम्प्यूटर और सेटटॉप बॉक्स की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए 2 लाख रूपए और ट्राफी प्रदान की।

श्री कपिल सिब्बल, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने स्वागत भाषण दिया। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान में स्वाती ए पीरामल, निदेशक, मैसर्स निकोलस पीरामल इंडिया लि., मुम्बई द्वारा दिया गया। समारोह काफी सफल रहा।

इस अवसर पर टी डी बी ने एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें टी डी बी द्वारा वित्तिय सहायता प्राप्त परियोजनाओं को पोस्टरों और टी डी बी की सहायता प्राप्त वाणिज्यिक उद्यमियों द्वारा निकाले गए उत्पादों को दर्शाया गया था। टी डी बी ने इस अवसर पर पुस्तिकाएं और परचे भी बांटे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा टी डी बी सहायता प्रदत्त नए वाणिज्यिकरण उत्पादों को जारी किया गया।

उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टी डी बी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एवं डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की। टी डी बी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

इन बहुविध प्लेटफार्मों के माध्यम से टी डी बी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यिकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तिय सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाती है।

इस प्रकार की बैठकें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत् भारत और विदेशों में अहमदाबाद, बेंगलोर, बीजिंग (चीन), ब्रसल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, बुडापेस्ट (हंगरी), कैरो (इजीप्ट), चंडीगढ़, चेन्नै, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली–देवगैरे, गुजरात, गुड़गांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोएडा, हैनोओवर (जर्मनी), हेदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्तमबुल (टर्की), जयपुर, जम्मू, जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), कानपुर, केरल, कोच्ची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैट्रिड (स्पेन), मदुरै, मुम्बई, मैसूर, नोएडा, नागपुर, ऑक्सफोर्ड (यू.के.) पुणे, राजामुंदरी, राजापालायम, राजकोट, रूड़की, रूद्रपुर, साओ पोलो (ब्राजील), शिलांग, शिमला, तमिलनाडु, तिरूवनंतपुरम, तिरूचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लोर और विजयवाड़ा में सितम्बर 1996 से आयोजित की गई है।

Systemic Mycosis and Kala – azar and M/s. Prime Telesystems Limited, Noida for developing and commercializing the HDVSL (High Definition Video over Subscriber Line) standard and supporting technology stack for the delivery of interactive video over legacy and emerging cable, telephony and internet networks.

Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of Science and Technology and Earth Sciences gave the welcome address. The Technology Day Lecture was given by Dr. Swati A. Piramal, Director, M/s. Nicholas Piramal India Limited, Mumbai. The function was very well attended.

On this occasion, TDB organized an exhibition consisting of posters depicting projects financially assisted by TDB and products brought out by commercial enterprises with TDB's assistance. TDB also brought out a brochure and pamphlets on this occasion. On this occasion new products commercialization with assistance from TDB were released by the Chief Guest.

Interactive Meetings with Industry

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, Noida, Nagpur, Oxford (UK), Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore and Vijayawada since September 1996.

टी डी बी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यिक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है अब तक कवर नही किए गए अन्य राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

टी डी बी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोशिएशन और संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टी डी बी के अधिकारियों ने वर्ष 2008–09 के दौरान प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों और संस्थानों के साथ पारस्परिक बैठके आयोजित की। इनकी सूची निम्नलिखित हैं :–

अप्रैल 12, 2008 :

श्री एच पुरूषोत्तम, वैज्ञानिक–जी ने 12 अप्रैल, 2008 को हैदराबाद में जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी में ई डी बी भागीदारों के साथ सेमिनार में भाग लिया और "फंडिंग अपोरच्यूनिटि फ्रॉम टी डी बी" पर व्याख्यान दिया और लगभग 45 प्रतिनिधियों के साथ परस्पर संपर्क किया और उन्हें नवीन प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण में टी डी बी की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

अप्रैल 24–26, 2008 :

टी डी बी ने 24–26 अप्रैल, 2008 के दौरान बेंगलोर में आयोजित बेंगलोर बायो–2008 प्रदर्शनी के आठवें संस्करण में भाग लिया। इस प्रदर्शनी का विषय "ग्लोबल पैटर्निंग" था। इस आयोजन का उद्देश्य बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटीकल, आई टी और वित्तिय क्षेत्रों के भागीदारों का एक साथ प्रदर्शन और उत्पादों और सेवाओं में नवीनता, बाजार की संकल्पनाओं का अंतरण, निवेश के नए आयामों की खोज और नए संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रदर्शन के लिए एक मंच प्रदान करना था, इस प्रदर्शनी में 150 से भी अधिक संगठनों/एजेंसियों ने भाग लिया। टी डी बी की पिछले दस वर्षों की उपलब्धियों को टी डी बी की स्टॉल में दिखाया गया। बहुत अधिक संख्या में आगन्तुकों ने टी डी बी की गतिविधियों के बारें में जानकारी ली।

मई 17, 2008 :

डॉ रेनू बापना, वैज्ञानिक एफ ने 17.5.2008 को जयपुर में सत्र के दौरान "इनवेस्टमेंट ऑपारच्यूनिटी इन बायोटेक्नोलॉजी और आर आई पी एच" विषय पर "फंडिग इन बायो सेक्टर ऑपारच्यूनिटी एंड इनिशियेटिव" पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। टी डी बी द्वारा संभावित नवीन योजनाओं वाली योजनाएं विशेषकर जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भागीदार कंपनियों के प्रारंभ करने के जोखिमों में साझेदारी की और उन्हे टी डी बी की सहायता लिए जाने के तरीकों के बारे में सलाह दी।

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2008-09. These are listed below.

April 12, 2008 :

Shri H. Purushotham, Scientist-G, attended the seminar and deliver a Lecture on "Funding Opportunities from TDB" to the EDP participants at Jawaharlal Nehru Technological University (JNTU) Hyderabad on 12th April 2008 and interacted with about 45 delegates and apprised them about role played by TDB in commercialization innovative technology.

April 24-26, 2008 :

TDB participated in the eighth edition of Bangalore Bio-2008 exhibition held during 24th to 26th April, 2008 at Bangalore. The theme of exhibition was "Global Partnering". The event aimed to bring together participation from the biotechnology, pharmaceutical, IT and financial sectors, offering a platform to showcase innovations in products and services, transform concepts into markets, explore investment and forge new alliances, more than 150 organisations / agencies participated in the exhibition. The achievements made by TDB during the last 10 years were displayed at the stall of TDB. A large number of visitors enquired about TDB's activities.

May 17, 2008 :

Dr. Renu Bapna, Scientist-F, made a presentation on "Funding in Biotech Sector: Opportunities and Initiatives" during the session on 'Investment Opportunities in Biotechnology and RICH' at Jaipur on 17.05.2008. The entrepreneurial role played by TDB to share the risk of Startups especially in Biotech field was participating companies with potential innovative plans were advised regarding the modalities to seek TDB's support.

जून 14–15, 2008 :

टी डी बी ने 14–15 जून, 2008 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में छठे इंफ्राएडूका 2008, एक संपूर्ण शिक्षा मेला जिसमें शिक्षा क्षितिज के समूचे आयामों को दिखाया गया था। इस प्रदर्शनी के माध्यम से नए युग के उद्यमियों को, टी डी बी की योजनाओं के तहत टी डी बी की सहायता दिए जाने का अवसर दिया गया।

जून 18–20, 2008 :

महाराष्ट्र सरकार ने 18–20 जून, 2008 को पुणे में 5वीं हाईटेक पुणे–महाराष्ट्र 2008 सम्मेलन आयोजित किया। टी डी बी ने प्रदर्शनी में भाग लिया और डॉ प्रीति सहाय, परियोजना समन्वयक ने सम्मेलन में भाग लिया और नई प्रौद्योगिकियों विशेषकर आई टी और बी टी क्षेत्रों के वाणिज्यिकरण में टी डी बी की भूमिका का संक्षिप्त विवरण दिया।

सितम्बर 10–14, 2008 :

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में टी डी बी न 10–14 सितम्बर 2008 को बुडापेस्ट हंगरी में 11वीं बुडापेस्ट इंटरनेशनल फेयर में भाग लिया। श्री उमेश कुमार, निदेशक और डा. महेन्द्र पाल वैज्ञानिक 'एफ' ने इस इंटरनेशनल फेयर में भाग लिया। टी डी बी की भागीदारी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति को लक्षित किया। बहुत से आगन्तुकों ने टी डी बी की वित्तिय सहायता से विकसित उत्पाद/प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकी विभाग में इसकी भूमिका की जानकारी प्राप्त की।

सितम्बर 13–21, 2008 :

टी डी बी ने गेन्ट, बेल्जियम में एसेन्टा फ्लेन्डर्स इंटरनेशनल फेयर में भाग लिया। टी डी बी के श्री दिनेश शर्मा, सचिव और श्री एन.बी. मणि, अवर सचिव ने इंटरनेशनल फेयर में भाग लिया। इस मेले में पूरे यूरोप से एक लाख से भी अधिक आगन्तुकों ने दौरा किया जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में भारत की शक्ति को पारम्परिक भारत और आधुनिक भारत के बीच संतुलन को बनाए रखते हुए दिखाया गया था। इस प्रदर्शन में आभूषणों, वस्त्र, गृह सजावट, संसाधित खाद्य, टूरिज्म, इंजीनियरिंग, आई टी इत्यादि से संबंधित उत्पादन/सेवाओं को दिखाया गया था

अक्टूबर 17,2008 :

टी डी बी ने 17 अक्टूबर, 2008 को अहमदाबाद में "प्रो–एक्टिव गर्वनेंस इन प्रोमोटिंग बायोटेक

June 14-15, 2008 :

TDB participated in the 6th Infraeduca 2008, a complete education fair to showcase the entire view of education horizon and industry on 14th – 15th June 2008 at Pragati Maidan, Delhi. The exhibition gave an opportunity to new generation entrepreneurs to approach TDB assistance for under its scheme.

June 18-20, 2008 :

The 5th Hi Tech Pune - Maharashtra 2008, conference was organized by Govt. of Maharashtra from 18th – 20th June, 2008 at Pune. TDB participated in the exhibition and Dr. Preeti Sahai, Project Coordinator, attended the conference and briefed on the role of TDB in commercialization of new technologies specially in IT & BT sectors.

September 10-14, 2008:

Under the aegis of Department of Science & Technology, TDB participated in the "11th Budapest International Trade Fair" between 10-14 September, 2008 at Budapest, Hungary. Shri Umesh Kumar, Director and Dr. Mahendra Pal, Scientist 'F' represented TDB in the International Fair. The participation of TDB enabled it projecting the advancements made by India in the field of Science & Technology. A number of visitors enquired about the products / technologies developed by TDB's financial assistance and its role in technology development.

September 13-21, 2008:

TDB participated in the Accenta Flanders International Fair at Ghent, Belgium. Shri Dinesh Sharma, Secretary and Sh. N.B. Mani, Under Secretary reported TDB in the International Fair. Over one lakh visitors from all over Europe visited the fair which highlight India strength in different sphere with a balance between tradition India & modern India a display profile included a verity of products / services ranging from Jewellery, Textile, Home Furnishing, Processed Food, Tourism, Engineering, IT etc.

October 17, 2008:

TDB participated in the seminar held on 17th October 2008 at Ahmedabad on

कामर्शियलाइजेशन" पर गुजरात राज्य आयोटेक्नोलॉजी मिशन (गुजरात सरकार) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सेमिनार में भाग लिया। श्री शंशाक सिन्हा, परियोजना समन्वयक ने टी डी बी की गतिविधियों और उद्यमियों को नवीन प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण और विकास के लिए उपलब्ध सहायता पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।

अक्टूबर 18–20 2008 :

टी डी बी ने 18–20 अक्टूबर, 2008 को देहरादून में फ्रेंडस एग्जीबिशंस और प्रोमोशन प्राइवेट लि. द्वारा आयोजित दूसरे डेस्टीनेशन उत्तराखंड एग्ज़ीबिशन में भाग लिया। इस प्रदर्शनी का मुख्य जोर कृषि, पर्यावरण, आई टी और संचार, शिक्षा इत्यादि के क्षेत्रों में उपलब्धियों का प्रदर्शन था।

नवम्बर 6–8 2008 :

6–8 नवम्बर, 2008 के दौरान मैसर्स इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. नई दिल्ली द्वारा ट्राईबोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (टी एस आई) के तत्वाधान में डॉ. महेन्द्रपाल ने 6वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंडस्ट्रीयल ट्राईनेलॉजी में भाग लिया। इस कॉन्फ्रेंस में हाइड्रोकार्बन और नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों सहित ऊर्जा क्षेत्रों पर जोर दिया गया। टी डी बी ने प्रतिनिधियों के साथ परस्पर बातचीत की और उन्हें टी डी बी की योजनाओं से अवगत कराया।

नवम्बर 25–28, 2008 :

25–28 नवम्बर, 2008 के दौरान ग्रेटर नोएडा में डॉ. महेन्द्र पाल ने रशियन–इंडियन फोरम प्रोब्लम प्रैक्टिस और प्रोस्प्रेक्ट ऑफ अनोवेटिव डवलपमेंट में भाग लिया और औद्योगिक संस्थाओं को टी डी बी की वित्तिय सहायता पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।

दिसम्बर 19, 2008 :

19.12.2008 को जयपुर में श्री शशांक सिंन्हा, परियोजना समन्वयक के राजस्थान परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी प्रा. लि. ने "सस्टेनिंग ग्रोथ एंड वेन्चर कैपिटल फाइनेंस" पर एक सम्मेलन में, प्रौद्योगिकी वित्त पर टी डी बी के अनुसर पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।

'Proactive Governance in Promoting Biotech Commercialization' organized jointly by Gujarat State Biotechnology Mission (Govt. of Gujarat). Shri Shashank Sinha, Project Coordinator, made a presentation on the activities of TDB and the support available to the entrepreneurs for development and commercialization of innovative technologies.

October 18-20, 2008:

TDB participated in 2nd Destination Uttrakhand Exhibition organized by Friends Exhibitions and Promotions Pvt. Ltd. from 18th-20th October, 2008 at Dehradun. The main thrust of the Exhibition was primarily focused to display the achievements in the sectors such as Agriculture, Environment, IT and Communication, Education, etc.

November 6-8, 2008:

Dr. Mahendra Pal attended 6th International Conference on Industrial Tribology (ICIT-08) under the aegis of Tribology Society of India (TSI) organized by M/s. Indian Oil Corporation Ltd at New Delhi during 6-8 November 2008. The conference was focused on Energy Sector including Hydrocarbon and renewable resources of energy. TDB interacted with the delegates and apprised them views on TDB's scheme.

November 25-28, 2008:

Dr. Mahendra Pal attended Russian-Indian Forum Problems, Practice and Prospects of Innovative Development at Greater Noida during 25-28 November 2008 and made a presentation on TDB financial support to industrial concern.

December 19, 2008:

Shri Shashank Sinha, Project Coordinator, made a presentation on TDB's experience on technology finance at the conference on "Sustaining growth and venture capital finance" organized by Rajasthan Asset Management Company Pvt. Limited at Jaipur on 19.12.2008.

3 से 7 जनवरी, 2009 :

3 से 7 जनवरी शिलांग, मेघालय में टी डी बी ने 96वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आई एस सी) की प्रदर्शनी में भाग लिया। आई एस सी के बहुत भारी संख्या में भागीदारों ने स्टॉल का दौरा किया। उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में टी डी बी की भागीदारी बहुत अधिक संख्या में उद्योगों, आर एंड डी केन्द्रों और अकादमिक की सहायता की।

जनवरी 29–31, 2009 :

29–31 जनवरी, 2009 के दौरान चेन्नई में टी डी बी ने बिजनेस इनक्यूबेशन (आई एस बी ए–2009) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया। टी डी बी ने पिछले 3–4 वर्षों के दौरान इनक्यूबेटरों के स्टार्ट–अप के लिए सीड सर्पोट सिस्टम की योजना के माध्यम से भारत में इनक्यूबेशन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। डॉ. पाल ने सम्मेलन में प्रतिनिधियों के साथ परस्पर बातचीत की और उन्हें टी डी बी की भूमिका से अवगत कराया।

वेबसाईट

टी डी बी की वेबसाईट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है:

i) **tdb.gov.in**

January 3-7, 2009:

TDB participated in the exhibition at the 96th Indian Science Congress (ISC) held during 3rd to 7th January, 2009 at Shillong, Meghalaya. A large number of participants on the ISC visited the stall. Participation of TDB helped to outreach a large number of industries, R&D centers and academic in the north-east region.

January 29-31, 2009:

TDB sponsored the 3rd International Conference on Business Incubation, (ISBA-2009) at Chennai during 29-31 January 2009. TDB has played an important role in development of Incubation in India through its scheme on Seed Support System for Start-up in Incubators during last 3-4 years. Dr. Pal interacted with delegates at the conference and apprised them about role of TDB.

Web site

The web-site for TDB is available on the following address:

i) **tdb.gov.in**

शोध एवं विकास उपकर

शोध एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशेधित 1995 की प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर लेवी और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 है। औद्योगिक इकाईयाँ जो कि ऐसे आयोतों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिक आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संचित निधि मे जमा होता है। इसको देश में विकसित प्रौद्योगिक के वाणिज्यिकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रूप से घरेलू प्रयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार, उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिकरण और आयातित प्रौद्योगिक को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह फंड प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के द्वारा शासित किया जाता है।

उपकर, समाहरण और भुगतान

निम्नलिखित सारणी 1996–97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) से वर्षवार उपकर समाहरण, टी डी बी को आवंटन तथा टी डी बी के भुगतान को दर्शाती है।

शोध एवं विकास उपकर एकत्रण और वितरण

(करोड़ रूपए में)

वर्ष	उपकर समाहरण (सी.जी.ए. के आंकड़े)	आवंटन ..... अनुमानित बजट	टी डी बी ..... संशोधित आकलन	सरकार द्वारा टी डी बी को भुगतान	टी डी बी द्वारा प्राप्त उपकर समाहरण प्रतिशत
1996–97	80.13	30.00	30.00	29.97	37.40
1997–98	81.42	70.00	49.93	49.93	61.33
1998–99	81.10	50.00	20.00	28.00	34.52

Research And Development Cess

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

Cess Collections and Payments

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

Research and Development Cess Collections and Disbursements

(Rupees in crore)

Year	Cess Collection (CGA's Figures)	Allocation to TDB		Payments to TDB by Govt.	Percentage (%) of Cess Collection Received by TDB
		Budget Estimate	Revised Estimate		
1996-97	80.13	30	30	29.97	37.4
1997-98	81.42	70	49.93	49.93	61.33
1998-99	81.1	50	20	28	34.52

1999–00	88.93	70.00	50.00	50.00	56.22
2000–01	98.91	70.00	63.00	62.79	63.48
2001–02	95.30	63.00	57.00	57.00	59.81
2002–03	99.47	58.00	56.00	56.00	56.30
2003–04	133.74	55.00	53.65	53.65	40.11
2004–05	156.99	54.00	48.10	48.10	30.64
2005–06	176.61	43.50	42.65	42.66	24.15
2006–07	186.56	33.50	4.90	4.32	2.31
2007–08	254.09	63.00	60.00	19.00	7.47
2008–09	310.33	20.80	4.67	—	—
कुल	**1843.58**	**680.80**	**539.90**	**501.42**	**27.20**

वर्ष 1996–09 के दौरान उपकर समाहरण शोध एवं विकास के कुल 1843.58 करोड़ रूपए में से सरकार 13 वर्षों (1996–2009) के दौरान 501.42 करोड़ रूपए की संचित राशि टी डी बी को उपलब्ध कराई। यह 13 वर्षों में शोध एवं विकास उपकर का 27.20 है।

दिनांक 11 मई 2005 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं महासागर विभाग के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल सिब्बल ने अपने भाषण के दौरान यह कहा कि प्रौद्योगिकी के आयात पर लगाए गए उपकर टी डी बी को एक संसाधन के रूप में वृद्धि करेगा। टी डी बी को बढ़ती हुई जिम्मेदारियों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि टी डी बी की बजटीय सहायता में वृद्धि होनी चाहिए जो कि शोध एवं विकास के माध्यम से एकत्र धनराशि को पूर्ण रूप से टी डी बी को दिए जाने से ही हो सकेगी। श्री पी. चिदम्बरम, केन्द्रीय वित्तमंत्री ने कहा कि चालू घाटे की अर्थव्यवस्था को आरंभ में आवंटन में वृद्धि करके टी डी बी को वित्तिय सहायता प्रदान करूंगा ताकि ये अपनी फंड की आवश्यकता को पूरा कर सके और देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण के उद्देश्यों को प्राप्त कर सकें।

1999-00	88.93	70	50	50	56.22
2000-01	98.91	70	63	62.79	63.48
2001-02	95.3	63	57	57	59.81
2002-03	99.47	58	56	56	56.3
2003-04	133.74	55	53.65	53.65	40.11
2004-05	156.99	54	48.1	48.1	30.64
2005-06	176.61	43.5	42.65	42.66	24.15
2006-07	186.56	33.5	4.9	4.32	2.31
2007-08	254.09	63	60	19	7.47
2008-09	310.33	20.8	4.67	-	-
Total	**1843.58**	**680.8**	**539.9**	**501.42**	**27.2**

Of the total of Rs. 1843.58 crore from R&D cess collection during the year 1996-2009, the Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs. 501.42 crore over the period of 13 years (1996-2009). This works out to 27.20 % of the R&D cess collections made in 13 years.

While speaking on the Technology Day Awards function on 11th May 2005, Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean Development, stated, that cess levied on import of technology is to flow back to the TDB as a resource. Considering increasing responsibilities, TDB requires enhancement in budgetary support which can be achieved by ensuring that the money collected through the R&D cess is fully committed to TDB. Shri P. Chidambaram, the Union Minister of Finance, stated that he would make good the shortfall in providing financial support to TDB by enhancing the allocation beginning the current fiscal to meet its requirement of fund and to achieve objective of commercialization of indigenously developed technologies.

प्रशासन

वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 में यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तिय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को अपनी लेखा परीक्षित की प्रति लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करेगा। टी डी बी की वर्ष 2007–08 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित की प्रति दिनांक 6 अगस्त 2009 को लोक सभा के पटल और दिनाँक 6 अगस्त 2009 को लोक सभा के पटल पर और दिनाँक 8 अगस्त 2009 को राज्य सभा के पटल पर रखी गई थी।

टी डी बी सचिवालय

नई नियुक्ति

श्री उमेश कुमार, संयुक्त महा प्रबंधक, इंडियन ऑर्डिनेन्स फैक्टरी सर्विसेस (रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) ने दिनांक 5 मई 2008 से प्रभावी, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी बी डी टी), नई दिल्ली ने टी डी बी को आयकर अधिनियम 1961 के यू/एस/10/23सी (iv) के तहत आकलन वर्ष 2000–01 और आगे के लिए 18 मई 2007 के एवं 21 मई 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/2007 के तहत छूट प्रदान की है।

राजभाषा कार्यान्वयन

टी डी बी के अपने गठन के समय से सरकार की राजभाषा के विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना फंडिंग गाइडलाइन्स, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को द्विभाषी रूप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाले प्रदर्शित वस्तु/पैनलों को हिन्दी और अंग्रेजी में तैया किया गया है।

Administration

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report. The Annual Report including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2007-08 was laid on the Table of the Lok Sabha on 6th August, 2009 and on the Table of the Rajya Sabha on 8th August, 2009.

TDB Secretariat

New Incumbent

Shri Umesh Kumar, Joint General Manager, from Indian Ordinance Factories Services (Ministry of Defence ,Government of India), has joined as Director in Technology Development Board with effect from 5th May, 2008.

Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB, - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May 2007.

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

आरंभिक जांच समितियों के सदस्य

अभ्यंकर आर.आर.	वैज्ञानिक–जी, एस आई आर
आचार्य पी.एस.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस टी
अस्थाना प्रवीन, डा.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस टी
बगाई जी.एम.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस आई आर
बाजपेयी संजय	वैज्ञानिक–ई, डी एस टी
बापना रेणू डा.	वैज्ञानिक–एफ, टी डी बी
भगत जे.जे.	प्रबंध निदेशक, एस टी एम, टी आई एफ ए सी
भास्कर इंदू	वैज्ञानिक–ई, डी एस आई आर
ब्राकस्पति बार डा.	वैज्ञानिक–जी, डी एस टी
छैनुलू ए.वी.	वैज्ञानिक–ई, डी एस आई आर
चन्द्रशेखर टी	वैज्ञानिक–ई, टी आई एफ ए सी
देशपाण्डे एस.के.डा.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस आई आर
गोयल एस.के.	वैज्ञानिक–डी, टी डी बी
गोपाल हरि बी डा.	वैज्ञानिक–जी, डी एस टी
इदया हरीश डा.	वैज्ञानिक–जी, डी एस आई आर
कमल के. डा.	वैज्ञानिक–जी, डी एस आई आर
खान एस.एन. डा.(श्रीमती)	वैज्ञानिक–एफ, डी एस टी
खन्ना अचला	वैज्ञानिक–डी, टी आई एफ ए सी
कुलकर्णी एम.आर.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस टी
कुलश्रेष्ठा एस.के. डा.	वैज्ञनिक–जी, डी एस आई आर

Members For The Initial Screening Committees

Abhyankar R.R.	Scientist-G, DSIR
Acharya P.S.	Scientist-F, DST
Asthana Praveer Dr.	Scientist-F, DST
Bagai G. M.	Scientist-F, DSIR
Bajpai Sanjay	Scientist-E, DST
Bapna Renu Dr.	Scientist-F, TDB
Bhagat J.J.	MD, STM, TIFAC
Bhaskar Indu	Scientist-E, DSIR
Brakaspathy R. Dr	Scientist-G, DST
Chainulu A. V.	Scientist-E, DSIR
Chandrasekhar T.	Scientist E, TIFAC
Deshpande S.K. Dr.	Scientist-F, DSIR
Goel S. K.	Scientist-D, TDB
Gopal Hari B Dr.	Scientist-G, DST
Iddya Hareesh Dr.	Scientist-G, DSIR
Kamal K. Dr.	Scientist-G, DSIR
Khan S. N. Dr. (Mrs.)	Scientist-F, DST
Khanna Achala	Scientist-D, TIFAC
Kulkarni M. R.	Scientist-F, DST
Kulshrestha S.K. Dr.	Scientist-G, DSIR

कुमार अनिल पी.डा.	वैज्ञानिक–सी, टी आई एफ ए सी
कुमार राज	वैज्ञानिक–जी, डी एस आई आर
माथुर मुकेश	वैज्ञानिक–डी, टी आई एफ ए सी
मुबाशिर साजिद	वैज्ञानिक–एफ, टी आई एफ ए सी
मुखोपाध्याय ए.डा.	वैज्ञानिक–एस ई आर सी
मुरलीमोहन के.आर.डा.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस टी
पाल महेन्द्र डा.	वैज्ञानिक–एफ, टी डी बी
पुरूषोतम एच.	वैज्ञानिक–जी, टी डी बी
रघुपथी वी.डा.	वैज्ञानिक–जी, एस ई आर सी
राय कुलदीप	वैज्ञानिक–एफ, डी एस आई आर
राव ए.एस.डा.	वैज्ञानिक–जी, डी एस आई आर
शाह आर.	वैज्ञानिक–जी, डी एस टी
सहाय प्रीति डा.	परियोजना समन्वयक–डी टी बी
समाथानम जी.के.डा.	वैज्ञानिक–एफ, डी एस टी
सिंह डी.एन.डा.	वैज्ञानिक–जी, टी आई एफ ए सी
सिन्हा शंशाक	परियोजना समन्वयक – टी डी बी
तायल आर.के.	वैज्ञानिक–एफ, एस ई आर सी
वरूण विमल कुमार	वैज्ञानिक–ई, डी एस आई आर

Kumar Anil P. Dr.	Scientist-C, TIFAC
Kumar Raj	Scientist-G, DSIR
Mathur Mukesh	Scientist-D, TIFAC
Mubashir Sajid	Scientist-F, TIFAC
Mukhopadhyay A. Dr.	Scientist-G, SERC
Murlimohan K. R. Dr.	Scientist-F, DST
Pal Mahendra Dr.	Scientist-F, TDB
Purushotham H	Scientist-G, TDB
Raghupathy V. Dr.	Scientist-G, SERC
Rai Kuldip	Scientist-F, DSIR
Rao A.S. Dr.	Scientist-G, DSIR
Saha R.	Scientist-G, DST
Sahai Preeti Dr.	Project Coordinator, TDB
Samathanam, G.J. Dr.	Scientist-F, DST
Singh D. N. Dr.	Scientist-G, TIFAC
Sinha Shashank	Project Coordinator, TDB
Tayal R.K.	Scientist-F, SERC
Varun Vimal Kumar	Scientist-E, DSIR

परियोजना मूल्यांकन समितियों एवं परियोजना मॉनीटरिंग समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अग्रवाल ए.के.	उप निदेशक, अहमदाबाद टैक्सटाईल इंडस्ट्री रिसर्च एसोसिएशन (एटीआईआरए), अहमदाबाद
अग्रवाल अरूण डा.	हैड, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
अग्रवाल गोपाल पी.डा.	राष्ट्रीय समन्वयक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
अग्रवाल जे.एस.डा.	महा प्रबंधक, (कॉरपोरेट प्लानिंग टैक्नोलॉजी) इंडियन ड्रग्स फार्मसिटीकल लिमिटेड, गुड़गांव
अग्रवाल आर.एम.	डीडीजी (एसए) टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग सेन्टर, दिल्ली
अग्रवाल रवि डा.	कंसलटेन्ट कारडियक सर्जन, इंटरनेशनल सेंटर फार कार्डियो थोरेसिस एवं वसकुलर डिजीज, चेन्नै
अहुजा ए.सी.	भूतपूर्व ईडी, आई एफ सी आई–वैंचर कैपिटल, दिल्ली
अमरनाथ सी.प्रो.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
अंसारी पी.एम.	अतिरिक्त निदेशक, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली
ब्रेवे पी.पीडा.	वैज्ञानिक 'एफ', राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे
बसु संदीप के.प्रो.	इमिनेंस के प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीब्यूट ऑफ इम्यूनोलोजी, दिल्ली

Experts For The Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees

Agarwal A.K.	Deputy Director, Ahmedabad Textile Industry Research Association (ATIRA), Ahmedabad
Agarwal Arun Dr.	Head, University of Hyderabad, Hyderabad
Agarwal Gopal P. Prof.	National Coordinator, Indian Institute of Technology, Delhi
Agarwal J.S. Dr.	General Manager, (Corporate Planning Technology) Indian Drugs Pharmaceutical Limited, Gurgaon
Agarwal R.M.	DDG (SA), Telecommunication Engineering Centre, Delhi
Agarwal Ravi Dr.	Consultant Cardiac Surgeon, International Centre for Cardio Thoracic and Vascular Diseases, Chennai
Ahuja A.C.	Former ED, IFCI-Venture Capital, Delhi
Amarnath C. Prof.	Indian Institute of Technology, Mumbai
Ansari P.M.	Additional Director, Central Pollution Control Board, Delhi
Barve P.P. Dr.	Scientist 'F', National Chemical Laboratory, Pune
Basu Sandip K. Prof.	Professor of Eminence, National Institute of Immunology, Delhi

बावा ए.एस.	निदेशक, डिफेंस फूड रिसर्च लैबोरेटरी, मैसूर
भाकुनी विनोद डा.	वैज्ञानिक प्रभारी, सैंट्रल ड्रग्स रिसर्व इंस्टीटयूट, लखनऊ
भट्टाचार्य आलोक	प्रोफेसर जीव विज्ञान स्कूल, दिल्ली
बिन्द्रा एस.एस.	अधीक्षण अभियन्ता, केन्द्रीय उत्पादन केन्द्र
बिश्वास कंचन	एसोसिएट निदेशक (विमान), सेंटर मिलिट्री एयरवर्दीनेस एवं सर्टिफिकेशन, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, बेंगलोर
चन्द्र नागासुमा डा.	प्रधानाचार्य अनुसंधान वैज्ञानिक, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर
चन्द्रशेखर प्रो.	इन्स्ट्रुमेंट डिजाईन डवलपमेंट सेंटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
चन्द्रशेखर वी.एस.	वैज्ञानिक जी, एरोनोटिकल डवललपमेंट इस्टेबलिशमेंट, रक्षा अनुसधान विकास संगठन, बंगलौर
चट्टोपाध्याय एस.के.डा.	प्रिसिपल वैज्ञानिक एवं हैड, सेंट्रल इंस्टीटयूट फॉर रिसर्च ऑन काटन टैक्नोलॉजी (सीआईआरसीआई), मुम्बई
चौधरी एम. सी.	पूर्व निदेशक, टेलीकम्यूनिकेशन कंसलटेंट इंडिया लिमिटेड, दिल्ली
दानी आर.वी.	एडवाइजर एंड हैड, वसंतदादा सुगर इंस्टीटयूट, पुणे
देब अन्निद्या प्रो.	प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
देशपाण्डे एस. के डा	वैज्ञानिक 'जी', डी एस आई आर, विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी मंत्रालय, दिल्ली

Bawa A.S.	Director, Defence Food Research Laboratory, Mysore
Bhakuni Vinod Dr.	Scientist Incharge, Central Drugs Research Institute, Lucknow
Bhattacharya Alok	Professor, School of Life Sciences, Delhi
Bindra S.S.	Superintending Engineer, Central Production Centre
Biswas Kanchan	Associate Director (Aircraft), Center for Military Airworthiness & Certification, Defence Research Development Organization, Bangalore
Chandra Nagasuma Dr.	Principal Research Scientist, Indian Institute of Science, Bangalore
Chandrashekhar Prof.	Instrument Design Development Centre, Indian Institute of Technology, Delhi
Chandrashekhar V.S.	Scientist 'G', Aeronautical Development Establishment, Defence Research Development Organization, Bangalore
Chattopadhyay S.K.Dr.	Principal Scientist & Head, Central Institute for Research on Cotton Technology (CIRCOT), Mumbai
Chaudhary M.C.	Former Director, Telecommunications Consultants India Limited, Delhi
Dani R.V.	Advisor & Head, Vasantdada Sugar Institute, Pune
Deb Anindya Prof.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Deshpande S.K. Dr.	Scientist 'G', DSIR, Ministry of Science & Technology, Delhi

दौसा ए.के.	निदेशक, नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, दिल्ली
दिलीप डी.डा.	वरिष्ठ कंसलटेंट, सी वी टी एस विभाग, श्री वेंगटेश्वर इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंस, तिरूपति
गनापायेत एल.एम.प्रो.	प्रोफेसर, भाभा नाभिकीय अनुसंधान संस्थान, मुम्बई
गांधी एम.आर.	वैज्ञानिक 'जी', सेन्ट्रल साल्ट एंड मैराइन कैमिकल रिसर्च इंस्टीटयूट, गुजरात
गणेश अनुराधा	प्रोफेसर, भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
गांगुली एन.के.डा.	डिस्टिनगिस्ड बॉयोटेक्नोलॉजी फैली एंड एडवाइसर, अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई आई), दिल्ली
गोनसाल्वस टी.ए.प्रो.	टी इ एन ई टी ग्रुप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नै
गोपालन एस.	पूर्व कार्यपालक निदेशक, इंडस्ट्रयल डवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया, चेन्नै
गुप्ता जी.पी.	सी ई ओ/जी.एम. इलपीजी इक्यूपमें रिसर्ज सेंटर (एलईआरसी), बंगलौर
गुप्ता एस.के.प्रो.	पूर्व निदेशक, न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, लखनऊ
हरिनारायण कोटा डा.	पूर्व उप कुलपति, जे एन टी यू एन ई बी, बंगलौर
हसनैन एस. डा.	उप कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
इस्तियाके एस.एम.डा.	प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
जेम्स जैकब	उप महा प्रबंधक, (आई टी) भारत हैवी इलैक्ट्रीकल लि. नोएडा

Dhussa A.K.	Director, Ministry of New & Renewable Energy, Delhi
Dilip D. Dr.	Senior Consultant, Dept. of CVTS, Sri Venketesawara Institute of Medical Sciences, Tirupati
Ganapayet L. M. Prof.	Professor, Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai
Gandhi M.R.	Scientist 'G', Central Salt & Marine Chemicals Research Institute, Gujarat
Ganesh Anuradha	Professor, Indian Institute of Technology, Mumbai
Ganguly N.K. Dr.	Distinguished Biotechnology Fellow & Advisor, Traslational Health Service & Technology Institute(NII), Delhi
Gonsalves T.A. Prof.	TENET Group, Indian Institute of Technology, Chennai
Gopalan S.	Former Executive Director, Industrial Development Bank of India, Chennai
Gupta G.P.	CEO/GM, LPG Equipment Research Centre (LERC), Bangalore
Gupta S.K. Prof.	Former Director, Neurological Society of India, Lucknow
Harinarayana Kota Dr.	Former Vice Chancellor JNTU,NEB, Bangalore
Hasnain S.Dr.	Vice Chancellor, University of Hyderabad, Hyderabad
Ishtiaque S.M. Dr.	Professor, Indian Institute of Technology, Delhi
James Jacab	DGM (IT), Bharat Heavy Electricals Ltd., Noida

जया राव जी.	चीफ मैकेनिकल इंजीनियर, आन्ध्र प्रदेश स्टेट रोड ट्रांसपोट कॉर लि., हैदराबाद
झुन्झुनवाला अशोक डा.	प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्ने
जोशी बी.पी	हैड, टाटा कैमिकल लि., गुजरात
जुवेकर विनय ए.	प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
कन्तम लक्ष्मी डा.	इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टैक्नोलोजी, हैदराबाद
खोसला एन.के.डा.	प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
कोन्देयाह पी.	प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
कृष्णन एस.बी.	पूर्व सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
कुलकर्णी बी.डी. डा.	हैड–कैमिकल इंजीनियरिंग डिवीजन, राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे
कुलकर्णी डी. जे.	उपनिदेशक, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पुणे।
लेले एस.एस.प्रो.	बॉयोकेमिकल इंजी. एवं कोआर्डिनेटर के प्रोफेसर, रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
मैती एस.एन. डा.	प्रोफेसर सेंटर फार पॉलीमी साइंस एंड इजीनियरिंग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
मणी ए.	प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नै
मैनन ए. एस.	पूर्व उपाध्यक्ष (दक्षिणी क्षेत्र) विदेश संचार निगम लिमिटेड, कोचीन
मिश्रा डी.एन.	महा प्रबंधक, त्रिवेणी इंजीनिरिंग एवं इंडस्ट्री लि. देवबंद

Jaya Rao G.	Chief Mechanical Engineer, Andhra Pradesh State Road Transport Corpn Ltd., Hyderabad
Jhunjhunwala Ashok Dr.	Professor, Indian Institute of Technology, Chennai
Joshi B.P.	Head, Tata Chemicals Ltd., Gujarat
Juvekar Vinay A.	Professor Indian Institute of Technology, Mumbai
Kantam Laxmi Dr.	Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad
Khosla N.K. Dr.	Professor, Indian Institute of Technology, Mumbai
Kondaiah P.	Professor Indian Institute of Sciences, Bangalore
Krishnan S.B.	Former Secretary, Technology Development Board, Deptt. of Science & Technology, Delhi
Kulkarni B.D. Dr.	Head-Chemical Engineering Division, National Chemical Laboratory, Pune
Kulkarni D.J.	Deputy Director, Automotive Research Association of India, Pune
Lele S.S. Prof.	Professor of Biochemical Engg. & Coordinator, Institute of Chemical Technology, Mumbai
Maiti S.N. Dr.	Professor, Centre for Polymer Science & Engineering , Indian Institute of Technology, Delhi
Mani A.	Professor Indian Institute of Technology, Chennai
Menon A.S.	Former Vice President (Southern Region)-Videsh Sanchar Nigam Limited, Cochin
Mishra D.N.	General Manager, Triveni Engineering & Industry Ltd., Deoband

मिश्रा आर.के. डा.	वरिष्ठ वैज्ञानिक, सेंटर फॉर सेलूलर एंड मोलेकूलर बॉयोलोजी,, हैदराबाद
मुखर्जी टी.के. डा.	पूर्व सी एम. डी इंडियन रेर अर्थ लि. मुंबई
मूर्ति ए एन एन डा.	प्रधानाचार्य, जे.एस.एस. अकादमी तकनीकी शिक्षा, बंगलौर,
मूर्ति वी.एस.आर.	ग्रुप निदेशक, सुजाना ग्रुप ऑफ कंपनिज, हैदराबाद
मुत्थु एम. वी.	पूर्व कार्यपालक निदेशक, आईएफसीआई वेंचर फंड लि. बंगलौर
नंदी तपस डा.	वैज्ञानिक एफ एवं हैड, राष्ट्रय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान नागपुर
नीलकंधान के. एस. डा.	श्री उत्तराडम त्रिरूनल सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पीटल, त्रिवेन्द्र
पद्मनाभन जी. डा.	एन ए एस आई प्लेटिनम जुबली चेयर प्रोफेसर भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
पांडा अमूल्य कुमार डा.	वैज्ञानिक VI उत्पादन विकास सैल, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, दिल्ली
पाठक आर.एन.	डीन (टेलीविज़न), फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, पुणे
पीथाम्बरम सी.के. प्रो.	अनुसंधान निदेशक (सेवानिवृत) केरला कृषि विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम
पिछूमणी बी.	प्रोफेसर माइनरल प्रोसेसिंग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थन, दिल्ली
पोडिले अप्पारो प्रो.	हैड, जीव विज्ञान स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
प्रकाश ओम प्रो.	सैरामिक इंजीनियरिंग विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

Mishra R.K. Dr.	Senior Scientist, Centre for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad
Mukherjee T.K.Dr.	Former CMD, Indian Rare Earths Ltd., Mumbai
Murthy ANN Dr.	Principal, J.S.S. Academy of Technical Education, Bangalore
Murthy V.S.R.	Group Director, Sujana Group of Companies, Hyderabad
Muthu M.V.	Former Executive Director, IFCI Venture Fund Ltd., Bangalore
Nandy Tapas Dr.	Scientist F & Head, National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur
Neelakandhan K.S. Dr.	Sri Uttradam Tirunal Super Specialty Hospital, Trivendrum
Padmanabhan G. Dr.	NASI Platinum Jubilee Chair Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Panda Amulya Kumar Dr.	Scientist VI, Production Development Cell, National Institute of Immunology, Delhi
Pathak R.N.	Dean (Television), Film & Television Institute of India, Pune
Peethambaram C.K. Prof.	Director of Research (Retd), Kerala Agricultural University, Trivandrum
Pitchumani B.	Professor, Mineral Processing, Indian Institute of Technology, Delhi
Podile Apparao Prof.	Head, School of Life Sciences, University of Hyderabad, Hyderabad
Prakash Om Prof.	Department of Ceramic Engineering Banaras Hindu University, Varanasi

प्रकाश वी. डा.	निदेशक, केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर
प्रसाद वीएलके डा.	प्रोफेसर एवं हैड, आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
पूडी विक्रम प्रो.	सूचना प्रौद्योगिकी का अन्तरराष्ट्रीय संस्थान, हैदराबाद
काज़ी जी. एन. डा.	उप कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ल
राघवन के. वी. डा.	भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद
राजशेखर एम. डा.	संस्थान परियोजना निदेशक, प्रोजेक्ट डायरेक्टोरेट ऑन ऐनिमल डिजील मॉनीटरिंग एंड सर्विलायेंस, बंगलौर
रामा राव पी. डा.	निदेशक, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फार्मासिटिकल एजूकेशन, पंजाब
रामाचन्द्रन एस. वी. कर्नल	क्षेत्रीय निदेशक, एन ए एस सी ओ एम, हैदराबाद
रामाकुमार एस. डा.	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सेंटर फॉर बायोइंफारमेटिक्स, बंगलौर
रमेश जी. डा.	डिटी हैड, राष्ट्रीय अन्तरिक्ष प्रयोगशाला, बंगलौर
राने एस. वी.	प्राफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
रंगनाथन वी. टी.	प्रोफेसर भारतीय विज्ञान संस्थान, बेगलौर
राव पी. जी. डा.	उत्तर–पूर्वी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहट
राव रामचन्द्रम पी.	प्रोफेसर, राजा रमाना फैलो, ए आर सी आई, हैदराबाद
राव वेंकटेश्वर जी. डा.	निदेशक ग्रेड वैज्ञानिक एवं हैड, केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर

Prakash V. Dr.	Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore
Prasad VLK Dr.	Professor & Head, Andhra Pradesh Agricultural University, Hyderabad
Pudi Vikram Prof.	International Institute of Information Technology, Hyderabad
Qazi G.N. Dr.	Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi
Raghavan K.V. Dr.	Indian Institute of Chemical Technologies, Hyderabad
Rajesekhar M. Dr.	Founder Project Director, Project Directorate on Animal Disease Monitoring and Surveillance, Bangalore
Rama Rao P. Dr.	Director, National Institute of Pharmaceutical Education, Punjab
Ramachandran S.V. Col	Regional Director, NASSCOM, Hyderabad
Ramakumar S. Dr.	Professor & Chairman, Centre for Bioinformatics, Bangalore
Ramesh G. Dr.	Deputy Head, National Aerospace Laboratories, Bangalore
Rane M.V.	Professor, Indian Institute of Technology, Mumbai
Ranganathan V.T.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Rao P.G. Dr.	North East Institute of Science & Technology, Jorhat
Rao Ramachandra P.	Professor, Raja Ramana Fellow, ARCI, Hyderabad
Rao Venkateswara G. Dr.	Director's Grade Scientist & Head, Central Food Technological Research Institute, Mysore

सलूनके संदीप	निदेशक–सुरक्षा, पार्लियामेंट हाऊस, दिल्ली
सम्पथ एस. प्रो.	एसोसिएट डायरेक्टर भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
संगाराम पी. डा.	निदेशक, इंस्टीटयूट ऑफ प्रीवेंटीव मेंडिसिन, हैदराबाद
सत्यमूर्ति एल. एस.	निदेशक, अंतरिक्ष कॉरपोरेशन लि., बंगलौर
सत्यनारायण वी.	हैड, इलैक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि., हैदराबाद
सेन रंजन प्रो.	वैाानिक एफ, सेंट्रल ग्लास एंड सैरामिक रिसर्च इंस्टीटयूट, कोलकाता
शर्मा आर. के.	निदेशक, नेशनल टैक्सटाईल कॉरपोरेश, दिल्ली
शर्मा एस. के. डा.	सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली
शास्त्री पी. पी. डा.	पूर्व निदेशक, यू टी आई इंस्टीटयूट ऑफ कैपिटल, मुम्बई
सिंह ए. के.	निदेशक, इलैक्ट्रीकल रिसर्च एवं डवलपमेंट एसोसिएशन, वड़ोदरा
सिंह भीम	प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
सिरोही बार.एस.	प्रोफेसर अमिटी विश्विद्यालय, जयपुर
श्रीनिधि सरगूर डा.	सी ई ओ, प्रोमेथेस कंसलटिंग, बंगलौर
सुबूद्धि श्रीनिवास	हैड, ए पी आई डी सी– वैंचर कैपिटल लि., हैदराबाद
सुधाकर के. डा.	प्रोफेसर, प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
सुहास एच. के. डा.	पूर्व उप महा निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, दिल्ली
सुन्दरराजन वी. डा.	ग्रुप कोआर्डिनेटर सेंटर फॉर डक्लपमेंट ऑफ एडवांस कम्पूयटिंग, सी–डैक, पुणे

Salunke Sandeep	Director-Security, Parliament House, Delhi
Sampath S. Prof.	Associate Director, Indian Institute of Science, Bangalore
Sangaram P. Dr.	Director, Institute of Preventive Medicine, Hyderabad
Satyamurthy L.S.	Director, Antrix Corporation Ltd., Bangalore
Satyanarayana V.	Head, Electronics Corporation of India Ltd., Hyderabad
Sen Ranjan Prof.	Scientist 'F', Central Glass and Ceramic Research Institute, Kolkata
Sharma R.K.	Director, National Textile Corporation, Delhi
Sharma S.K. Dr.	Advisor, Ministry of Health & Family Welfare, Delhi
Shastri P.P. Dr.	Former Director, UTI Institute of Capital, Mumbai
Singh A.K.	Director, Electrical Research & Development Association, Varodara
Singh Bhim	Professor, Indian Institute of Technology, Delhi
Sirohi R.S.	Professor, Amity University, Jaipur
Srinidhi Sargur Dr.	CEO, Prometheus Consulting, Bangalore
Subudhi Srinivas	Head, APIDC-Venture Capital Ltd., Hyderabad
Sudhakar K. Dr.	Professor, Institute of Technology, Bombay
Suhas H.K. Dr.	Former Deputy Director General, National Information Centre, Delhi
Sundararajan V. Dr.	Group Coordinator, Centre for Development of Advanced Computing, C-DAC, Pune

त्रिपाठी एस.एन.एम.	सलाहकार चीनी प्रौद्योगिकी, बजाज हिन्दुस्तान लिमिटेड, लखनऊ
उमरजी अरूण एम.	प्रोफेसी भारतीस विज्ञान संसीान, बंगलौर
वार्ष्णेय के.सी. डा.	पूर्व ई डी, आई डी बी आई, नई दिल्ली
वाहेब सीवा डा.	सलाहाकर डी बी ठी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दिल्ली
यादव जी.डी.	प्रोफेसर रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय, मुम्बई
जेड दीपक	कार्यपालक उप प्रधान, एम आई टी सी ओ एन कंसलटेंसी सर्विसेस लि., पुणे

Tripathi S.N.M.	Advisor Sugar Technology, Bajaj Hindustan Limited, Lucknow
Umarji Arun M.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Varshney K.C. Dr.	Former ED, IDBI, New Delhi
Wahab Seewa Dr.	Advisor, DBT, Ministry of Science & Technology, Delhi
Yadav G.D.	Professor, University Institute of Chemical Technology, Mumbai
Zade Deepak	Executive Vice President, MITCON Consultancy Services Ltd., Pune

वर्ष 2008-2009 के लिए
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं का
वार्षिक विवरण

Annual Statement of Accounts of the Technology Development Board for the Year 2008-2009

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 की स्थितिनुसार तुलन–पत्र

राशि रूपए में

कॉरपस/कैपिटल फंड और दायित्व	योजना	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
कॉरपस / कैपिटल फंड	1	6,624,296,353	6,217,294,467
रिजर्व और सरपलस	2	–	–
निर्धारित / इनडॉवमेंड फंड	3	1,558,215,541	1,565,225,599
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	–	–
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	–	–
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	6		
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	808,523	671,900
कुल		**8,183,320,426**	**7,764,191,966**
परिसम्पत्तियाँ			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	7,528,032	9,910,261
निर्धारित / इंडोवमेंट फंड से निवेश	9	1,558,215,541	1,546,225,599
निवेश–अन्य	10	1,263,478,615	1,082,000,086
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण,	11	5,254,098,238	5,126,056,020
अग्रिम इत्यादि			
विविध खर्चे (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)			
कुल		**8,183,320,426**	**7,764,191966**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Balance Sheet As On 31st March 2009

Amount in rupees

Corpus/ Capital Fund and Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	6,624,296,353	6,217,294,467
Reserves and Surplus	2	-	-
Earmarked/Endowment Funds	3	1,558,215,541	1,546,225,599
Secured Loans and Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans and Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liablities	6	-	-
Current Liabilities and Provisions	7	808,532	671,900
TOTAL		**8,183,320,426**	**7,764,191,966**
ASSETS			
Fixed Assets	8	7,528,032	9,910,261
Investments- from Earmarked/ Endowment Funds	9	1,558,215,541	1,546,225,599
Investments- Others	10	1,263,478,615	1,082,000,086
Current Assets, Loans, Advances etc.	11	5,354,098,238	5,126,056,020
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
TOTAL		**8,183,320,426**	**7,764,191,966**
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liablities and Notes on Accounts	25	-	-

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे

राशि रूपए में

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री / सेवाओं से आय	12	–	–
अनुदान / सब्सिडी	13	–	45,795,786
फीस / अंशदान	14	–	
विदेश(निवेश पर आय,निर्धारित इनडोव) से आय	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	10,038,375	18,627,911
अर्जित ब्याज	17	328,456,031	247,500,309
अन्य आय	18	227,566,063	119,870,225
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि / गिरावट	19		
कुल (क)		**566,060,469**	**431,794,231**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	12,158,085	7,961,672
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	45,963,694,	44,414,310
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	100,000,000	29,000,000
ब्याज	23		
मूल्यह्रास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		936,804	986,179
कुल (ख)		**159,058,583**	**82,362,161**

Technology Development Board

Income and Expenditure Accounts For The Year Ended 31st March 2009

Amount in rupees

	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales/ Services	12		
Grants / Subsidies	13	-	45,795,786
Fees/ Subscriptions	14		
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/endow.	15		
Income from Royalty, Publication etc.	16	10,038,375	18,627,911
Interest Earned	17	328,456,031	247,500,309
Other Income	18	227,566,063	119,870,225
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL (A)		**566,060,469**	**431,794,231**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	12,158,085	7,961,672
Other Administrative Expenses etc.	21	45,963,694	44,414,310
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	100,000,000	29,000,000
Interest	23		
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedue -8)		936,804	986,179
TOTAL (B)		**159,058,583**	**82,362,161**

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख)		407,001,886	349,432,070
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण			
कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष		407,001,886	349,432,070
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियां	25		

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

	Schedule	Current Year	Previous Year
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		407,001,886	349,432,070
Transfer to General Reserve		-	-
BLANCE BEING SURPLUS CARRIED TO CORPUS FUND		407,001,886	349,432,070
SINGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ और भुगतान के लेखे

राशि रुपए में

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष (रु.)	पिछला वर्ष (रु.)
	लघु अवधि जमा में निवेश	1,063,988,492	814,497,399
	सुलभ नकद	23,613	20,954
	बैंक में नकद	105,212,745	39,189,438
	फ्लैक्सी अकाउंट	34,178,153	
प्रौद्योगिकी विकास और आवेदन के लिए फंड			
i)	टी डी फंड	–	190,000,000
ii)	लघु अवधि जमा पर ब्याज	65,984,285	105,101,090
iii)	ऋण पर ब्याज	65,856,337	73,269,806
iv)	रॉयल्टी पर ब्याज	41,012	1,118,944
v)	अनुदान पर ब्याज	–	503,570
vi)	ऋण की अदायगी	292,575,649	375,302,194
vii)	रॉयल्टी	10,038,375	18,627,911
viii)	अनुदान	50,000	1,001
ix)	आईडीबीआई के वीसीएफ का स्थानांतरण	–	–
x)	विविध प्राप्तियां	81,952	23,413
xi)	सिक्यूरिटी/अग्रिम का रिफंड	51,000	174,529
xii)	स्त्रोत पर आयकर कटौती की वसूली	2,132,179	3,389,565

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2009

Amount in rupees

RECEIPT		Current Year	Previous Year
Opening Balance :			
	Investment in short term deposits	1,063,988,492	814,497,399
	Cash in hand	23,613	20,954
	Cash at bank	105,212,745	39,189,438
	Flexi Account	34,178,153	-
Fund for Technology Development & Application			
i)	TD Fund	-	190,000,000
ii)	Interest on short term deposits	65,984,285	105,101,090
iii)	Interest on loans	65,856,337	73,269,806
iv)	Interest on royalty	41,012	1,118,944
v)	Interest on grants	-	503,570
vi)	Repayment of loans	292,575,649	375,302,194
vii)	Royalty	10,038,375	18,627,911
viii)	Donations	50,000	1,001
ix)	Transfer from VCF of IDBI	-	-
x)	Miscellaneous receipts	81,952	23,413
xi)	Refund of Security/ Advance	51,000	174,529
xii)	Recoveries Towards Income Tax deducted at source	2,132,179	3,389,565

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष (रू.)	पिछला वर्ष (रू.)
xiii)	वेतन से वसूली	748,736	623,477
xiv)	आईटीवीयू (यूटीआई)		97,500,000
xv)	यूटीआई एसेन्ट इंडियन फंड		47,882,185
xvi)	अन्य प्राप्तियाँ	227,434,111	119,845,811
	कुल	**1,868,396,639**	**1,887,071,287**

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

	RECEIPT	Current Year	Previous Year
xiii)	Recoveries from salaries	748,736	623,477
xiv)	ITVUS(UTI)		97,500,000
xv)	UTI_Ascent Indian Fund		47,882,185
xvi)	Other receipts	227,434,111	119,845,811
	TOTAL	**1,868,396,639**	**1,887,071,287**

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ और भुगतान

राशि रुपए में

भुगतान		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
i)	वेतन	10,671,458	6,935,606
ii)	मज़दूरी	–	–
iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	5,971,990	3,615,818
iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	981,600	424,766
v)	पारिश्रमिक	191,600	172,850
vi)	समयोपरि सत्ता	41,267	37,747
vii)	चिकित्सा व्यय	607,230	386,554
viii)	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अनुदान	370,919	566,203
ix)	वर्दी एवं लिवरीज़		
कार्यालय व्यय			
i)	टेलीफोन/टेलेक्स	589,517	665,258
ii)	डाक टिकट	12,767	169,945
iii)	पेट्रोल, तेल, लुब्रीकेंटस	161,832	145,163
iv)	मरम्मत एवं रख–रखाव	626,778	1,047,488
v)	उपभोज्य स्टोर एवं प्रिन्टिंग	2,714,754	1,626,263
vi)	न्यूज पेपर एवं मैगज़ीन	22,087	25,526
vii)	मनोरंजन एवं अतिथि सत्कार	208,032	159,154
viii)	परिवहन	6,900	5,768
ix)	विज्ञापन और प्रचार	13,345,430	8,724,398
x)	किराया (कार्यालय)	–	–
xi)	विविध व्यय	849,357	491,555

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2009

Amount in rupees

PAYMENTS		Current Year	Previous Year
ESTABLISHMENT EXPENSES			
i)	Salaries	10,671,458	6,935,606
ii)	Wages	-	-
iii)	Travel Expenses (Domestic)	5,971,990	3,615,818
iv)	Travel Expenses (Abroad)	981,701	424,766
v)	Honorarium	191,600	172,850
vi)	Over Time Allowance	41,267	37,747
vii)	Medical Expenses	607,230	386,554
viii)	Pension Contribution for Deputationists	370,919	566,203
ix)	Liveries & Uniform	-	4,484
OFFICE EXPENSES			
i)	Telephone / Telex	589,517	665,258
ii)	Postage stamps	12,767	169,945
iii)	Petrol, Oil, Lubricants	161,832	145,163
iv)	Repairs & Maintenance	626,778	1,047,488
v)	Consumable Stores & Printing	2,714,754	1,626,263
vi)	Newspapers & Magazines	22,087	25,526
vii)	Entertainment & Hospitality	208,032	159,154
viii)	Conveyance	6,900	5,768
ix)	Advertisement & Publicity	13,345,430	8,724,398
x)	Rent (Office)	-	-
xi)	Miscellaneous Expenses	849,357	491,555

xii)	सिक्यूरिटी जमा	–	75,500
xiii)	राष्ट्रीय पुरस्कार	1,4000,000	400,000
xiv)	पुस्तकालय किताबें एवं जनरल	600	2,601
xv)	पेशगी जमा राशि का पुनः भुगतान	–	–
xvi)	विधि प्रभार	1,509,885	1,178,921
xvii)	परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रभार	14,091,341	17,743,858
xviii)	कोर्ट शुल्क	–	1,000
xix)	लेखा परीक्षा शुल्क	–	–
xx)	स्टाफ सदस्यों को अग्रिम	87,719	–
xxi)	वसूल की गई राशि	5,694	

बोर्ड व्यय			
i)	सदस्यों का टी.ए/डी.ए.	252,825	258,769
ii)	व्यावसायिक शुल्क / पारिश्रमिक	558,900	758,700
iii)	बैठक व्यय	9,840	73,260
iv)	विशेषज्ञों के लिए टीए/डीए	859,482	1,631,371
पूंजीगत व्यय			
i)	उपस्कर/उपकरण/मशीनरी	262,506	1,781,832
ii)	फर्नीचर और फिक्सचर	41,743	605,644
iii)	वाहन	–	9,191
	टी डी एस का प्रेषण	2,311,160	3,222,458
	अन्य विभागों की रिकवरी का प्रेषण	748,736	623,475
टी डी एफ से वितरण			
i)	ऋण	534,500,000	495,500,000
ii)	अनुदान	100,000,000	29,000,000
	ख) अन्य एजेंसियां	–	–
iii)	इक्विटी	–	–
iv)	आई आई वी यू एस (यूटीआई)	–	–
v)	एसेन्ट इंडिया फंड (यू टी आई वी एफ एम)	–	85,767,800

xii)	Security Deposits	-	75,500
xiii)	National Award	1,400,000	400,000
xiv)	Library Books & Journals	600	2,601
xv)	Refund of earnest money Deposit	-	-
xvi)	Legal Charges	1,509,885	1,178,921
xvii)	Asset Management Charges	14,091,341	17,743,858
xviii)	Court fee	-	1,000
xix)	Audit Fee	-	-
xx)	Advance to staff members	87,719	-
xxi)	Amount recoverable	5,694	-

BOARD EXPENSES			
i)	TA / DA to Members	252,825	258,769
ii)	Professional Fee / Honorarium	558,900	758,700
iii)	Meeting Expenses	9,840	73,260
iv)	TA / DA to Experts	859,482	1,631,371
CAPITAL EXPENDITURE			
i)	Equipment / Apparatus / Machinery	262,506	1,781,832
ii)	Furniture & Fixtures	41,743	605,644
iii)	Vehicle	-	9,191
	Remittance of Income Tax deducted at source	2,311,160	3,222,458
	Remittance of recoveries to other deptts.	748,736	623,475
DISBURSEMENTS FROM TDF			
i)	Loans	534,500,000	495,500,000
ii)	Grants	100,000,000	29,000,000
	(b) Other Agenices	-	-
iii)	Equity	-	-
iv)	ITVUS (UTI)	-	-
v)	Ascent India Fund(UTI VFM)	-	85,767,800

vi)	एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल फंड	71,978,529	4,829,358
vii)	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड II	–	–
viii)	जीवीएफएल वेंचर फंड	60,000,000	15,000,000
ix)	आर वी सी एफ	49,500,000	–
प्राप्तियाँ			
i)	सुलभ नकद	35,799	23,613
ii)	बैंक में लघु अवधि जमा	958,700,000	1,063,988,492
iii)	बचत खाता में	28,229,678	105,212,745
iv)	पलेक्सी खाता में	5,938,583	34,178,153
	कुल	**1,868,396,639**	**1,887,071,287**

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

vi	APIDC Venture Capital Fund	71,978,529	4,829,358
vii)	Venture East TeNet Fund II	-	-
viii)	GVFL Venture Fund	60,000,000	15,000,000
xi)	RVCF	49,500,000	-
CLOSING BALANCE			
i)	Cash in hand	35,799	23,613
ii)	Short term deposits with banks	958,700,000	1,063,988,492
iii)	In Saving Account	28,229,678	105,212,745
iv)	In Flexi Account	5,938,583	34,178,153
	TOTAL	**1,868,396,639**	**1,887,071,287**

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को तुलन–पत्र के साथ संलग्न अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–1–कॉरपस/कैपिटल फंड				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6,217,294,467		5,723,658,183	
जमा: कॉरपस/कैपिटल फंड में अनुदान	–		144,204,214	
जमा: आय और व्यय लेखे से स्थानांतरिक सकल आय का शेष	407,001,886		349,432,070	
		6,624,296,353		6,217,294,467
वर्ष के अंत तक शेष		**6,624,296,353**		**6,217,294,467**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–2 रिजर्व और आपूर्ति				
1. कैपिटल रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
3. विशेष रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
4. सामान्य रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
कुल योग				

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND :				
Balance as at the beginning of the year	6,217,294,467		5,723,658,183	
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-		144,204,214	
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	407,001,886		349,432,070	
		6,624,296,353		6,217,294,467
BALANCE AS AT THE YEAR- END		**6,624,296,353**		**6,217,294,467**

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:				
1. Capital Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addtion during the year	-	-	-	-
Less: Deductions during the year	-	-	-	-
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
3. Special Reserves:				
As per last Account	-	-	-	-
Additon during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
4. General Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को तुलन–पत्र के साथ संलग्न अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–3 निर्धारित/इनडोवमेंट फंड				
आई डी बी आई का वीसीएफ				
दायित्व				
भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान		278,400,000		278,400,000
निवेश से आय				
क) ब्याज	130852144		130852144	
ख) रॉयल्टी	55197900		55197900	
ग) लाभांश	7787794		6913594	
घ) उपार्जित आय	1406327373		1392085303	
ङ) लम्बित प्राप्तियाँ	20968231		13699614	
	1621133442		**1598748555**	
घटा : टी डी बी को दी गयी राशि	212500000		212500000	
	1408633442		**1386248555**	
घटा: वसूली गई अत्यधिक	112500000		112500000	
रॉयल्टी पूर्व में समायोजित				
घटा: माफ किया गया ऋण	32349981		21233876	
घटा: निवेश को बिक्री से घाटा	3226250		4108250	
	1361807211		**1349656429**	
घटा: प्रबंधन शुल्क	80620000		8062000	
घटा: ऑडिट शुल्क और अन्य	1371670		1210830	
व्यय				
	1279815541	**1,279,815,541**	**1267825599**	**1,267,825,599**
कुल		**1,558,215,541**		**1,546,225,599**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
VCF of IDBI				
Liabilities				
Contribution received by IDBI from Government of India		278,400,000		278,400,000
Income from Investment				
a. Interest	130852144		130852144	
b. Royalty	55197900		55197900	
c. Dividend	7787794		6913594	
d. Accrued income	1406327373		1392085303	
e. Receipt pending appropriation	20968231		13699614	
	1621133442		**1598748555**	
Less : Amount paid to TDB	212500000		212500000	
	1408633442		**1386248555**	
Less: Excess Royalty recd. earlier adjusted	11250000		11250000	
	1397383442		**1374998555**	
Less : Loans written off	32349981		21233876	
Less : Loss on sale of Investment	3226250		4108250	
	1361807211		**1349656429**	
Less : Management fees	80620000		80620000	
Less: Audit Fees & other Expenses	1371670		1210830	
	1279815541	**1,279,815,541**	**1267825599**	**1,267,825,599**
TOTAL		**1,558,215,541**		**1,546,225,599**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 4– प्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विशिष्ट)	-	-	-	-
3. वित्तिय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (विशिष्ट)				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 4- SECURED LAONS AND BORROWINGS:				
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specifty)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans	-	-	-	-
b) Interest accured and due	-	-	-	-
4. Banks: -				
a) Term Loans	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institultons and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note : Amounts due within one year

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–5– अप्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	–	–	–	–
2. राज्य सरकार (विशिष्ट)	–	–	–	–
3. वित्तिय संस्थाएं	–	–	–	–
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	–	–	–	–
ख) अन्य ऋण	–	–	–	–
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	–	–	–	–
6. डिबेन्चर्स एवं बॉन्डस	–	–	–	–
7. अचल जमा	–	–	–	–
8. अन्य (विशिष्ट)	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 6– आस्थगित ऋण देयताएं				
क. कैपिटल उपस्करों और अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	–	–	–	–
ख. अन्य	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS				
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specifty)	-	-	-	-
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Instituitons and Agencies	-	-	-	-
6. Debendtures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note : Amounts due within one year

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES				
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Others -	-	-	-	
TOTAL				

Note : Amounts due within one year

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 7– चालू देयताएं और प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. सहमति				
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य				
3. प्राप्त प्रतिभूत	2,000	2,000	2,000	2,000
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन देय नहीं				
क) प्रतिभूत ऋण / उधार				
ख) अप्रतिभूत ऋण/ उधार				
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
ख) अन्य			178,981	178,981
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंषन अंशदान	646,532		370,919	
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	160,000	806,532	120,000	490,919
कुल (क)		**808,532**		**671,900**
ख. प्रावधान				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेच्यूटी				
3. अधिवर्षिता/ पेंशन				
4. एकत्र अवकाष नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज/ दावे				
6. अन्य (विशिष्ट)				
कुल (ख)				
कुल (कख)		**808,532**		**671,900**

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 7- CURRENT LAIBILITIES AND PROVISIONS				
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances	-	-	-	-
2. Sundry Creditors				
a) For Goods				
b) Others				
3. Security Received	2,000	2,000	2,000	2,000
4. Interest accured but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities				
a) Overdue	-	-	-	-
b) Others	-	-	178,981	178,981
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputationts	646,532		370,919	
b) Audit fee payable	160,000	806,532	120,000	490,919
TOTAL (A)		**808,532**		**671,900**
B. PROVISIONS				
1. For Taxation				
2. Gratuity				
3. Superannuation/Pension				
4. Accumulated Leave Encashment				
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (Specify)				
TOTAL (B)		-		-
TOTAL (A+B)		**808,532**	-	**671,900**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गये	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
अनुसूची 8– स्थायी परिसंपत्ति										
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क) फ्रीहोल्ड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ख) लीजहोल्ड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2. बिल्डिंग	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क) फ्रीहोल्ड जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ख) लीजहोल्ड जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग) स्वामित्वधारी फ्लैट / परिसर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
घ) जमीन पर अधिरचना अस्तित्व से संबद्ध नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3. प्लांट मशीनरी एवं उपस्कर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4. वाहन	380,081	–	–	380,081	100,511	27,957	–	128,468	251,613	279,570
5. फर्नीचर/ फिक्सर	3,163,804	41,743	65,331	3,140,216	595,408	374,948	37,258	933,098	2,207,118	2,568,396

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31st March 2009

Amount in rupees

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additons during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deduc-tions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year-end	As at the Previous year-end
SCHEDULE 8- FIXED ASSETS										
A. FIXED ASSETS:										
1. LAND:										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) Leasehole	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:										
a) On Freehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. VEHICLES	380,081	-	-	380,081	100,511	27,957	-	128,468	251,613	279,570
5. FURNITURE, FIXTURES	3,163,804	41,743	65,331	3,140,216	595,408	374,948	37,258	933,098	2,207,118	2,568,396

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गये	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
6. कार्यालय उपस्कर	5,329,794	134,306	1,226,025	4,238,075	1,312,641	340,941	619,985	1,033,597	3,204,478	4,017,153
7. कंप्यूटर/ पैरीफिरलरस	4,243,678	128,200	2,145,995	2,225,883	1,196,834	192,958	1,028,732	361,060	1,864,823	3,046,844
8. इलैक्ट्रिक अधिष्ठापन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
9. पुस्तकालय की किताबें	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
10. ट्यूबवैल और वाटर सप्लाई	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
11. अन्य अचल परिसंपत्तियां	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
चालू वर्ष का कुल	13,117,357	304,249	3,437,351	9,964,255	3,205,394	936,804	1,685,975	2,456,223	7,528,032	9,911,963
पिछला वर्ष	11,275,191	2,416,667	576,200	13,115,658	2,359,865	986,179	140,649	3,205,394	9,910,264	8,915,327
ख. कैपिटल चल रहा कार्य										
कुल	13,117,357	304,249	3,437,351	9,964,255	3,205,394	936,804	1,685,975	2,456,223	7,528,032	9,911,963

उपर्युक्त को शामिल करते हुए किराए पर लिए गए परिसंपत्तियों की लागत पर दी जाने वाली टिप्पणियां

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additons during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year- end	As at the Previous year-end
6. OFFICE EQUIPMENT	5,329,794	134,306	1,226,025	4,238,075	1,312,641	340,941	619,985	1,033,597	3,204,478	4,017,153
7. COMPUTER/ PERIPHERALS	4,243,678	128,200	2,145,995	2,225,883	1,196,834	192,958	1,028,732	361,060	1,864,823	3,046,844
8. ELECTRIC INSTALLATIONS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. LIBRARY BOOKS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. TUBEWELLS & W. SUPPLY	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. OTHER FIXED ASSETS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL OF CURRENT YEAR	13,117,357	304,249	3,437,351	9,984,255	3,205,394	936,804	1,685,975	2,456,223	7,528,032	9,911,963
PREVIOUS YEAR	11,275,191	2,416,667	576,200	13,115,658	2,359,865	986,179	140,649	3,205,394	9,910,264	8,915,327
B.CAPITAL WORK-IN-PROGRESS										
TOTAL	13,117,357	304,249	3,437,351	9,984,255	3,205,394	936,804	1,685,975	2,456,223	7,528,032	9,911,963

(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 9– निर्धारित/इनडोवमेंट फंडों से निवेश			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ			
3. शेयर			
4. डिबेन्चर्स और बॉन्डस			
5. सब्सिडिज और संयुक्त उद्यम			
6. आई डी बी आई परिसंपत्ति का वीसीएफ			
निवेश			
(1) ऋण	117,463,061		130,964,914
(2) इक्विटी	10,725,000		10,825,000
		128,188,061	
वसूली योग्य			
(1) निवेश	289,165,333		307,982,094
(2) अन्य	1,117,162,040		1,084,103,209
		1,406,327,373	
आई डी बी आई के साथ नकद	23,700,107		12,350,382
		23,700,107	
कुल		**1,558,215,541**	**1,546,225,599**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 9 - INVESTMETNS FROM EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			
1. In Government Securities			
2. Other approved Securitites			
3. Shares			
4. Debentures and Bonds			
5. Subsidiaries and Joint Ventures			
6. VCF of IDBI (Assets)			
Investment			
(I) Loan	117,463,061		130,964,914
(ii) Equity	10,725,000		10,825,000
		128,188,061	
Receivables			
(I) Interest	289,165,333		307,982,094
(ii) Others	1,117,162,040		1,084,103,209
		1,406,327,373	
Cash with IDBI	23,700,107		12,350,382
		23,700,107	
Total		**1,558,215,541**	**1,546,225,599**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

		वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 10– निवेश–अन्य				
1. सरकारी प्रतिभूति में				
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूति				
3. शेयर– इक्विटी भागीदारी		259,218,000	259,218,000	259,218,000
4. डिबेन्चर्स एवं बॉंड्स				
5. सब्सिडियरीज एवं संयुक्त उद्यम				
6. वेन्चर फंड				
क) आईटीवीयूएस यूटीआई	2,500,000			
घटा: पूर्व अदायगी	0	2,500,000		2,500,000
ख) एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम)	527,260,615			
घटा: पूर्व अदायगी	0	527,260,615		527,260,615
ग) एपीआईडीसी वेन्चर फंड		300,000,000		228,021,471
घ) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड		50,000,000		50,000,000
ङ) जीवीएफएल		75,000,000		15,000,000
च) आरवीसीएफ		49,500,000	1,004,260,615	
कुल			1,263,478,615	1,082,000,086

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2009

Amount in rupees

			Current Year		Previous Year
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS					
1.	In Government Securities		-	-	-
2.	Other approved Securitites		-	-	-
3.	Shares-Equity participation		259,218,000	259,218,000	259,218,000
4.	Debentures and Bonds		-	-	-
5.	Subsidiaries and Joint Ventures				
6.	Venture Funds				
	a) ITVUS UTI	2,500,000			
	Less: Redemption	0	2,500,000		2,500,000
	b) Ascent India Fund (UTI VFM)	527,260,615			
	Less : Redemption	0	527,260,615		527,260,615
	c) APIDC Venture Funds		300,000,000		228,021,471
	d) Venture East TeNet Fund		50,000,000		50,000,000
	e) GVFL		75,000,000		15,000,000
	f) RVCF		49,500,000	1,004,260,615	

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11– चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम इत्यादि			
क. चालू परिसंपत्ति			
1. सामान सूची			
क) स्टोर्स एंड स्पेयर्स			
ख) लूज टूल			
ग) स्टॉक इन ट्रेड			
1) समाप्त माल			
2) चल रहा कार्य			
3) कच्ची सामग्री			
2. विविध देनदार			
क) छः महीनों से अधिक अवधि की लंबित			
ख) अन्य			
3. हाथ में नकद शेष (चैक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	35,799	35,799	23,613
4. बैंक शेष			
क) अनुसूची बैंक सहित			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	958,700,000		1,063,988,492
– बचत खातों पर	28,229,678		105,212,745
– फ्लैक्सी खातों पर	5,938,583	992,868,261	34,178,153
ख) गैर अनुसूचित बैंक :			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर			
– बचत खातों पर			
5. डाक घर– बचत खाता			
कुल (क)		992,904,060	1,203,403,003

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.			
A. CURRENT ASSETS:			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material			
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			
3. ash balance in hand (including cheques/ drafts and imprest)	35,799	35,799	23,613
4. Bank Balances:			
a) With Schedules Banks:			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts (includes margin money)	958,700,000		1,063,988,492
- On Savings Accounts	28,229,678		105,212,745
- On Flexi Account	5,938,583	992,868,261	34,178,153
b) With non- Scheduled Banks:			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts			
- On Savings Accounts			
5. Post Office- Savings Accounts			
TOTAL (A)		992,904,060	1,203,403,003

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11– चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि (जारी)			
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां			
1. ऋण:			
क) स्टॉफ			
ख) अन्य सत्ताएं जो उनसे मिलती जुलती सत्ताओं की गतिविधियों/उद्देश्यों में सम्मिलित			
ग) ऋण: चुरू हुए औद्योगिक ईकाइ को सहायता	3,098,062,974		2,978,228,423
जमा: वर्ष के दौरान	534,500,000		495,500,000
घटा: ऋण की अदायगी	292,575,649		375,302,194
घटा: ऋण माफी	363,255		3,339,987,325
2. नकद, अग्रिम एवं अन्य राशि की अथवा वस्तु अथवा उसक कीमत में वसूली			
क) स्टॉफ सदस्यों को अग्रिम	87,719		
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	15,918,266		15,918,266
ग) अन्य– प्रतिभूति जमा	1,439,270		1,490,270
घ) अन्य	5,694		17,450,971
3. प्राप्त आय			
क) निर्धारित/इनडोवमेंट फंड से निवेष पर			
ख) निवेष– अन्य पर	45,454,909		12,537,635
ग) ऋण और अग्रिम पर	958,300,973		800,445,240
घटा: ऋण माफी			5,801,390
घटा: इक्विटी में परिवर्तित			
(गैर वसूली देय से आय सहित .....रुपए)		1,003,755,882	
4. वसूलीयोग्य दावा			
कुल (ख)		4,361,194,178	3,922,653,017
कुल (क+ख)		5,354,098,238	5,126,056,020

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)			
B. LOANS,ADVANCES AND OTHER ASSETS:			
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/objectives similar to that of the entitiy	-	-	-
c) Loan : Assistance to industrial concerns Opening	3,098,062,974		2,978,228,423
Add: During the year	534,500,000		495,500,000
Less: Repayment of loan	292,575,649		(375,302,194)
Less: Written Off	-		(363,255)
		3,339,987,325	
2. Advnances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received			
a) Advance to staff members	87,719		
b) Recov.from Other Govt.deptts	15,918,288		15,918,288
c) Others - Security Deposit	1,439,270		1,490,270
d) Others	5,694	17,450,971	
3. Income Accrued:			
a) On Investments from Earmarked/Endow.Funds			
b) On Investments - Others	45,454,909		12,537,635
c) On Loans and Advances	958,300,973		800,445,240
Less: written off	-	(5,801,390)	
Less: Converted into equity			
(includes income due unrealised - Rs. .....)		1,003,755,882	
4. Claims Receivable			
TOTAL (B)		**4,361,194,178**	**3,922,653,017**
TOTAL (A +B)		**5,354,098,238**	**5,126,056,020**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 12– बिक्री/सेवाओं से आय			
1. बिक्री से आय			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री			
2. सेवाओं से आय			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायिक /परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/संपत्ति)			
ङ) अन्य (विशिष्ट)			
कुल			

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 13– अनुदान/ सब्सिडी (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)			
1) केन्द्र सरकार	–		45,795,786
2) राज्य सरकार (रों)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान/ कल्याण बोर्ड			
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (विशिष्ट)			
कुल			45,795,786

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES			
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods	-	-	-
b) Sale of Raw Material	-	-	-
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges	-	-	-
b) Professional/Consultancy Services	-	-	-
c) Agency Commission and Brokerage	-	-	-
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-	-
e) Others (Specify)			
TOTAL	-	-	-

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 13 - GRANTS/SUBSIDIES (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
1) Central Government		-	45,795,786
2) State Government(s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions/Welfare Bodies			
5) International Organisation			
6) Others (Specify)			
TOTAL		-	**45,795,786**

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 14– शुल्क / अंशदान			
1) प्रवेश शुल्क			
2) वार्षिक शुल्क / अंशदान			
3) सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क			
4) परामर्शी शुल्क			
5) दान			
कुल			

टिप्पणी: प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेष

	निर्धारित फंड से निवेश		निवेश–अन्य
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 15– निवेश से आय (फंड में हस्तांतरित किया गया निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)			
1. ब्याज			
क) सरकारी प्रतिभूति पर			
ख) अन्य बॉडस / डिबेन्चर			
2. लाभांश			
क) शेयर पर			
ख) म्यूचल फंड प्रतिभूति पर			
3. किराए			
4. अन्य (विशिष्ट)			
कुल			
निर्धारित / इनडोवमेंट फंड को स्थानांतरित			

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTINS			
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions	-	-	-
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees	-	-	-
5) Donations -	-	-	
TOTAL	-	-	-

Note - Accounting Policies towards each item are to be disclosed

	Investment from Earmarked Fund		Investment Others
	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS (Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)			
1) Interest			
a) On Govt. Securitites			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents			
4) Other (Specify)			
TOTAL			
TRANSFERRED TO EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 16– रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
1) रॉयल्टी से आय		10,038,375	18,316,303
2) प्रकाषन से आय			
3) अन्य (विशिष्ट)			
कुल		**10,038,375**	**18,316,303**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 17– अर्जित ब्याज			
1) आवधिक जमा पर :			
क) अनुसूची बैंकों के साथ	93,900,492		87,237,555
ख) गैर अनुसूची बैंक के साथ			
ग) संस्थाओं के साथ			
घ) अन्य		93,900,492	
2) बचत खातों पर :			
क) अनुसूची बैंकों के साथ	5,001,067		1,538,567
ख) गैर अनुसूची बैंक के साथ,			
ग) डाक घर बचत खाता			
घ) अन्य		5,001,067	
3) ऋण पर:			
क) कर्मचारी / स्टॉफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता	229,513,460		157,101,673
4) रॉयल्टी पर ब्याज	41,012		1,118,944
5) अनुदान पर ब्याज			503,570
कुल		**328,456,031**	**247,500,309**

टिप्पणी: स्रोत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.			
1) Income from Royalty		10,038,375	18,316,303
2) Income from Publications			
3) Others (Specify)			
TOTAL		**10,038,375**	**18,316,303**

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 17- INTEREST EARNED			
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks	93,900,492		87,237,555
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) With Institutions	-		-
d) Others	-	93,900,492	-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	5,001,067		1,538,567
b) With Non- Scheduled Banks			
c) Post Office Savings Accounts			
d) Others	-	5,001,067	
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		229,513,460	157,101,673
4) Interest on royalty		41,012	1,118,944
5) Interest on grant		-	503,570
TOTAL		**328,456,031**	**247,500,309**

Note - Tax Deducted at source to be indicated

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 18– अन्य आय			
1. संपत्तियों की बिक्री / निपटान से लाभ			
क) प्राप्त संपत्ति– यूटीआई की यूनिटें			119,845,811
ख) अनुदान से प्राप्त संपत्ति, अथवा निःशुल्क प्राप्त			
2. यूटीआई–आईटीवीयूएस से लाभांश		227,434,111	
3. विविध सेवाओं का शुल्क			
4. विविध आय	81,952		23,413
5. दान	50,000	131,952	1,001
कुल		**227,566,063**	**119,870,225**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 19– तैयार माल और चल रहे कार्य की वृद्धि / घटाव			
क) बंद स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
ख) घटाः ओपनिंग स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
निवल वृद्धि / (घटाव) (क–ख)			

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME			
1) Profit on Sale/disposal of Assets:			
a) Owned assets - UTI	-	-	119,845,811
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost			
2) Dividend from UTI - ITVUS		227,434,111	
3) Fees for Miscellaneous Services			
4) Miscellaneous Income	81,952		23,413
5) Donations	50,000	131,952	1,001
TOTAL		**227,566,063**	**119,870,225**

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS &WORK IN PROGRESS			
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work-in-progress			
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work-in-progress			
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 20–स्थापना व्यय			
क) वेतन और मजदूरी	9,922,722		6,480,246
ख) भत्ते और बोनस	41,267		37,747
ग) भविश्य निधि में अंषदान	748,736		455,360
घ) अन्य फंड में अंषदान			
ड) कर्मचारी कल्याण खर्च			
च) कर्मचारियों के सेवानिवर्त्ति और टर्मिनल लाभों पर व्यय	646,530		424,431
छ) चिकित्सा प्रभारों की प्रतिपूर्ति	607,230		386,554
कुल		**12,158,085**	**7,961,672**

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 21–अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि		
क) राष्ट्रीय पुरस्कार	1,400,000	400,000
ख) विधि प्रभार	1,509,884	1,179,921
ग) संपत्ति प्रबंधन शुल्क	14,091,341	17,743,858
घ) बिजली और पावर		
ड) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) टूट फूट और रख–रखाव	626,778	1,047,488
ज) डाक एवं टिकट	12,767	169,945
झ) किराया, दर और कर		
ट) वाहन और रखरखाव	161,832	145,163
ठ) टेलीफोन और संचार प्रभार	589,517	665,258

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPRENSES			
a) Salaries and Wages	9,922,722		6,480,246
b) Allowances and Bonus	41,267		37,747
c) Contribution to Provident Fund	748,736		455,360
d) Contribution to Other Fund			
e) Staff Welfare Expenses	191,600		177,334
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	646,530		424,431
g) Reimbursement of medical charges	607,230		386,554
TOTAL		**12,158,085**	**7,961,672**

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.		
a) National Award	1,400,000	400,000
b) Legal charges	1,509,884	1,179,921
c) Assets Management Fees	14,091,341	17,743,858
d) Electricity and power	-	-
e) Water charges	-	-
f) Insurance	-	-
g) Repairs and maintenance	626,778	1,047,488
h) Postage & stamps	12,767	169,945
i) Rent, Rates and Taxes		
j) Vehicles Running and Maintenance	161,832	145,163
k) Telephone and Communication Charges	589,517	665,258

			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ड) प्रिंटिंग,स्टेषनरी एवं उपभोज्य			2,714,754	1,626,263
ढ) यात्रा और वाहन भत्ता	क) घरेलू	5,978,890		
	ख) विदेशी	981,701		
	ग) विषेशज्ञ	859,482	7,820,073	5,677,723
ण) सेमिनार / कार्यषालाओं पर व्यय				
त) पुस्तकालय की किताबें एवं आवधिक			600	2,601
थ) बोर्ड सदस्यों का टीए / डी ए			252,625	258,769
द) लेखा परीक्षा शुल्क			40,000	40,000
ध) आवभगत व्यय			208,032	159,154
न) व्यवसायिक प्रभार			558,900	758,700
प) क) ब्याज की माफी				
ख) ऋण की माफी				6,164,645
फ) राषि की माफी			1,749,677	
ब) घटाः वसूली				415,551
म) विविध व्यय			849,357	491,555
म) अखबार एवं पत्रिका			22,087	25,526
य) विज्ञापन एवं प्रचार			13,345,430	7ए368,930
ल) घटाः अन्य सरकारी विभागों से वसूली योग्य				
व) बोर्ड के खर्चे			9,840	73,260
कुल			**45,963,694**	**44,414,310**

			Current Year	Previous Year
l) Printing , Stationary & Consumables			2,714,754	1,626,263
m) Travelling and Conveyance Expenses	a) Domestic	5,978,890		
	b) Abroad	981,701		
	c) Experts	859,482	7,820,073	5,677,723
n) Expenses on Seminar/ Workshops				
o) Library books & periodical			600	2,601
p) TA/DA to Board members			252,825	258,769
q) Auditors Remuneration			40,000	40,000
r) Hospitality Expenses			208,032	159,154
s) Professional Charges			558,900	758,700
t) a) Interest written off			-	-
b) Loan written off			-	6,164,645
u) Amount Written-off			1,749,677	-
Less: Recovery			-	415,551
w) Misc. Expenses			849,357	491,555
x) Newspaper & Magazine			22,087	25,526
y) Advertisement and Publicity			13,345,430	7,368,930
Less: Recoverable from other govt. deptts.			-	-
z) Board Expenses			9,840	73,260
TOTAL			**45,963,694**	**44,414,310**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2009 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 22– अनुदान पर व्यय		
क) संस्थाओं / संगठनों को दिया गया दान		
1) इन्क्यूबेटर्स		
2) अन्य एजेंसियां	100,000,000	29,000,000
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी		
कुल	100,000,000	29,000,000

टिप्पणी: सत्ताओं का नाम, अनुदान की राशि सहित उनकी गतिविधियाँ को बताया जाना है।

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 23–ब्याज		
क) अचल ऋण		
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (विशिष्ट)		
कुल		

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2009

Amount in rupees

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 22- Expenditure on Grants		
a) Grants given to Institutions/ Organisations		
(i) Incubators		
(ii) Other agencies	100,000,000	29,000,000
b) Subsidies given to Institutions / Organisations		
TOTAL	**100,000,000**	**29,000,000**

Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/ Subsidies are to be disclosed

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 23 - INTEREST		
a) On Fixed Loans	-	-
b) On Other Loans (including Bank Charges)	-	-
c) Others (Specify)	-	-
TOTAL	**-**	**-**

अनुसूची–24

प्रौद्योगिक विकास बोर्ड

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां और लेखाओं पर टिप्पणी – 2008–09

क) लेखा संबंधी नीतियां

1. पावतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षो के अंतर्गत नकद लेन–देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकार्ड रखा जाता है।

2. आय एंव व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकार्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसरार पूरी कर ली गई हो।

3. जारी किए गए अनुदानों को किए गए संवितरणों के आधार पर दर्शाया गया है।
4. अवमूल्यन को डिमिनिशिंग (ह्रासमान) बैलेंस प्रणाली पर वित्तीय वर्ष के आरीा के समय निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) के आरंभिक जमा (ओपनिंग बैलेंस) पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। केवल कार्यालय परिसर में, यहाँ पर टूट–फूट को 25 प्रतिशत लागत मूल्य पर प्रदान किया गया है, के आंतरिक कार्य को छोड़कार वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त/बेची गई/स्थानांतरिक/अलग की गई निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ट एसेट्स) पर कोई अवमूल्यन उपलब्ध नहीं किया जाता है। निर्धारित परिसंपत्तियों को अधिप्रापण की लागत पर लिया जाता है।

5. रायल्टी संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस शीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते है।

6. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी

Schedule – 24

Technology Development Board

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2008-09

A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan instalment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Grants released have been shown on the basis of disbursements made.

4. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method. except the interior work undertaken in the office premises wherein the deprecation has been provided at the rate of 25% on the cost prize. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition

5. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

6. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology

विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतू कोई राशि बकाया नहीं है।

7. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, रायल्टी, अनुदानों और किसी अन्या स्त्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस शीट) तैयार किया गया है।

8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है अल्पावधि जमा पर ब्याज को आवतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9. कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए है।

10. स्टॉक का सत्यापन (बेरिफिकेशन) वार्षिक आधार पर किया जाता है।

11. आंकड़ों को निकटतम रूपए में पूर्वांकित (राउंडेड आफ) किया जाता है।

Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

7. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. The investments in companies are stated at cost price.

10. Stock verification is done on annual basis.

11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

अनुसूची–25

लेखों पर टिप्पणी

1. टी डी बी ने शून्य (पिछले वर्ष 19.00 करोड़ रूपए) अनुदान के रूप में प्राप्त किए। (पिछले वर्ष 4.58 करोड़ रू. का स्थापना व्यय की कटौती के बाद 14.420 करोड़ रू. का निवल अनुदान)। 5.64 करोड़ रू. के व्यय को आय और व्यय लेखे में लिया गया।

2. 31 मार्च, 2009 की स्थिति के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा 8200.69 लाख रूपए का दिय गया ऋण बकाया है। (ऋण परिशोधन देय हो चुका है परंतु अभी राशि प्राप्त नहीं हुई हैं)। इसके अलावा 2016.67 लाख रूपए (1431.68 लाख रूपए) का साधारण ब्याज, ऋण पर ब्याज 3299.69 लाख रूपए (3034.02 लाख रूपए) का अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में 654.13 लाख रूपए (511.96 लाख रूपए) भी देय थे। इस प्रकार लाभ प्राप्तकर्ताओं के पास 14762.42 लाख (11985.11 लाख रूपए) की देनदारी थी किन्तु वह 31 मार्च 2009 की स्थिति के अनुसार प्राप्त नहीं हुई है। कंपनियों के साथ हिसाब–किताब तय हो ताने के कारण शून्य रूपए (61.65 लाख रूपए) की राशि को माफ किया गया है। उपरोक्त के अतिरिक्त रू. शून्य रॉयल्टी के लिए और उस पर ब्याज की राशि को भी माफ किया गया।

3 (i) टी डी बी ने जुलाई 2000 में यू टी आई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बंगलौर द्वारा संचालित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम इकाई योजना में 25 करोड़ रूपए तक के अंशदान पर सहमति व्यक्त की थी। टी डी बी की इस प्रकार भागीदारी से प्रौद्योगिकी विकास एवं वाणिज्यिकरण के उद्देश्य को बढ़ावा मिलेगा और अन्य संगठनों को प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमी के संवर्धन के लिए अपनी निधियों का निवेश करने हेतु प्रोत्साहन मिलेगा। इस योजना का टी डी बी, एक्सिम बैंग एल आई सी, यू टी आई तथा प्रोत्साहन मिलेगा। इस योजना का टी डी बी, एक्सिम बैंग, एल आई सी, यू टी आई तथा कुछेक अग्रणी बैंकों जो सार्वजानिक क्षेत्र के उपक्रम हैं से 15 करोड़ रूपए की कुल वचनबद्धता प्राप्त हुई है जिसके फलस्वरूप यू टी आई वी एफ द्वारा लगभग 20 पोर्टफोलियों कंपनियों से निवेश कराया गया । टी डी बी की भागीदारी 31 मार्च 2009 तक 25.00 करोड़ रूपए की सीमा थी और लागत में इसका उल्लेख किया गया है। स्टॉक एक्सचेंज में यह सूचीबद्ध नहीं है, टी डी बी ने 31.03.2009 तक यू टी आई वी एफ से 24.75 करोड़ रूपए (वर्ष 2004–05 में 3.69 करोड़ रूपए, वर्ष 2005–06 में 11. 31 करोड़ रूपए और वर्ष 2007–08 में 9.75 करोड़ रूपए) और 22.74 करोड़ रूपए प्राप्त किए जो पूंजी निधि का 99 प्रतिशत वितरण है। 31 मार्च, 2009 तक अंतशेष 0.25 करोड़ था जिसे लागत में बताया गया था निधि का लेखा परीक्षण एन ए वी 31 मार्च 2009 को 100/– रूपए की प्रति इकाई पर 2360.18 रूपए था।

Schedule – 25

Notes on Accounts

1. TDB received Rs. nil (Rs. 19.00 crores in previous year) as grant. (The net grant of Rs. 14.420 crores has taken after deducting establishment expenses of Rs. 4.58 crores of previous year). The expenses of Rs.5.64 crores has been taken into income and expenditure account.

2. As on 31st March 2009, the Technology Development Board has an outstanding loan (repayment due but not received) amounting to Rs. 8200.69 lakhs (7007.43 lakhs). In addition, simple interest of Rs. 2016.67 lakhs (Rs. 1431.68 lakhs), additional interest on loan amounting to Rs. 3299.69 lakhs (Rs. 3034.02 lakhs) and Rs. 654.13 lakhs (Rs. 511.96 lakhs) as additional interest on simple interest, were also due. Thus, sums of Rs. 14762.42 lakhs (Rs. 11985.11 lakhs) was due from the beneficiaries but have not been received as on 31st March 2009. An amount of Rs. nil (Rs. 61.65 lakhs) has been waived off on account of settlement with companies towards principal and interest. In addition to above an amount of Rs. nil (Rs. 28 lakhs) towards royalty and interest thereon has also been waived off.

3. (i) TDB had agreed in July 2000 to participate up to Rs. 25 crores in the India Technology Venture Unit Scheme administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore. TDB's participation would further the objective of technology development and commercialization and would leverage others to commit their funds for promoting technology based ventures. The Scheme has received a total commitment of Rs. 115 crores from TDB, EXIM Bank, LIC, UTI, and a few leading PSU banks, thereby enabling investment in around 20 portfolio companies by UTIVF. The participation by TDB has been to the extent of Rs. 25.00 crores till 31st March 2009. This is not listed in the Stock Exchange; TDB has received Rs.24.75 crores till 31.03.09 (Rs. 3.69 crores in 2004-05, 11.31 crores in 2005-06 and Rs. 9.75 crores in 2007-08) from UTIVF being the distribution of 99 percent of the fund's capital. The outstanding is Rs. 0.25 crores as on 31st March 2009 and is stated as cost. UTIVF has distributed the dividend amounting to Rs. 22.74 crores during the current year. The audited NAV of the fund was Rs. 2360.18 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2009.

3 (ii) टी डी बी द्वारा मार्च, 2005 में यू टी आई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी प्राईवेट लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बंगलौर द्वारा संचालित एसेंट इंडिया फंड में 75 करोड़ रूपए तक की हिस्सेदारी पर सहमति व्यक्त की गई। टी डी बी की भागीदारी के परिणामस्वरूप ज्ञान आधारित ज्ञान उद्यागों में पोर्टफोलियो कंपनियों की पर्याप्त संख्या द्वारा सार्थक निवेश किया जाएगा। इसके अलावा टी डी बी को उद्यमियों तक पहुंचने, नई प्रौद्योगिकियों, तेजी से विकास कर रही कंपनियों और यू टी आई उद्यम निधियों से संपर्क का अवसर उपलब्ध होगा। एसेंट इंडिया फंड द्वारा आरंभिक स्तर के प्रौद्योगिकी अभिमुखी उद्यमों को इक्विटी उपलब्ध कराई जाएगी। लिवरेज टी डी बी के प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी संबंधी क्षेत्रों में वित्तपोषण का कम से कम तीन गुना है क्योंकि इसकी निधि 300 करोड रूपए की है। टी डी बी द्वारा 31 मार्च, 2009 तक एसेंट इंडिया फंड को 57.51 करोड़ रूपए जारी किया गया है और लागत में इसका उल्लेख किया गया है। उपरोक्त निवेश में से वर्ष के दौरान एंसेट इंडिया फंड को 227.77 रू. की दर से 4.758 लाख रू. प्रति यूनिट से चुकाया गया था। स्टॉक एक्सचेंज में इस सूचीबद्ध नहीं किया गया है। स्टॉक एक्सचेंज में इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है। निधि का लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2009 को 100/– रूपए की प्रति इकाई पर 86.53 रूपए था। 31 मार्च, 2009 को 52. 72 करोड़ रूपए शेष है।

4 (i) टीडीबी ने वेंचर ईस्ट टीनट फंड–I चेन्नई के साथ अगस्त, 2009 में एक सह–निवेश करार हस्ताक्षर किया। इसके कारण टीडीबी, सूचना एवं प्रौद्योगिक एवं दूरसंचार क्षेत्र में उनके द्वारा पहचान की गई कंपनियों में इक्विटी में सह–निवेश करने में सक्षम हो सकेगी। वेंचर ईस्ट टीनेट फंड–I यू.एस.ए.की एक अग्रणी आई.टी.कंपनी एग्रोनेट कैपिटल, कुछ अग्रणी वित्ती संस्थानों और मूल्य संवर्धित विदेशी निवेशको द्वारा हस्ताक्षर की गई। यह फंड वेंचर ईस्ट फंड एडवाईजर प्राइवेट लि0 चेन्नई द्वारा संचालित की जा रही है। टीडीबी ने तीन वर्षों से भी अधिक समय में 15 करोड़ रू0 की प्रतिबद्धता की है। फंड का आकार 60 करोड़ रू0 होगा। टीडीबी ने 31.03.2009 तक 5 करोड़ रू0 रिलीज किए हैं।

4 (ii) टी डी बी ने अगस्त, 2004 में ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल लि., हैदराबाद के साथ एक सह–निवेश करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे टी डी बी को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पहचान की गई कंपनियों में इक्विटी का सह–निवेश करना सुगमीकृत होगा। यद्यपि टी डी बी द्वारा पहले की तरह ही किसी भी क्षेत्र में परियोजनाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना जारी रहेगा, ए पी आई डी सी वी सी एल के साथ व्यवस्था द्वारा टी डी बी कहीं भी उपलब्ध नितियों की सुगम्यता में समर्थ हो सकेगा। जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि की एल आई सी, साधारण बीमा और कुछ व्यवसायिक बैंकों द्वारा खरीदा गया है। निधि का संचालन ए पी आई डी सी वी सी एल, हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है। टी डी बी द्वारा चार वर्षों की अवधि के लिए 30 करोड़ रूपए तक की आकार

(ii) TDB has agreed in March 2005 to participate up to Rs. 75 crores in the Ascent India Fund administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore. TDB's participation would result in meaningful investments in adequate number of portfolio companies in the Knowledge industries besides giving TDB an opportunity to access to entrepreneurs, new technologies, fast growing companies and the networks of UTI Venture Funds. Ascent India Fund would provide equity to early stage technology oriented ventures. The leverage is at least 3 times the TDB's funding in technology and technology related sectors as the size of the fund would be Rs. 300 crores. TDB has released Rs. 57.51 crores to Ascent India Fund till 31st March 2009 and is stated at cost. Out of the above investment, the Ascent India Fund has redeemed 4.788 lakhs units @ 227.77 during the year. Further, TDB has sold the investments rights for remaining commitments of Rs. 1749 lakhs @ Rs. 33.55 for Rs. 5.87crores. The audited NAV of the fund was Rs. 86.53 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2009. The outstanding is Rs. 52.75 crores as on 31.3.09

4. (i) TDB signed a co- investment agreement with Venture East Tenet Fund II, Chennai in August, 2006.This would enable TDB to co-invest in equity in the companies identified by them in information Technology & Telecom sector. Venture East Tenet Fund II, has been subscribed by Agronaut Capital of the USA, a leading IT and Telecom investor, some leading financial institutions and value added overseas investors. The fund is being operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai. TDB has committed up to Rs. 15 crores over a period of three years. The size of the fund would be Rs. 60 crores. TDB has released Rs. 5 crores up to 31.3.09.

(ii) TDB signed a co- investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad in August, 2004.This would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in biotechnology sector. While TDB will continue to provide directly financial assistance to projects in any sector as before, the arrangement with APIDC VCL will enable TDB to access the funds available elsewhere. The Biotechnology Venture Fund has been subscribed by LIC, general insurance and some commercial banks. The fund is being operated by APIDC VCL, Hyderabad. TDB has committed up to Rs. 30 crores over a period of four years. The size of the fund would be Rs. 60 crores. TDB has released Rs. 30.00 crores up to 31.3.09

60 करोड़ रूपए होगा। टी डी बी द्वारा 31.03.2009 तक 30 करोड़ रूपए जारी किए गए है।

5. मैसर्स गुजरात वेंचर फाईनेस लि. (जी वी एफ एल), अहमदाबाद ने इस आशय का एस एम ई प्रौद्योगिकी वेंचर फंड में भागीदारी करने के लिए टी डी बी को एक प्रस्ताव दिया। वेंचर कैपिटल फंड का उद्देश्य स्टार अप और प्राथमिक तेत आधरित कंपनियों जैसे आई टी/आई टी ई एस, जैव प्रौद्योगिकी, जैव ईधन, फार्मा इत्यादि में निवेश करना है। टी डी बी के बोर्ड ने फंड में टी डी बी का 15 करोड़ रूपए का अंशदान स्वीकृत किया गया है। टी डी बी ने 27 मार्च, 2008 को अंशदान करार पर हस्ताक्षर किए और 30 मार्च, 2008 को 1.50 करोड़ रूपए की पहली खेप जारी की और वर्तमान वर्ष के दौरान 6.00 करोड़ रूपए जारी किए इस प्रकार 31 मार्च, 2009 तक कुल मिलाकर 7.50 करोड़ रूपए जारी किए।

6. मैसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आर वी सी एफ), जयपुर ने 6 जून, 2008 को, राजस्थान ट्रस्टी कंपनी प्राईवेट लि. के साथ, 15 करोड़ रूपए के अंशदान के लिए "एस एम ई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड" में अंशदान के लिए एक करार हस्ताक्षर किया है। टी डी बी ने वर्तमान वर्ष के दौरान अंशदान की पहले खेप में 4.95 करोड़ रूपए जारी किए। 31 मार्च, 2009 को फंड की अपरिक्षित लेखा शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य (एन ए वी) 100 रूपए का 99.52 प्रति इकाई था।

7. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबधित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) लेन–देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई डी बी आई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास के अधिनियम, 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 के अनुसार बोर्ड को हस्तांतरिक करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के साथ निहित आई डी बी आई की उद्यम पूंजी निधि का तुलन–पत्र (बैलेंस सीट) इस वर्ष के तुलन–पत्र में शमिल किया गया है। तुलन–पत्र में आई डी बी आई के वी सी एफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।

8 (i) टी डी बी द्वारा 1000 रूपए प्रत्येक शेयर की दर से 59000 इक्विटी शेयर खरीदे गए थे जो मैसर्स ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी बैट्री लिमिटेड के 590 लाख रूपए के बराबर था। कंपनी के शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज से सूचीबद्ध नहीं किया है। निवेशों को लागत में दर्शाया गया है।

(ii) मैसर्स निक्को कॉरपोरेशन लि. को 18.46 करोड़ रूपए की टी डी बी ऋण की राशि को 100 रूपए शेयर के बराबर 18,46,000 कम्यूलेटिव रिडिमेवल प्रीफरेंस शेयरों में परिवर्तित करने की अनुमति दी गई। कम्यूलिटिव रिडिमेवल प्रीफरेंस शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं किया गया है। निवेशों को लागत में दर्शाया गया है इन शेयरों पर डीवीडेंड नहीं कराया गया है।

(iii) मैसर्स रीवा इलैक्ट्रिक कं. लि. के साथ एक निपटान डीड की गई। निपटान डीड के

5. M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad has submitted a proposal seeking participation of TDB in the SME Technology Venture Fund, a venture capital fund targeted at investing in star-up and early stage technology based companies like IT/ITES, biotechnology, bio-fuels, Pharma etc. The Board of TDB sanctioned Rs. 15 crores as TDB's contribution to the fund. TDB signed the contribution agreement on 27th March 2008 and first tranche of Rs. 1.50 crores was released on 30th March 2008 and Rs 6.00 crores were released during the current year aggregating to Rs. 7.50 crores up to 31st March 2009.

6. M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur has signed a Contribution Agreement dated 6th June 2008 with Rajasthan Trustee Company Private Limited to contribute in the "SME Technology Venture Fund" for making a contribution of Rs. 15 crore. TDB has released Rs. 4.95 crores during the current year towards first tranche of the contribution. The unaudited NAV of fund was Rs. 99.52 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2009.

7. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2009 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDB.

8. (i) TDB had subscribe in 59000 equity shares of Rs. 1000/- each at par amounting to Rs. 5.90 crores of M/s Twenty First Century Battery Limited. The shares of the company are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost.

(ii) M/s Nicco Corporation Limited was allowed conversion of TDB's loan amounting to Rs. 18.46 crores into 18, 46,000 Cumulative Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each at par. The Cumulative Redeemable Preference Shares are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost. The dividend on these shares has not been provided.

(iii) A deed of settlement has been entered into with M/s Reva Electric Car Co. Ltd. As per deed of settlement, the interest accrued on Loan up to 28.2.06 amounting to Rs. 1.3268 crores and 50% of royalty due amounting to Rs. 0.235 crores have been converted into 1,07,797 equity shares of Rs.

अनुसार 28.02.06 तक के ऋण पर 1.3268 करोड़ रूपए का ब्याज इकट्ठा हुइा और 0. 235 करोड़ रूपए की 50 प्रतिशत रॉयल्टी देय हुई जिसे 1,07,797 इक्विटी शेयर में 144. 88 रूपए प्रति (100 रू. प्रति) के मूल्य में परिवर्तित किया गया। कंपनी ने शेष देयों के भुगतान के लिए आगामी तरीखों के चेक प्रस्तुत किए। इक्विटी शेयर को स्टॉक एक्सचेंज में शमिल नहीं किया गया। निवेश को लागत पर किया गया।

9. 26,873 रूपए की राशि को फर्नीचर के संबंध में घटाया गया और 17,22,804 रूपए की राशि को कार्यालय उपकरण/उपस्कर और मशीनरी के संबंध के घटाया गया । इस प्रकार कुल राशि 17,49,677 रूपए हुई ।

(उमेश कुमार)	(दिनेश शर्मा)	(डॉ.टी.रामासामी)
निदेशक	सचिव	अध्यक्ष
प्रौद्यागिकी विकास बोर्ड	प्रौद्यागिकी विकास बोर्ड	प्रौद्यागिकी विकास बोर्ड

144.88 each (par value Rs. 100 each). The company has submitted the Post Dated Cheques for the payment of balance dues. The equity shares are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost.

9. An amount of Rs.26, 873 is written off against furniture & Rs. 17, 22,804 is written off against the office equipment/ apparatus and machinery aggregating to Rs. 17, 49,677.

(UMESH KUMAR)	(DINESH SHARMA)	(DR. T. RAMASAMI)
DIRECTOR	SECRETARY	CHAIRPERSON
Technology Development Board	Technology Development Board	Technology Development Board

टी.डी.बी., नई दिल्ली के 31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के लेखे पर भारत के महालेखा नियंत्रण की पृथक आडिट रिपोर्ट

1. हमाने भारत के महालेखा नियंत्रण सेवा अधिकार और सेवा शर्तें अधिनियम 1971 के धारा 19 (2) के साथ पठित प्रोद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 (1995 की सं 44) के तहत टीडीबी (बोर्ड) नई दिल्ली की 13 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के संग्लन तुलन पत्र का उस तारीख को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियों एवं भुगतान लेखे का आडिट किया। यह वित्तीय विवरण बोर्ड प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व ऑडिट पर आधारित अपने विचार प्रकट करना है।

2. इस पृथक ऑडिट रिपोर्ट में भारत के महालेखा नियंत्रक (सी एंड एजी) की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणी शामिल है। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालन सहित ऑडिट टिप्पणियाँ, नियम एंव विनियम (प्रोपराइटी और रेग्यूलेटरी) और दक्षता–सह निष्पादन पहलू इत्यादि यदि कोई है तो इसे निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट किया गया।

3. हमने यह ऑडिट, भारत में सामान्यता अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम ऑडिट को इस तरह योजनागत और निष्पादन करें कि इस बात का उचित आशवासन प्राप्त किया जा सके कि वित्तीय विवरण सामग्री, गलत विवरणों से मुक्त हो। ऑडिट में जांच के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। ऑडिट में, प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा ऑडिट विचारों को एक औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Technology Development Board, New Delhi for the year ended 31st March 2009,

1. We have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board, (Board) New Delhi as at 31 Mu 'jh 2009 and the Income & Expenditure Account/Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act 1995 (No.44 of 1995) These financial statements are the responsibility of the Board's management Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (C&AG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law. Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3, We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4 (i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में ऑडिट के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।

(ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखा/प्राप्तियाँ एक भुगतान लेखे को टी डी बी अधिनियम 1995 की धारा 13 एम के तहत बोर्ड के सदस्यों द्वारा स्वीकृत प्रोफार्मा में दिया गया है।

(iii) हमारे विचार से प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धारा 13 (1) में अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संबंधित रिकार्डों को अनुरक्षित किया गया है जैसा कि यह हमारे ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।

(iv) हमने यह भी रिर्पोट किया कि:

क) तुलन–पत्र

दायित्व

दायित्वों की न्यूनोक्ति–मौजूदा दायित्व

वर्ष 2008–09 के वित्त वर्ष के लिए आई डी बी आई को परिसंपत्ति प्रबंधक शुल्क के रूप में 69.60 लाख रूपए की राशि 23.05.2009 को दी गई लेकिन इस टी डी बी के लेखे की अनुसूची–7 के "मौजूदा दायित्व और प्रावधानों" के तहत शामिल नहीं किया गया जिसके परिणामस्वरूप 69.60 लाख रू. की मौजूदा दायित्व की न्यूनोक्ति हुई।

ख) लेखों पर टिप्पणी–अनुसूची–25

इससे यह प्रकट नहीं होता:

क) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई डी बी आई) द्वारा 21.65 करोड़ रूपए राशि के रूपए में मूलधन ब्याज और एफ आई एल डी की वसूली को टी डी बी की ओर से माफ किया गया।

ख) टी डी बी की ओर से आई डी बी आई द्वारा इक्विटी की बिक्री पर 58.58 लाख रूपए की हानि।

4 Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit,

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Board of Members under section 13M) of TDB, Act 1995.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Technology Development Board as required under section 13(1) of the Technology Development Board Act 1995, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

(A) Balance Sheet

Liabilities

Understatement of Liabilities - Current Liabilities

An amount of Rs. 69.60 lakh was paid on 23.5.2009 as Asset Management Fee to IDBI for the financial year 2008-09 but the same was not accounted under Schedule-7 "Current liabilities and provisions" of the accounts of TDB resulting in understatement of current liabilities to the extent of Rs 69.60 lakh.

(B) Notes on Accounts-Schedule - 25

This does not disclose:

a) Waiver of recoveries on account of Principal, interest and FILD amounting to Rs. 21.65 crore by Industrial Development Bank of India (IDBI) on behalf of TDB.

b) Loss of Rs. 58.58 lakh on sale of equity by IDBI on behalf of TDB

ग) 2007–08 के क्लोजिंग शेष के रूप में वी सी एफ का स्त्रोत शेष (–) 13.49 रू. था जबकि ओपनिंग स्त्रोत शेष 123.50 लाख रू. दिखाया गया।

इन दोनो ऑकड़ो की संगत स्थिति को दिखाया जाना चाहिए।

प्रबंधन पत्र

पाई गई कमियॉ जिन्हें ऑडिट रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया उनकी उपचारात्क/संशोधन कार्यवाही के लिए प्रबंधन पत्र के माध्यम से टी डी बी की जानकारी में लाया गया है।

v) पूर्व पैराग्राफ में हमारी टिप्पिणयों के संबंध में हमने यह रिपोर्ट किया है कि रिपोर्ट मं दिए गए तुलन पत्र और लेखे/प्राप्तियॉ और भुगतान लेखों बही के अनुसार हैं।

vi) हमारे विचार से और हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त विवरण लेखा नीतियों और टिप्पणियों सहित पठित और उपरोक्त महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित और इस ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए अन्य मामले भारत में सामान्यतया अपनाए गए लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप वास्तविक और उचित विचार प्रस्तुत करते हैं।

क) जहॉ तक यह टी डी बी की 31 मार्च 2009 तक की गतिविधियॉं की तुलन पत्र से संबंधित है: और

ख) जहॉं तक यह वर्ष के अंत में उस तारीख पर सरपल्स की आय और व्यय लेखे से संबंधित है।

c) The Resource balance of VCF was (-) Rs. 13.49 lakh as closing balance of 2007-08 whereas the opening Resource balance has been shown as Rs. 123.50 lakh.

The position of reconciliation of these two figures should have been shown.

Management letter:

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the TDB through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipt and Payment dealt with by this report are in agreement with the books of accounts

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of TDB as at 31st March 2009; and

b In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date

अनुबंध

1. आंतरिक नियंत्रण सिस्टम की पर्याप्तता

वर्ष 2008–09 के लेखा खाते में प्रविष्टियाँ अधूरी थी और आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित अनुसूची 3 एवं 9 में दर्शाए गए निर्धारित / इंडोवमेट फंड को बोर्ड द्वारा संगत नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त स्टाफ के सदस्यों / अन्यों सरकारी विभागों को दिए गए अग्रिमों के रजिस्टरों को अनुरक्षित नहीं किया गया और 31 मार्च 2009 तक लंबित उपयोगिता प्रमाणपत्रों की स्थिति को भी प्रस्तुत नहीं किया गया था।

2. आंतरिक ऑडिट का सिस्टम

टी डी बी की 2008–09 की आंतरिक ऑडिट नहीं की गई थी।

3. निर्धारित परिसंपत्तियाँ/इनवेंटरी की वास्तविक जांच का सिस्टम

(i) परिसंपत्ति

जी एफ आर के अनुसार टी डी बी को निर्धारित प्रोफार्मा में पृथक परिसंपत्ति रिजस्टर (ए ए आर) बनाना चाहिए था, ए ए आर का उत्तरोत्तर योग, वार्षिक लेखे में तुलन पत्र के अनुसूची–8 निर्धारित परिसंपत्ति के दर्शाए नए ऑकड़ों से मिलना चाहिए था । टी डी बी, नई दिल्ली का वार्षिक लेखा के अनुसार 31 मार्च 2009 तक विभिन्न शीर्षों के निर्धारित परिसंपत्ति के तहत 99.84 लाख रूपए था। लेकिन टी डी बी द्वारा अनुरक्षित परिसंपत्ति रजिस्टर में विभिन्न परिसंपत्तियों का मूल्य तुलन पत्र से मेल नहीं खा रहा था।

(ii) इववेंटरी/परिसंपत्तियों की वास्तविक जाँच

इनवेंटरियों / परिसंपत्तियों की वास्तविक जाँच से संबंधित नियम 192 (1 से 3 के तहत) प्रावधानों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। इसको सुनिश्चित किया जाए।

Annexure

1. Adequacy of Internal Control System

The postings in the Accounts ledger for the year 2008-09 was incomplete and the Earmarked/Endowment fund depicted in Schedule-3 & 9, maintained by IDBI, was not being reconciled by the Board. Further, the Register of Advances to Staff members/ Others and Govt. Departments was not being maintained and the position of Outstanding Utilization Certificates as on 31st March 2009 was also not furnished.

2. System of Internal Audit.

The Internal audit of TDB has not been conducted for the year 2008-09.

3. System of Physical verification of fixed assets/ Inventory

(i) Assets Register

As per GFRs, TDB was required to maintain abstract Assets Register (AAR) in the prescribed format, The Progressive Totals of the AAR have to be tallied with the figures reflected in Schedule 8-Fixed Assets of the Balance Sheet in the Annual Accounts. As per the Annual Accounts, TDB, New Delhi held the fixed assets of Rs, 99.84 lakh as on 31 March 2009 under various heads but the value of various assets in tne Assets Register maintained by TDB did not match with the Balance Sheet.

(ii) Physical Verification of Inventory/ Assets

Provisions contained under Rule 192 (1 to 3) regarding physical verification of inventory/ assets were not followed strictly. These needs to be ensured.

लेखा परिक्षा आपत्तियाँ	प्रौ.वि.बो. के उत्तर/टिप्पणी
वित्तिय वर्ष 2008–09 के लिए रू. 69.60 लाख की राशी 23.05.2009 को परिसम्पत्ति प्रबन्धक शुल्क के रूप में IDBI को दी गई, परन्तु इसे प्रौ.वि.बो. के लेखा अनुच्छेद–7 के आधीन 'वर्तमान देनदारी और व्यवस्था' में उल्लेखित नहीं किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप, विवरण के आधीन, वर्तमान देनदारियों का विस्तार रू. 69.60 लाख हो गया।	निर्धारित/अक्षय–निधि, जिसका रखरखाव IDBI द्वारा किया जाता है, से परिसम्पत्ति प्रबंधक शुल्क रू. 69.60 लाख को सीधे तौर पर IDBI द्वारा खाते में डाल दिया गया। सुझाव को भविष्य में अनुपालन के लिए ध्यान में रखा गया।
लेखा टिप्पणी–अनुच्छेद–25 यह खुलासा नहीं करता है– 1. IDBI द्वारा प्रौ.वि.बो. के हवाले से रू 21.65 करोड़ रूपये के मूल, ब्याज तथा FILD के वसूली की माफी। 2. IDBI द्वारा इक्विटी को प्रौ.वि.बो. के हवाले से बेचने पर रू. 58.58 लाख का नुकसान। 3. VCF का संसाधन शेष (Resource balance), अंतशेष (Closing balance) 2007–08 के रूप रू. (-) 13.49 लाख था जबकि आदिशेष संसाधन शेष (opening resource balance) को रू 123.50 लाख दर्शाया गया है।	निर्धारित/अक्षय–निधि, IDBI द्वारा प्रबंधित होती है, इसलिए प्रौ.वि.बो. के संचालन के पहले उनके द्वारा संचालित और कार्यरत थे। चूँकि IDBI द्वारा प्रदान किया गया निर्धारित/अक्षय–निधि का तुलनपत्र प्रौ.वि.बो. के तुलनपत्र का ही एक भाग है, अतः किसी अन्य प्रकटन का लेखा टिप्पणी में समावेश नहीं है।
जो लेखा रिपोर्ट में शामिल नहीं है उन कमियों को, उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्यवाई के लिए एक अलग प्रबंधन पत्र जारी करके प्रौ.वि.बो. को सूचित किया जा चुका है।	इस संदर्भ में कदम उठायें जा रहे है।
वर्ष 2008–09 लेखा वही में की गई पोस्टिगं अधूरी थी और IDBI द्वारा संचालित अनुसूची 3 व 9 में दर्शाये गए निर्धारित निधि कोष के मेल मिलाप, बोर्ड द्वारा नहीं किये जा रहे थे। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों व अन्य के लिए तथा सरकारी विभागों को दिए जाने वाले अग्रिम रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया जा रहा था, और 31.03.2009 तक की बकाया स्थिति उपलब्ध नही कराई गई थी।	यह आने वाले वर्ष से संकलित किया जायेगा।
प्रौ. वि. बो. की वर्ष 2008–09 की आन्तरिक लेखा परिक्षा नही हुई है।	आन्तरिक वर्ष 2008–09 की लेखा परिक्षा हो चुकी है।
(1) GFR के अनुसार, प्रौ.वि.बो. को परिसम्पत्ति सार पत्रक (ARR) का रखरखाव उद्दत प्रारूप में किया जाना था। ARR के कुल प्रगामी का मिलान अनुच्छेद–8, अचल परिसम्पत्ति, वार्षिक लेखा के तुलनपत्र के अचल परिसम्पत्तियों में दर्शाये गये आँकड़ो से होना था। वार्षिक लेखा के अनुसार, प्रौ.वि.बो., नई दिल्ली के पास रू. 99.84 लाख की अचल परिसम्पत्तियों को 31 मार्च, 2009 को विभिन्न मद में दर्शाया गया था लेकिन प्रौ.वि.बो. द्वारा रखरखाव की जाने वाली परिसम्पत्ति रजिस्टर में विभिन्न परिसम्पत्तियों के मूल्य का मिलान तुलनपत्र के साथ नहीं हुआ। (2) वस्तु सूचि/परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन से सम्बन्धित नियम 192 (1 से 3) के अंतर्गत प्रावधानों को गम्भीरता से नहीं लिया गया। यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।	आने वाले वर्ष 2009–10 के अनुपालन लिए नोट किया गया।

AUDITED OBSERVATIONS	TDB REPLIES / COMMENTS
An amount of Rs. 69.60 lakh was paid on 23.5.2009 as Asset Management Fee to IDBI for the financial year 2008-09 but the same was not accounted under Schedule-7 "Current liabilities and provisions" of the accounts of TDB resulting in understatement of current liabilities to the extent of Rs 69.60 lakh.	Asset Management Fee of Rs. 69.60 lakh is directly debited by IDBI from Earmarked/Endowment funds maintained by them. The suggestion is noted for future compliance.
Notes on Accounts-Schedule - 25 This does not disclose: a) Waiver of recoveries on account of Principal, interest and FILD amounting to Rs. 21.65 crore by Industrial Development Bank of India (IDBI) on behalf of TDB. b) Loss of Rs. 58.58 lakh on sale of equity by IDBI on behalf of TDB. c) The Resource balance of VCF was (-) Rs. 13.49 lakh as closing balance of 2007-08 whereas the opening Resource balance has been shown as Rs. 123.50 lakh.	Earmarked/Endowment fund is being managed by IDBI as it was handled and assigned to them prior to handing over to TDB. Since balance sheet of Earmarked/ Endowment fund provided by IDBI is part of balance sheet of TDB, no separate disclosure has been incorporated on notes and accounts.
Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the TDB through a management letter issued separately for remedial /corrective action.	Steps are being taken in this regard.
The postings in the Accounts ledger for the year 2008-09 was incomplete and the Earmarked/Endowment fund depicted in Schedule-3 & 9, maintained by IDBI, was not being reconciled by the Board. Further, the Register of Advances to Staff members/ Others and Govt. Departments was not being maintained and the position of Outstanding Utilization Certificates as on 31st March 2009 was also not furnished.	This will be complied with from next year onwards.
The Internal audit of TDB has not been conducted for the year 2008-09.	Internal Audit of TDB for the year has been conducted.
(i) As per GFRs, TDB was required to maintain abstract Assets Register (AAR) in the prescribed format The Progressive Totals of the AAR have to be tallied with the figures reflected in Schedule 8-Fixed Assets of the Balance Sheet in the Annual Accounts. As per the Annual Accounts, TDB, New Delhi held the fixed assets of Rs, 99.84 lakh as on 31 March 2009 under various heads but the value of various assets in the Assets Register maintained by TDB did not match with the Balance Sheet. (ii) Provisions contained under Rule 192 (1 to 3) regarding physical verification of inventory/ assets were not followed strictly. These needs to be ensured.	Will be complied with from 2009-10 onwards. Noted for compliance for 2009-10.